केंद्रीय मंत्री गिरीराज सिंह... 02

रवीना टंडन ने बताया बेटी... 11

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 176 | गाजियाबाद / सोमवार 28 सितंबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

शाह ने देश की पहली एलएनजी ट्रेन को दिखाई हरी-झंडी

● बड़ी उपलब्धि, टैंक फुल होने पर 2200 किमी तक चलेगी ● एलएनजी और डीजल के बीच स्विच कर सकेगा इसका इंजन

अहमदाबाद (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात में 1,542 करोड़ रुपए से अधिक की रेल परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने भारत की पहली एलएनजी से चलने वाली ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाई। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2015-16 में रेलवे ने 293 करोड़ लीटर डीजल की खपत की।

2,000 किमी से ज्यादा का फील्ड ट्रायल रहा सफल

इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत 1400 डब्ल्यूएजी क्षमता वाले दो ड्राइविंग पावर कार को एलएनजी ड्यूल-फ्यूल प्रणाली में ट्रांसफॉर्म किया गया है। ट्रेन का 2,000 किलोमीटर से अधिक का सफल फील्ड ट्रायल पूरा किया जा चुका है। गुजरात के मेहसाणा और साबरमती के बीच करीब 8 महीनों तक ट्रेन का ट्रायल हुआ। आने वाले समय में 8 से 10 और ट्रेनों में एलएनजी तकनीक को अपनाने की योजना है। अहमदाबाद के डीआरएम वेद प्रकाश ने बताया कि एलएनजी डीजल से सस्ता होने के कारण ट्रेन चलाने की कुल लागत कम हो जाती है। एलएनजी ईंधन से प्रदूषण में भी भारी कमी आएगी। इससे कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और धूल के कण जैसे हानिकारक तत्व कम मात्रा में उत्पन्न होंगे।

700 करोड़ की लागत से नया लोकोमोटिव शेड

साबरमती में करीब 700 करोड़ रुपए की लागत से डब्ल्यूएजी-12 लोकोमोटिव मेंटेनेंस शेड बनाया गया है। यहां करीब 12,000 एचपी क्षमता वाले 300 डब्ल्यूएजी-12 इलेक्ट्रिक मालगाड़ी इंजनों के रखरखाव की सुविधा होगी। ये इंजन भारी और लंबी मालगाड़ियों को चलाने के लिए तैयार किए गए हैं। करीब 313.27 करोड़ रुपये की लागत से साबरमती-सारखेज रेल लाइन के 21 किलोमीटर हिस्से को डबल करने का काम भी किया जाएगा। इसे मार्च 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य है। परियोजना में साबरमती, गांधीग्राम, वस्त्रापुर और सारखेज स्टेशनों के साथ पुलों और रोड अंडरपास से जुड़े काम भी शामिल हैं।

राहुल और तेजस्वी आरोप लगाते हैं, सबूत नहीं देते

● सम्राट चौधरी बोले-राबड़ी देवी के समय भी एसआईआर हुआ था

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राहुल गांधी, तेजस्वी यादव सहित विपक्ष के नेताओं के आरोपों पर पलटवार किया। सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया पर सवाल उठाने वालों को आरोपों के साथ सबूत के तौर पर तथ्य, दस्तावेज भी सामने रखने चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार में एसआईआर कोई नई प्रक्रिया नहीं है। 2003 में भी मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण किया गया था। उस समय बिहार में राबड़ी देवी की सरकार थी। बिहार में 2025 में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया पूरी की गई। इससे पहले 2003 में भी एसआईआर हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

आज मीनाक्षी अम्मन मंदिर जाएंगे थलपति विजय

पूजा-अर्चना के लिए घोषणा-पत्र पर करने पड़ सकते हैं हस्ताक्षर

मदुरै (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय के पद संभालने के बाद अपनी पहली यात्रा के दौरान कल 28 सितंबर को मीनाक्षी अम्मन मंदिर में पूजा-अर्चना करने की संभावना है। मंदिर के अधिकारियों ने कहा कि मंदिर के गर्भगृह में जाने से पहले उन्हें हिंदू धर्म में अपनी आस्था की पुष्टि करते हुए एक घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा जा सकता है। मंदिर जाने का कार्यक्रम शाम 4 बजे

का है, जब वे सरकारी राजाजी अस्पताल में नवजात शिशुओं के लिए एक योजना शुरू करेंगे और नए रूप में तैयार गांधी संग्रहालय का उद्घाटन करेंगे। हालांकि, पुलिस ने कहा कि अभी तक आधिकारिक कार्यक्रम में केवल अस्पताल और संग्रहालय के कार्यक्रम ही शामिल हैं और मंदिर जाने का फैसला विजय पर निर्भर करेगा।

गर्भगृह में केवल हिंदुओं को ही प्रवेश की अनुमति- मंदिर के अधिकारियों ने कहा कि देवी और भगवान सुंदरेश्वर के गर्भगृह में केवल हिंदुओं को ही प्रवेश की अनुमति है। उन्होंने मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बेंच के उस फैसले का हवाला दिया, जिसमें गैर-हिंदुओं को घोषणा पत्र देने के बाद पूजा करने की अनुमति दी गई है।

छात्रा से रेप का आरोप, यूनिवर्सिटी में लगा दी आग

पंजाब की एलपीयू यूनिवर्सिटी में छात्रों ने मचाया बवाल

फगवाड़ा/जालंधर (एजेंसी)। पंजाब की फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में शनिवार रात शुरू हुआ हंगामा रविवार को भी जारी है। छात्रों का आरोप है कि यूनिवर्सिटी की एक छात्रा से रेप हुआ, जिसके बाद उसने आत्महत्या कर ली। सोशल मीडिया पर यह मैसेज शनिवार रात वायरल होने के बाद हजारों छात्र सड़कों पर उतर आए। छात्रों ने कैंपस में तोड़फोड़ की और एक हिस्से में आग लगा

दी। इसके बाद दिल्ली-अमृतसर नेशनल हाईवे पर धरना देकर ट्रैफिक जाम कर दिया। पुलिस ने पहले कहा कि जांच में रेप का कोई मामला सामने नहीं आया है। मामला बढ़ता देख एफआईआर की गई। डीजीपी नवीन सिंगला ने कहा कि एफआईआर दर्ज करने के अलावा जांच के लिए एसआईटी गठित की गई है, जिसमें 5 सदस्य स्टूडेंट्स हैं। इसके बावजूद स्टूडेंट्स धरना दे रहे हैं। वे आरोपी की गिरफ्तारी समेत अपनी 5 मांगें पूरी कराने पर अड़े हुए हैं। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने रेप के आरोपों को बेबुनियाद बताया है।

मणिपुर में संकट बरकरार, नहीं थम रही है जातीय हिंसा

सेनापति जिले में दो नगा युवकों की गोली मारकर हत्या, दो अन्य घायल

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में जातीय हिंसा का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्य के सेनापति जिले के कालेन्जांग गांव में शनिवार दोपहर अज्ञात हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलीबारी कर दो नगा युवकों की हत्या कर दी, जबकि इस हिंसक घटना में दो

अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पिछले कुछ महीनों से नगा और कुकू समुदायों के बीच चल रहे संघर्ष में यह एक और खूनी अध्याय जुड़ गया है। फरवरी से शुरू हुए इस आपसी संघर्ष में अब तक 40 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। यह गोलीबारी शनिवार दोपहर करीब ढाई बजे सेनापति पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले इलाके में हुई।

सर्जिकल स्ट्राइक ने दुनिया को दिखाई भारत की नीति

पीएम बोले-आतंकियों को छोड़ेंगे नहीं, देंगे करारा जवाब

● मोदी ने मन की बात में ऑपरेशन सिंदूर का किया जिक्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने रविवार को मन की बात के 138वें एपिसोड में कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रहा है। आतंकवादी अगर भारत की तरफ आंख उठाकर देखेंगे, तो उन्हें करारा जवाब दिया जाएगा। मोदी ने कहा कि 28-29 सितंबर 2016 को हुई सर्जिकल स्ट्राइक के 10 साल पूरे होने वाले हैं। भारतीय सेना ने एलओसी पार कर पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की थी। भारतीय जवानों की इस कार्रवाई को देखकर दुनिया हैरान रह गई थी। प्रधानमंत्री ने बालाकोट एयरस्ट्राइक से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक

का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने बार-बार साफ संदेश दिया है कि आतंकवाद का मजबूत और निर्णायक जवाब दिया जाएगा।

जनगणना को बताया राष्ट्रीय दायित्व

पीएम मोदी ने कहा कि जनगणना हम सबका राष्ट्रीय दायित्व है। उन्होंने लोगों से अपनी और परिवार की जानकारी खुद ऑनलाइन दर्ज करने की अपील की। मोबाइल से यह प्रक्रिया आसानी से पूरी की जा सकती है। मोदी ने बताया कि जनगणना का पहला चरण सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग पूरा हो चुका है। 32 करोड़ से ज्यादा परिवारों का डेटा भी दर्ज किया जा चुका है। पीएम मोदी ने 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने जीवन के कई मंत्र दिए, जिनमें स्वच्छता भी शामिल है। उन्होंने सोशल मीडिया पर स्वच्छता से जुड़े फोटो, वीडियो और रील्स का भी जिक्र किया और कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से पूरा समाज जुड़ रहा है।

सोनाई रूपाई में फिर लौटे हाथी

असम के सोनाई रूपाई वन्यजीव अभयारण्य का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि यहां कभी हाथी रहते थे, लेकिन जंगल की जमीन पर इंसानी दखल बढ़ने से वे दूर चले गए थे। करीब तीन साल पहले अतिक्रमण हटाए जाने के बाद हाथी फिर इस इलाके में लौट आए हैं और अब उनके झुंड दिखाई दे रहे हैं। पीएम मोदी ने 28-29 सितंबर 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उरी में सेना के कैंप पर आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने एलओसी पार कर आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की थी। मोदी ने इसे आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक कार्रवाई और नई नीति का उदाहरण बताया।

स्वच्छता को गांधी जी के जीवन-मंत्र से जोड़ा- पीएम मोदी ने 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती का जिक्र करते हुए कहा कि बापू ने जीवन के कई मंत्र दिए, जिनमें स्वच्छता भी शामिल है। उन्होंने सोशल मीडिया पर स्वच्छता से जुड़े फोटो, वीडियो और रील्स का भी जिक्र किया।

यूपी में 70 घंटे से आंधी-बारिश, बिहार में 500 घर डूबे

● उत्तर प्रदेश और बिहार के लिए बारिश बनी जी का जंजाल ● उत्तराखंड में गंगा खतरे के निशान के ऊपर, लोगों में छाया डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के सभी जिलों में कल से भारी बारिश हो रही है। ऋषिकेश में गंगा वॉर्निंग लेवल के पार पहुंच गई है और घाटों पर जाने पर रोक लगा दी गई है। वहीं, रुद्रप्रयाग में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर लैंडस्लाइड हुई है। इससे करीब 4 हजार श्रद्धालु फंस गए हैं। खराब मौसम को देखते हुए आज केदारनाथ यात्रा पर रोक लगा दी गई और हेली सेवाएं भी बंद हैं। वहीं, देहरादून, टिहरी, हरिद्वार और पौड़ी में रेड अलर्ट, उत्तरकाशी, चमोली, नैनीताल और रुद्रप्रयाग में ऑरेंज अलर्ट, जबकि बागेश्वर, अल्मोड़ा, चंपावत, ऊधम सिंह नगर और पिथौरागढ़ में यलो अलर्ट है। यूपी के लखनऊ, कानपुर, उन्नाव, बाराबंकी, अयोध्या और जौनपुर समेत 45 शहरों में 70 घंटे से बारिश हो रही है।

पिथौरागढ़-नैनीताल में हाईवे पर गिर रहे बोल्डर- उत्तराखंड में गंगा वॉर्निंग लेवल के पार पहुंच गई है और घाटों पर जाने पर रोक लगा दी गई है। चारधाम बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई है। वहीं, रुद्रप्रयाग में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर सिरोबगड़ के पास लैंडस्लाइड हुई है। यात्रा मार्ग पर करीब 4 हजार श्रद्धालु फंसे हैं। पहाड़ी से लगातार लैंडस्लाइड होने के कारण मार्ग खोलने में दिक्कत आ रही है। खराब मौसम को देखते हुए केदारनाथ यात्रा पर रोक लगाई गई है।

यूपी में पंप से निकाल रहे एक्सप्रेसवे पर भरा पानी

यूपी में बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। करीब 70 घंटे तक हुई बारिश से शहर से लेकर गांव तक पानी ही पानी दिखाई दे रहा है। उन्नाव में गंगा एक्सप्रेसवे पर सोनिक टोल प्लाजा के पास 2-3 फीट जलभराव हो गया। पंप की मदद से पानी को एक्सप्रेसवे से बाहर निकाला जा रहा है। लखनऊ में इकाना स्टेडियम के पास सड़क धंस गई। चौराहों पर पानी भर गया। बख्शी का तालाब इलाके में खेत जलमग्न हो गए। फसलें गिरकर डूब गईं। आंधी-बारिश से प्रदेश में 2 दिन में 62 लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल बारिश थमी है, लेकिन आसमान में काले बादल छाए हैं।

रूस का यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन

● जर्मनी-जापान का किया विरोध, बदले की भावना का लगाया आरोप

मास्को (एजेंसी)। रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि सुरक्षा परिषद में एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। हम ब्राजील और भारत की स्थायी सदस्यता की उम्मीदवारी का समर्थन करते हैं। लावरोव ने सुरक्षा परिषद में पश्चिमी देशों की अतिरिक्त सीटों का विरोध किया। उन्होंने खासतौर पर जर्मनी और जापान का नाम लेते हुए उन पर सैन्यवाद और बदले की भावना की ओर बढ़ने का आरोप लगाया। लावरोव ने साथ ही कहा कि यूएनएससी में सुधार के दौरान मौजूदा स्थायी सदस्यों के अधिकारों और शक्तियों में कमी नहीं होनी चाहिए।

भारत की स्थायी सदस्यता की मांग 1990 से जारी- भारत की यूएनएससी में स्थायी सदस्यता की मांग 1990 के दशक से उठती रही है। 2008 से सुरक्षा परिषद सुधार पर औपचारिक बातचीत शुरू हुई।

● **भारत छठी परमानेंट सीट का सबसे मजबूत दावेदार-** दुनिया की 17 फीसदी आबादी भारत में रहती है। 142 करोड़ जनसंख्या के साथ भारत दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है। यूएनएससी में इतनी बड़ी आबादी का रिप्रेजेंटेशन होना जरूरी है। पिछले एक दशक में भारत की औसतन सालाना विकास दर 7 फीसदी से ज्यादा रही है। यह चीन के बाद किसी भी दूसरे बड़े देश की तुलना में सबसे ज्यादा है। इस आर्थिक ताकत को यूएनएससी में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत परमाणु शक्ति संपन्न है देश है।

तिरहुत में अपनों ने ही छेड़ी जन सुराज के विरुद्ध जंग

'घर के चिराग' से पीके के अरमान होंगे स्वाहा!

पटना (एजेंसी)। एक बड़ा ही मशहूर शेर है, दिल के फफोले जल उठे सीने के दाग से, इस घर को आग लग गई घर के चिराग से। बहुत कुछ ऐसी ही कहानी तिरहुत स्नातक क्षेत्र में जन सुराज के साथ घट रही है। प्रशांत किशोर को अब अपना घर संभालना मुश्किल होते जा रहा है। तिरहुत स्नातक क्षेत्र के लिए अभी नामंकन भी नहीं हुआ है जनसुराज के आपसी विरोध सतह पर तांडव करने लगे हैं। हुआ यह कि जो अब तक जो संभावित उम्मीदवार जनसुराज से स्नातक क्षेत्र के विकास की रूप रेखा और वोटों का पहाड़ खड़ा कर रहा था वह अचानक दावेदारी से ही किनारा कर दिया। जन सुराज ने तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से अपने उम्मीदवार प्रो विमोहन के नाम की घोषणा क्या की पार्टी विद्रोह की अग्नि से तपने लगी। विरोध का यह झंडा पार्टी के ही चर्चित नेता संजय झा ने ही बुलंद कर दिया। वह भी कई तरह के आरोप लगाते। उन्होंने जन सुराज नेतृत्व खास कर प्रशांत किशोर पर ही हमला बोल दिया।

उन्होंने विरोध का मुहावरा गढ़ते साफ कहा कि मेरे साथ विश्वासघात किया गया। मेरे पीठ में खंजर घोंपा गया। जबकि लंबे समय से जन सुराज के लिए काम कर रहा था।

तिरहुत स्नातक का चुनावी गणित

तिरहुत स्नातक क्षेत्र में चार जिले यानी मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी और शिवहर के वोटर मिलकर जीत तय करते है। इसमें कुल 146 मतदान केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं। इस निर्वाचन क्षेत्र के चुनावी गणित में कुल मतदाताओं की संख्या करीब 1.45 लाख है। तिरहुत स्नातक क्षेत्र के त्रिकोणात्मक संघर्ष को एक और कोण जन सुराज बागी उम्मीदवार संजय झा ने बना दिया। इसके पहले ही तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से एनडीए समर्थित जदयू के उम्मीदवार अभिषेक झा और राष्ट्रीय जनता दल के डॉ. रश्मि विनायक गौतम और तिरहुत स्नातक क्षेत्र से गत वर्ष जीत हासिल किए वंशीधर ब्रजवासी पहले ही इस चुनावी जंग को त्रिकोणात्मक की राह उतार चुके थे।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का ओवैसी पर हमला: देश में फिर पैदा हो गए हैं जिन्ना

राहुल-सोनिया गांधी पर भी साधा निशाना

नई दिल्ली , एजेंसी।
चुनाव आयोग और एसआईआर (एसआईआर) के मुद्दे पर छिड़े सियासी घमासान के बीच केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी और गांधी परिवार पर तीखा हमला बोला है। गिरिराज सिंह ने ओवैसी द्वारा एसआईआर पर सवाल उठाने पर कड़ा ऐतराज जताकर कहा कि देश में एक बार फिर से जिन्ना पैदा हो गए हैं। उन्होंने ओवैसी पर संविधान में आस्था न रखने का आरोप लगाकर कहा कि बैरिस्टर होने के बावजूद वे एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने सवालिया लहजे में कहा कि यदि इन्हें संविधान पर भरोसा नहीं है, तब क्या देश में शरिया कानून लागू कर दिया जाए?
कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर हमला बोलकर केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वीकार नहीं कर पा रही है। उन्होंने दावा किया कि गांधी-नेहरू परिवार पीएम मोदी को इसलिए नहीं पचा पा रहा है क्योंकि वह एक गरीब का बेटा हैं। चुनाव हारने के बाद विपक्ष द्वारा वोट चोरी और ईवीएम पर सवाल उठाने की संस्कृति पर नाराजगी जताकर उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस जीतती है, तब चुनाव सही होते हैं और हारने पर वह संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप मढ़ने लगती है। सोनिया गांधी की नागरिकता को लेकर भी उन्होंने पुराना सवाल दोहराया।
इस बीच, एसआईआर प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक बयानबाजी चरम पर है। एक तरफ जहां विपक्ष इस मुद्दे पर लामबंद होकर चुनाव आयोग और सरकार को घेर रहा है, वहीं बीजेपी के तमाम नेता इसका पुरजोर बचाव कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर हार की बौखलाहट में बहाने बनाने का आरोप लगाया है। वहीं, पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने भी मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर हो रहे विरोध को राजनीति से प्रेरित और अफवाह करार दिया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आने वाले दिनों में यह विवाद और अधिक तूल पकड़ सकता है, जिससे सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव और गहराने के पूरे आसार हैं।

आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश से बातचीत की गुंजाइश नहीं : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साफ किया कि भारत के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले किसी भी देश से बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत शांति का पक्षधर है और बातचीत में विश्वास रखता है, लेकिन अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। यदि कोई देश भारत के खिलाफ आतंकवाद को हवा देता है, तब उस देश से संवाद असंभव है। केंद्रीय मंत्री का सीधा-सीधा इशारा पाकिस्तान की तरफ था।
केंद्रीय मंत्री सिंह ने याद दिलाया कि शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने भी इसतरह देशों को कड़ा संदेश दिया था जो आतंकवाद को अपनी नीति का साधन बनाते हैं या आतंकियों को पनाह देते हैं। उन्होंने जोर दिया कि जब तक पड़ोसी देश आतंकवाद की राज्य नीति पर कायम रहेगा, भारत भी आतंकवाद के खिलाफ हर तरह की कार्रवाई के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है। रक्षा मंत्री ने देश की रक्षा क्षमताओं में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को केवल आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य नहीं दिया, बल्कि अपने सामर्थ्य पर विश्वास करना सिखाया है। आज डीआरडीओ केवल अनुसंधान संस्थान नहीं, बल्कि उद्योगों, विश्वविद्यालयों और नए उद्यमों को जोड़ने वाला राष्ट्रीय नवाचार मंच बन चुका है। रक्षा मंत्रालय ने नए उद्यमों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमईएस) से 2400 करोड़ रुपए से अधिक की खरीदारी को मंजूरी दी है, साथ ही नई तकनीक के विकास के लिए 1500 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं स्वीकृत की हैं।

पंजाब में पराली जलाने के शुरुआती 40 मामले, प्रशासन सख्त

पटियाला (एजेंसी)। पंजाब में धान की कटाई के शुरुआती दौर में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। 26 सितंबर तक वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएमएस) और राज्य प्रशासन की निगरानी में कुल 40 मामले दर्ज हुए हैं, जिसके बाद नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सैटेलाइट और प्रोटोकॉल रिपोर्ट के अनुसार राज्यभर में पराली जलाने की कुल 40 घटनाएं सामने आई हैं। आंकड़ों के मुताबिक, सर्वाधिक 21 मामले अमृतसर जिले में दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 4 खेतों में मौके पर आग लगने की पुष्टि हुई। इसके बाद तरनतारन में 6 और फिरोजपुर में 5 मामले सामने आए। कुल 28 खेतों के भौतिक निरीक्षण में 12 स्थानों पर पराली जलती मिली है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ विभाग ने त्वरित कार्रवाई की है। कुल 8 मामलों में 40,000 रुपये का पर्यावरण मुआवजा (ईसी) लगाया गया है, जिसमें से 10,000 रुपये की वसूली की जा चुकी है। फिरोजपुर (15,000 रुपये), तरनतारन (10,000 रुपये) और अमृतसर (5,000 रुपये) पर प्रमुख जुर्माने लगाए गए हैं। पटियाला जिले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के तहत एक मामला दर्ज किया गया है। इसके अतिरिक्त, 5 मामलों में जमीन के राजस्व रिकॉर्ड में रेड एंट्री की गई है। वहीं कर्तव्य में कोताही बरतने वाले फिरोजपुर जिले के 4 नोडल और सुपरवाइजरी अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, पराली जलाने से मिट्टी की उर्वरता नष्ट होती है और वायु प्रदूषण बढ़ता है, जिसके बावजूद ऐसी घटनाएं लगातार जारी हैं।

फगवाड़ा में दुष्कर्म की अफवाह पर छात्रों ने कॉलेज के शीशे और गमले तोड़े

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के फगवाड़ा में स्थित एक निजी विश्वविद्यालय के छात्रों ने एक छात्रा से फर्जी दुष्कर्म की खबर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद शनिवार प्रदर्शन किया और परिसर में तोड़फोड़ की। कपूरथला के वरिष्ठ एसएसपी ने कहा कि पुलिस को इस तरह के किसी अपराध की जानकारी नहीं है। वायरल वीडियो में छात्र खिड़कियों के शीशे एवं गमले तोड़ते और कुछ वस्तुओं में आग लगाते दिखाई दे रहे हैं। छात्रों ने जालंधर-फगवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग को भी बाधित किया। इन अफवाहों के कारण छात्र यहां एकत्र हुए। उन्होंने कहा कि हमने छात्रों से बात की। उन्हें एलपीयू प्रशासन से कुछ शिकायतें हैं। हमने उनकी बात सुनी है और उनका समाधान कराने की कोशिश कर रहे हैं। स्थिति नियंत्रण में है। एसएसपी ने कहा कि संपत्ति को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि छात्रों का कहना है कि उनकी शिकायतों का उचित समाधान नहीं किया जाता। विश्वविद्यालय में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

लद्दाख के साथ ऐसा व्यवहार क्यों? पुलिस फायरिंग बरसी को लेकर भड़के वांगचुक

लद्दाख (एजेंसी)। 24 सितंबर 2025 को हुई हिंसा और पुलिस फायरिंग की पहली बरसी पर पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने मीडिया कवरेज, हिंसा की न्यायिक जांच, पीड़ितों के मुआवजे और खुद पर लगाए गए एनएसए के तहत कार्रवाई को लेकर सरकार से जवाब मांगा है। बता दें 24 सितंबर को लद्दाख के कई हिस्सों में बंद रहा और इस दिन को कुछ लोगों ने शहीद दिवस के तौर पर मनाया। पिछले साल हुई हिंसा में चार लोगों की मौत हुई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वांगचुक ने कहा कि 27 सितंबर को पिछले साल वह जोधपुर की जेल में थे। उन्होंने बताया कि इसी दौरान उन्हें पता चला था कि उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लिया गया है। उन्होंने 24 सितंबर को लद्दाख में मनाए गए शहीद दिवस का जिक्र करते हुए मीडिया कवरेज पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि जब लद्दाख में शहीद दिवस मनाया जा रहा था, तब मीडिया ब्लैकआउट जैसा माहौल था। उन्होंने कहा कि 24 सितंबर को कई मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधि वहां नहीं पहुंचे। वांगचुक ने सवाल किया कि क्या मीडिया को किसी खबर को दिखाने से रोका जाता है? उन्होंने मीडिया संस्थानों के प्रमुखों से पूछा कि लद्दाख के साथ ऐसा व्यवहार क्यों किया जा रहा है।

दो करोड़ की रिश्वत लेते बिचौलिया गिरफ्तार, एडिशनल एसपी भी हिरासत में

उदयपुर (एजेंसी)। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने एक बिचौलिये को दो करोड़ रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि एसीबी ने इस मामले में एसओजी उदयपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार सोनी को भी हिरासत में लिया है। एसीबी के महानिदेशक ने शनिवार देर रात जारी बयान में बताया कि आरोपी बिचौलिये की पहचान सज्जन सिंह उर्फ टाटला के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सज्जन सिंह एसओजी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार सोनी के लिए यह रिश्वत ले रहा था। शिकायतकर्ता ने शिकायत दी थी कि उदयपुर नगर निगम के 272 भूखंडों से जुड़े चर्चित मामले में पहले गिरफ्तार आरोपियों को दर्ज मुकदमों में राहत दिलाने, अन्य मामलों में आरोपी नहीं बनाने और गिरफ्तारी के दौरान उनके घरों से मिले ऐसे दस्तावेज लौटाने के बदले दो करोड़ रुपए की रिश्वत मांगी जा रही थी।

रांका की गिरफ्तारी पर गहराया विवाद: सीजेपी ने सीएम हिमंत को दी खुली चुनौती

नई दिल्ली , एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को खुली चुनौती दी है। यह चुनौती सीजेपी सदस्य आशुतोष रांका और उनकी टीम को गुवाहाटी में हिरासत में लेने के बाद सामने आई है। दीपके ने चेतावनी दी है कि यदि आशुतोष को रिहा नहीं किया गया, तब सीजेपी के सभी सदस्य असम जाएंगे और मुख्यमंत्री उन सभी को गिरफ्तार कर सकते हैं।
सीजेपी सदस्य रांका को उनकी टीम के साथ गुवाहाटी में एक निजी घर से हिरासत में लिया गया। उन्हें अभी तक गिरफ्तारी का कारण नहीं बताया गया है। रांका ने हिरासत के दौरान दावा किया कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा डरे हुए हैं, क्योंकि सीजेपी असम के स्कूलों की वास्तविक स्थिति और काजीरंगा में लोगों के अधिकार छीनकर कॉर्पोरेट्स को जमीन, जंगल और पानी सौंपने जैसे मुद्दों को उजागर करना चाहती है। रांका ने वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि सीएम असम विधानसभा चुनावों में हुई कथित धांधली से भयभीत हैं, जिसमें सीटों की सीमाएं बदलकर और नागरिकों को मतदाता सूची से हटाकर हेरफेर हुआ था।
दीपके ने मुख्यमंत्री सरमा पर सीधा हमला कर कहा कि आशुतोष को बिना किसी आरोप के उठाया गया है। उन्होंने कहा कि अगर रांका को जल्द रिहा नहीं किया गया, तब वह और सीजेपी के अन्य सदस्य असम आएंगे और सीएम के पास उन सभी को गिरफ्तार करने का विकल्प होगा। सीजेपी नेताओं का दावा है कि उन्हें गुवाहाटी में एक स्वयंसेवक बैठक आयोजित करने से रोका गया था।
रांका ने पुलिस के साथ चलती गाड़ी से रिकॉर्ड किए गए वीडियो में, मुख्यमंत्री सरमा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सीएम उनकी आवाज़ दबाना चाहते हैं क्योंकि वे असम की वास्तविकताओं को सामने लाने से डरते हैं, खासकर शिक्षा क्षेत्र और स्थानीय लोगों के अधिकारों के हनन के संबंध में। रांका ने दावा किया कि मुख्यमंत्री की यह कार्रवाई उनके डर को दर्शाती है कि देश को असम की सच्चाई का पता चल जाएगा। उन्होंने कहा कि सीजेपी ऐसी धमकियों से डरने वाली नहीं है।

दीदी ने दिखाए तेवर बोलीं- तुम बंगाल रखो, हम दिल्ली लेने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी।
एसआईआर को लेकर जारी बवाल और मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ अन्य चुनाव आयुक्तों के बीच मतभेद की खबरों के बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भाजपा पर आक्रामक हो गई हैं। वह इस मौके का पूरा फायदा उठाकर विपक्षी एकता को मजबूत करने का प्रयास कर रही हैं और केंद्र सरकार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर तुमने बंगाल लिया है, तो हम दिल्ली ले लेंगे।
ममता बनर्जी ने अपनी जानी दुश्मन रही सीपीएम के साथ भी बातचीत शुरू कर दी है, जो उनकी विपक्षी एकजुटता की पहल की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने घोषणा की कि जल्द ही दिल्ली में इंडिया गठबंधन की बैठक होने वाली है, जिसमें चुनाव आयोग से संबंधित मामलों और आगे की रणनीति पर गहन चर्चा की जाएगी। हुगली के सेरमपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को संदेश दिया कि विपक्ष की सभी पार्टियों को एक साथ बैठकर चुनाव आयोग और एसआईआर की प्रक्रिया पर एक मजबूत रणनीति बनानी चाहिए। उन्होंने कहा, मैं यह संदेश राहुल गांधी तक पहुंचाना चाहती हूं।
मुख्यमंत्री ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक आंदोलन जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के पीछे ज्ञानेश कुमार का हाथ था, और कहा कि जिस तरह ज्ञानेश कुमार को पकड़ा गया है, उसी तरह वह अन्य गलत काम करने वालों को भी पकड़ेंगी। उन्होंने दोहराया कि कुमार को जाना ही होगा, और जब तक वे नहीं चले जाते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। ममता ने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार ने बंगाल पर कब्जा करने की नीयत से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान चलाया, जिसके तहत 93 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। उन्होंने दावा किया कि सबसे पहले तृणमूल ने ही सीमा खन्ना की भूमिका को संदिग्ध बताया था, और कहा कि सारे रिकॉर्ड दिए गए हैं, मतदाता सूची से एक-एक करके नाम गायब कर दिए गए हैं। उन्होंने बंगाल पर कब्जा किया है और वह दिल्ली पर कब्जा करेंगी।ममता बनर्जी ने घोषणा की कि वे एसआईआर के खिलाफ आंदोलन का समर्थन करने वाली किसी भी राजनीतिक पार्टी का साथ देंगी, चाहे उसका राजनीतिक रंग कोई भी हो। उन्होंने एसटीएफ और सीआईडी जैसी एजेंसियों तथा पुलिस की आलोचना करते हुए जनता से कहा, डरिए मत। गिरफ्तारी के लिए तैयार रहिए, खुलकर बोलिए और एकजुट रहिए।

गडकरी ने आरटीओ में जारी भ्रष्टाचार पर चेतावनी.....तब आपकी नौकरी जाएगी

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री परिवहन सेवा योजना के शुभारंभ के मौके पर भ्रष्टाचार और वैकल्पिक ईंधन पर महत्वपूर्ण बातें कहीं। उन्होंने आरटीओ अधिकारियों को भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी चेतावनी देकर कहा, बहुत से ऑफिसर गांधीवादी हैं। गांधी जी की नोट दिखाई देती है, तब फटाफट ठप्पा लगा देते हैं। जरा याद रखना। गलत बस सेंशन किया, तब आपकी नौकरी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने 17 सेवाओं को डिजिटल कर दिया है ताकि जनता को आरटीओ कार्यालय आने की आवश्यकता न पड़े और उनका जीवन सुगम हो सके।
सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताकर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने नई सुरक्षा व्यवस्था का जिक्र किया। इसके तहत, हर बस के लिए एक अलग चेकलिस्ट तैयार होगी और उस सूची को वाहन पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। किसी भी बस का पंजीकरण फिजिकल और वीडियो निरीक्षण के बिना नहीं किया जाएगा, जिससे सुरक्षा मानकों में वृद्धि होगी। इथेनॉल को भविष्य का ईंधन बताकर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने मध्य प्रदेश सरकार को मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने समझाया कि ई-20 का अर्थ है पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल का मिश्रण, इस किसान मक्का, धान और कपास के पुआल जैसे कृषि उत्पादों से बनाते हैं। यह व्यवस्था अमेरिका, जर्मनी और जापान सहित 19 देशों में पहले से ही प्रचलित है। केंद्रीय गडकरी ने अपने इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर, स्कूटर और हाइड्रोजन कार के उपयोग का उल्लेख कर बताया कि जल्द ही 100 प्रतिशत इथेनॉल से चलने वाली गाड़ियां उपलब्ध होंगी, जिससे देश की पेट्रोल-डीजल आयात पर निर्भरता काफी कम होगी।

रुपये 40 का पेट्रोल भरवाकर 9,500 रुपये लूटे, फरार होने से पहले दो आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार (शिखर समाचार)। भगवानपुर कोतवाली क्षेत्र के सिकन्दरपुर स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम पेट्रोल पंप पर 40 रुपये का पेट्रोल भरवाकर कर्मचारी से 9,500 रुपये लूटने की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से लूट की रकम में बचे 3,000 रुपये, वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और 315 बोर का देशी तमंचा बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार बीती रात दो युवक पेट्रोल पंप पर पहुंचे और 40 रुपये का पेट्रोल भरवाकर कर्मचारी को 200 रुपये का नोट दिया। कर्मचारी द्वारा 160 रुपये वापस लौटाए जाने के दौरान आरोपियों ने उसके हाथ में रखे 9,500 रुपये लूट लिए। कर्मचारी ने उनका पीछा करने का प्रयास किया तो आरोपियों ने तमंचा दिखाकर गोली मारने की धमकी दी और मोटरसाइकिल से फरार हो गए। मामले में भगवानपुर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह के निर्देश पर पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच शुरू की। देर रात सिकन्दरपुर-सिरचन्दी मार्ग पर चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल सवार दो संदिग्धों को पकड़ लिया गया। पूछताछ में उन्होंने पेट्रोल पंप पर लूट की घटना स्वीकार की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वंश उर्फ कृष पुत्र अशोक उर्फ नारायण निवासी बहेड़ी गुर्जर, थाना गागलहेड़ी, सहारनपुर और अमित उर्फ प्रिन्स पुत्र नाथीराम निवासी साधारणसिर, थाना नागल, सहारनपुर के रूप में हुई। दोनों की उम्र क्रमशः 19 और 20 वर्ष है। मुकदमे में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

युद्ध के बदलते स्वरूप के साथ हमारी सोच भी बदलनी होगी : सेना प्रमुख

नई दिल्ली, एजेंसी।
थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने कहा है कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल देश में हथियार बनाना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि भारत लंबे समय तक चलने वाले युद्धों में अपनी सैन्य ताकत को बनाए रखे और बदलती जरूरतों के अनुसार इस बदलाव में ढाल सके। बदलते युद्ध के दौर में आत्मनिर्भरता विषय पर उन्होंने कहा कि युद्ध का स्वरूप, तकनीक और उसकी अवधि तेजी से बदल रही है, इसलिए सैन्य क्षमता के विकास और आत्मनिर्भरता पर हमारी सोच को लगातार बदलना होगा।
जनरल सेठ ने आज के युद्धों को रुक-रुक कर होने वाले युद्ध बताया, जिनकी 1971 के युद्ध की तरह कोई स्पष्ट समाप्ति नहीं होती। उन्होंने समझाया कि सैन्य क्षमताएं तैयार करने में वर्षों लगते हैं, जबकि तकनीक बहुत कम समय में बदलती है। इसके बाद चुनौती सिर्फ स्वदेशी हथियार बनाने की नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने की भी है कि सेना में शामिल होने तक वे आधुनिक और उपयोगी बने रहें।
सेना प्रमुख ने भारत की विविध भौगोलिक परिस्थितियों का जिक्र कर कहा कि हमारी सैन्य क्षमताएं देश की अपनी जरूरतों के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने आगाह किया कि कुछ सौ डॉलर के ड्रोन लाखों डॉलर के महंगे सैन्य प्लेटफार्मों के लिए खतरा बन सकते हैं। चूंकि तकनीक अब व्यापक रूप से उपलब्ध है, असली बढ़त इस बात से मिलेगी कि हम विरोधी से कितनी तेजी से नए समाधान खोजते हैं और खुद को बदलते हैं। उन्होंने पुरानी सैन्य प्रणालियों को जल्दबाजी में बेकार मानने के प्रति भी आगाह किया, क्योंकि आधुनिक सेंसर से लैस होकर वे ड्रोन जैसे नए खतरों के खिलाफ प्रभावी हो सकती हैं। जनरल सेठ ने दूर से मार करने और जमीन पर सीधे युद्ध करने, दोनों क्षमताओं की आवश्यकता पर जोर दिया, क्योंकि जमीन पर नियंत्रण अंततः सैनिक ही स्थापित करता है।

20 सूत्रीय कार्यक्रम और विकसित भारत-विकसित उत्तराखंड विजन 2047 की समीक्षा, विभागों को प्रगति सुधारने के निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार)। विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्र की अध्यक्षता में 20 सूत्रीय कार्यक्रम तथा विकसित भारत-विकसित उत्तराखंड विजन 2047 की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सबसे पहले अगस्त 2026 की मासिक प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की गई। जिन विभागीय मदों में बी, सी और डी श्रेणी प्राप्त हुई, उनकी विभागवार समीक्षा करते हुए प्रगति में सुधार के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना तथा जल जीवन मिशन से संबंधित विभागों को आगामी माह में कार्यों की प्रगति और श्रेणी में सुधार लाने के निर्देश दिए। इसके बाद विकसित भारत-विकसित उत्तराखंड विजन 2047 के तहत जनपद स्तरीय कार्ययोजना तैयार करने को लेकर बिंदुवार चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि अक्टूबर 2026 के दूसरे या तीसरे सप्ताह में दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जानी प्रस्तावित है। इसमें वर्ष 2047 तक विकसित भारत और विकसित उत्तराखंड के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जनपद स्तरीय कार्ययोजना तैयार करने पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। उन्होंने सभी विभागों को अपनी-अपनी कार्ययोजना तैयार करते समय सामर्थ्य, कमजोरियों, अवसर और चुनौतियों के आधार पर विश्लेषण करने के निर्देश दिए। साथ ही लघुकालिक, मध्यकालिक और दीर्घकालिक योजनाएं तैयार करने को कहा। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र, अपर सांख्यिकी अधिकारी, उपवन संरक्षक, अधिशासी अभियंता पेयजल निगम एवं जल संस्थान, सहायक निदेशक मत्स्य, सहायक नगर आयुक्त नगर निगम रुड़की, मुख्य कृषि अधिकारी, परियोजना अधिकारी उरेडा तथा स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सा अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

व्यापार मेले में छाया गाजियाबाद का विकास मॉडल, हरनंदीपुरम से क्रिकेट स्टेडियम तक दिखा भविष्य का गाजियाबाद

जीडीए उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल की अगुवाई में विकास योजनाओं की तस्वीर बनी आकर्षण का केंद्र

ग्रेटर नोएडा/गाजियाबाद (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने अपने प्रदर्शनी स्टॉल के माध्यम से शहर के वर्तमान और प्रस्तावित विकास की तस्वीर देश-विदेश से आए आगंतुकों के सामने रखी। जीडीए उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल के नेतृत्व में प्रदर्शनी में हरनंदीपुरम आवासीय योजना, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, एयरोसिटी टाउनशिप, हापुड़ चुंगी फ्लाईओवर, थीम पार्क और प्रमुख चौराहों के सौंदर्यीकरण सहित महत्वपूर्ण परियोजनाओं को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया। 25 से 29 सितंबर तक आयोजित मेले में गाजियाबाद के सुनियोजित और आधुनिक विकास की कार्ययोजना को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।

501 हेक्टेयर में आकार लेगी हरनंदीपुरम योजना

हरनंदीपुरम आवासीय योजना करीब 501 हेक्टेयर क्षेत्र में प्रस्तावित है। इसमें आवासीय सेक्टरों के साथ सड़क, पार्क, हरित क्षेत्र, नागरिक सुविधाएं और बेहतर संपर्क व्यवस्था विकसित करने की योजना है। योजना के प्रथम चरण के करीब 49.62 हेक्टेयर क्षेत्र के ले-आउट को जीडीए बोर्ड से मंजूरी मिल चुकी है।

क्रिकेट स्टेडियम और एयरोसिटी पर जोर

राजनगर एक्सटेंशन में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम को भी प्रदर्शनी में प्रमुख स्थान मिला। इसके प्रारंभिक डिजाइन और लागत आकलन के साथ उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ के सहयोग से परियोजना को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। वहीं हिंडन हवाई अड्डे के आसपास प्रस्तावित एयरोसिटी टाउनशिप को आवासीय, व्यावसायिक और आधुनिक शहरी गतिविधियों के संभावित केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया गया।

फ्लाईओवर और थीम पार्क बदलेंगे शहर का स्वरूप

हापुड़ चुंगी पर चार लेन फ्लाईओवर और सर्विस अथवा स्लिप रोड की परियोजना भी प्रदर्शनी का आकर्षण रही। इसकी अनुमानित लागत करीब 102.31 करोड़ रुपये बताई गई है। एलिवेटेड रोड पर करीब 90 करोड़ रुपये से दो नई स्लिप रोड विकसित करने की योजना भी प्रदर्शित की गई। इसके अलावा संस्कृति दर्शन पार्क, आनंद वाटिका, विकसित भारत अनुभव पार्क और रामायण आधारित पार्क जैसी योजनाओं के साथ प्रमुख चौराहों के सुधार, हरित क्षेत्र, प्रकाश व्यवस्था और सौंदर्यीकरण की योजनाओं को भी स्टॉल पर प्रदर्शित किया गया।

रूस में फंसे तीन भारतीय छात्रों की सुरक्षित वापसी की मांग, परिजनों ने रक्षा मंत्री से लगाई गुहार

थानाभवन/शामली (शिखर समाचार)। रूस में फंसे शामली और मुजफ्फरनगर के तीन भारतीय छात्रों की सुरक्षित वापसी के लिए परिजनों के प्रयास लगातार जारी हैं। इसी क्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा छात्रों के परिजनों को साथ लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके आवास पर मिले। परिजनों ने रक्षा मंत्री के सामने तीनों छात्रों की स्थिति और लंबे समय से संपर्क नहीं हो पाने की जानकारी रखते हुए उनकी सुरक्षित वापसी के लिए आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया। मामले को गंभीरता से लेते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विदेश मंत्रालय और रूस स्थित भारतीय दूतावास से बातचीत कर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। थानाभवन क्षेत्र के गांव हसनपुर लुहारी निवासी आशू कुमार के पिता राकेश, मुजफ्फरनगर के गांव बाढ़ निवासी हिमांशु के चाचा सोनू तथा गांव पीपलशाह निवासी शक्ति पुंडीर के

पिता विपिन कुमार ने अपने बच्चों को लेकर चिंता जताई। परिजनों के अनुसार तीनों छात्र रूस में भाषा पाठ्यक्रम करने के लिए गए थे। 30 जुलाई को तीनों की अपने परिवारों से अंतिम बार बातचीत हुई थी। परिजनों का कहना है कि उस बातचीत के दौरान छात्रों ने रूसी सेना में जबरन भर्ती किए जाने और उनके मोबाइल फोन जमा करा लिए जाने की जानकारी दी थी। इसके बाद से तीनों छात्रों से संपर्क नहीं हो पाया है। रक्षा मंत्री से मुलाकात के बाद परिजनों को उम्मीद है कि सरकार मामले में प्रभावी कदम उठाकर छात्रों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित कराने का प्रयास करेगी। परिजनों ने कहा कि उनकी प्राथमिक मांग है कि रूस में फंसे उनके बच्चों का जल्द पता लगाया जाए और उन्हें सुरक्षित भारत वापस लाया जाए। सुरेश राणा ने भी परिजनों को हरसंभव सहायता के लिए प्रयास जारी रखने का भरोसा दिया। इस दौरान पूर्व ग्राम प्रधान संजय सैनी और मैनपाल सैनी भी मौजूद रहे।

मोबाइल से दूरी और आंगनवाड़ी से जुड़ाव ने बदली रौनक की दुनिया

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मुरादनगर ब्लॉक के अमीरपुर गढ़ी स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में नियमित गतिविधियों से रौनक के व्यवहार और सामाजिक सहभागिता में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अनिता रानी के अनुसार, जब रौनक पहली बार केंद्र पर आया था, तब वह अन्य बच्चों के साथ आसानी से घुल-मिल नहीं पाता था। वह अधिकतर समय अपने आप में रहता था तथा खेल-कूद और सामूहिक गतिविधियों में उसकी भागीदारी भी कम थी। घर पर भी वह काफी समय मोबाइल फोन पर बिताता था, जिसके कारण बच्चों के साथ बातचीत और खेलने के अवसर सीमित हो जाते थे। आंगनवाड़ी केंद्र पर नियमित रूप से आने के बाद रौनक को अन्य बच्चों के साथ खेलने, सीखने, बातचीत करने और विभिन्न सामूहिक गतिविधियों में शामिल होने का अवसर मिला। कार्यकर्ता अनिता

रानी ने उसे प्यार, प्रोत्साहन और सहयोग के साथ गतिविधियों में शामिल किया। धीरे-धीरे उसके व्यवहार में बदलाव दिखाई देने लगा। अब रौनक बच्चों के साथ घुल-मिलकर खेलता है, सामूहिक गतिविधियों में भाग लेता है और दूसरों से बातचीत करने में रुचि दिखाता है। रौनक की यह यात्रा अभिभावकों के लिए भी संदेश देती है कि बच्चों को खेल, बातचीत और सामूहिक गतिविधियों से जोड़ना उनके विकास में सहायक होता है। मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग को सीमित कर बच्चों को नियमित रूप से आंगनवाड़ी केंद्र भेजने और उनकी गतिविधियों में भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया।

आयुध निमार्णी गेट पर यातायात पुलिस की सघन चेकिंग, काली फिल्म उतरवाई

मुरादनगर (शिखर समाचार)। सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से गाजियाबाद यातायात पुलिस ने आयुध निमार्णी फैक्ट्री गेट के पास सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। यातायात निरीक्षक संजय कुमार त्यागी के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों की जांच की गई। पुलिस टीम ने बिना हेलमेट वाहन चलाने, सीट बेल्ट का प्रयोग नहीं करने, ट्रिपल राइडिंग, गलत दिशा में वाहन चलाने, वाहनों पर काली फिल्म लगाने और अवैध हूटर आदि के खिलाफ कार्रवाई की। जांच के दौरान एक कार पर लगी काली फिल्म को मौके पर ही हटवाया गया और वाहन का चालान किया गया। इसके अलावा बुलेट मोटरसाइकिल में लगाए गए संशोधित साइलेंसर की भी जांच की गई। यातायात निरीक्षक संजय कुमार त्यागी ने कहा कि यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि वाहनों में अवैध हूटर, लाल-नीली बत्ती, बुलेट मोटरसाइकिल में संशोधित साइलेंसर लगाने और बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि नियमों का पालन करने से सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के साथ वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

श्रद्धा और भक्ति के बीच निकली श्री जी की भव्य रथ यात्रा, सैकड़ों श्रद्धालु हुए शामिल

कांधला/शामली (शिखर समाचार)। नगर में रविवार को श्री दिगंबर जैन समाज की ओर से श्री जी की रथ यात्रा महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ धूमधाम से मनाया गया। रथ यात्रा से पूर्व श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भगवान का पूजन, अभिषेक और बोली का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मंदिर परिसर से श्री जी की रथ यात्रा का शुभारंभ हुआ। इससे पहले सौधर्म इंद्र की बोली रवि जैन और अमित जैन शामली वालों ने, सारथी की बोली आयुष जैन शामली, कुबेर की बोली संजीव कुमार और अतिशय जैन, महेंद्र इंद्र की बोली कुलदीप जैन शामली, सानत इंद्र की बोली सुनील जैन और विमल जैन डूंगर वालों तथा जिनवाणी माता की बोली सुभाष चंद और दीपक जैन किरठल वालों ने ली। रथ यात्रा में जैन समाज के महिला-पुरुषों और बच्चों के साथ अन्य समाज के लोग भी शामिल हुए। नगर के विभिन्न स्थानों पर सर्व समाज के लोगों ने शोभायात्रा का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रधान नत्थूमल जैन ने कहा कि सच्चे मन

से ईश्वर की प्रार्थना करने वालों की कभी हार नहीं होती। ईश्वर की प्राप्ति के लिए सद्भावना, परोपकार और जरूरतमंदों की सेवा आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सद्कर्मों से मन को शांति मिलती है, जबकि गलत कार्य करने वाला व्यक्ति भीतर से बेचैन रहता है। श्री जी की रथ यात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई वापस श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। इस दौरान प्रवीण जैन, कुलदीप जैन, नरेंद्र कुमार जैन, दीपक जैन, जिनेंद्र जैन, गुणपाल जैन, कवरसैन जैन, हंस कुमार जैन, मनोज जैन, अक्षत जैन, दीविक जैन, समक्ष जैन, पारस जैन और प्रशांत जैन सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

जीन थेरेपी और क्रिस्पर तकनीक से गंभीर रोगों के इलाज की बढ़ी उम्मीद

हापुड़ (शिखर समाचार)। सरस्वती कॉलेज ऑफ फामेर्सी में भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के डीबीटी-सीटीईपी के अंतर्गत लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला के दूसरे सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय जीन थेरेपी, क्रिस्पर और कोशिका आधारित उपचार रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। दीप प्रज्वलन जनरल मैनेजर एन. वर्धराजन, प्राचार्य प्रो. डॉ. नितिन कुमार तथा आमंत्रित विशेषज्ञ जामिया हमदर्द की डॉ. निधि, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के डॉ. सुभाष चंद्र सोनकर और गलगोटियास कॉलेज की डॉ. एस. सुल्ताना ने किया। विशेषज्ञों ने छात्र-छात्राओं को जीन संपादन, क्रिस्पर तकनीक के चिकित्सकीय उपयोग, कोशिका आधारित उपचार तथा औषधि जैव प्रौद्योगिकी के भविष्य की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी की ये तकनीकें गंभीर और जटिल रोगों के उपचार में नई संभावनाएं पैदा कर रही हैं। व्याख्यान के बाद आयोजित सवाल-जवाब सत्र में विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे। प्राचार्य डॉ. नितिन कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। संस्थापक चेयरमैन डॉ. जे. रामचंद्रन और वाइस चेयरपर्सन डॉ. राम्या रामचंद्रन ने कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन मनीष सम्याल और नेहा वर्मा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अरुण कुमार ने दिया। आयोजन में डॉ. नेहा सिंह, डॉ. सुप्रियो मैती, डॉ. रश्मि शर्मा सहित कॉलेज के सभी शिक्षकों का सहयोग रहा।

मोदी सरकार की योजनाओं से गरीबों को मिल रहा कल्याणकारी योजनाओं का लाभ : जसवंत सैनी

रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश सरकार के संसदीय कार्य राज्य मंत्री जसवंत सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास को नई गति मिली है। केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से गरीब और जरूरतमंद लोगों को आवास, चिकित्सा, रसोई गैस सिलेंडर, शिक्षा और निशुल्क राशन सहित अनेक सुविधाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। जसवंत सैनी स्थानीय दिल्ली-यमुनोत्री राजमार्ग स्थित डीएवी स्कूल में वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. किरण पाल सिंह के अस्पताल के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से शुरू हुए सेवा संकल्प माह के तहत आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता बलियाखेड़ी ब्लॉक के पूर्व प्रमुख चौधरी कर्ण सिंह ने की, जबकि संचालन सन्नी चौधरी ने किया। उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य मेला राम पंवार ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लगातार कार्य कर रही है। पूर्व विधायक प्रत्याशी विक्रम सिंह सैनी ने कहा कि आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकताओं को अभी से अपनी तैयारियां शुरू कर देनी चाहिए। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन को मजबूत करने और चुनावी रणनीति तैयार करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा के बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के आयोजक एवं मिशन 2027 के रामपुर मनिहारान विधानसभा क्षेत्र संयोजक डॉ. किरण पाल सिंह ने सभी अतिथियों और कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया।

नवाबगंज चौक पर लगी मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन पर आधारित प्रदर्शनी, आम लोगों ने सराहा

सहारनपुर (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत नवाबगंज चौक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन, राष्ट्रसेवा, सुशासन और विकास यात्रा पर आधारित विशेष प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की राजनीतिक एवं प्रशासनिक यात्रा से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान संचालित विभिन्न विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी चित्रों और विवरण के माध्यम से प्रदर्शित की गई। नगर विधायक राजीव गुंबर ने कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से गरीब, वंचित, किसान, महिला, युवा, श्रमिक और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के लिए संचालित केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाई जा रही है।

प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, पीएम स्वनिधि, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया और डिजिटल इंडिया सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। महानगर अध्यक्ष शीतल विश्नोई और महापौर डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों को प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य केंद्र सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर केएल अरोड़ा, सरदार सुपनीत सिंह, किशोर शर्मा, ललित कटारिया, योग चुग, डॉ. नीलू राण, संदीप रावत, विजय गुप्ता, मानवेंद्र भारद्वाज, नीरज ठकराल, आरती शर्मा, ठाठ सिंह, मनुज तायल, जोगेंद्र लाला, सरदार राजेंद्र सिंह कोहली, मनोज प्रजापति सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी, पार्षद और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिजली विभाग की टीम को बंधक बनाकर मारपीट करने का एक और आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा

बिजनौर (शिखर समाचार)। चांदपुर थाना क्षेत्र के गांव बागड़पुर में बिजली चोरी की जांच और बकाया बिलों की वसूली करने गई विद्युत विभाग की टीम को बंधक बनाकर मारपीट करने के मामले में पुलिस ने एक और वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान उपकार के रूप में हुई है। पुलिस मामले में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है। पुलिस के अनुसार, 18 सितंबर को चांदपुर क्षेत्र के भागलपुर गांव में विद्युत विभाग की टीम बिजली चोरी रोकने और बकाया बिलों की वसूली के लिए जांच करने पहुंची थी। इस दौरान ग्रामीणों ने सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए अवर अभियंता सुदीप कुमार शर्मा और उनके विभागीय कर्मचारियों को बंधक बना लिया था। आरोप है कि ग्रामीणों ने टीम के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट भी की थी। घटना के दौरान ग्रामीणों ने पूरी वारदात का वीडियो बनाकर इंटरनेट पर प्रसारित कर दिया था। वीडियो प्रसारित होने के बाद मामला चर्चा में आ गया था। घटना के संबंध में पीड़ित अवर अभियंता की शिकायत पर पुलिस ने सरकारी कार्य में बाधा डालने, कर्मचारियों को बंधक बनाने और मारपीट करने सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। इसी मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने वांछित आरोपी उपकार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी के अनुसार, घटना में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस ने शेष आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार करने की बात कही है।

धमूर्वाला की उड़नपरी दिव्या पाल ने 5 किलोमीटर दौड़ में जीता स्वर्ण पदक, गांव में खुशी की लहर

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नगीना तहसील के हरेवाली मार्ग स्थित धमूर्वाला गांव की होनहार एथलीट दिव्या पाल ने बरेली में आयोजित छठी उत्तर प्रदेश राज्य अंडर-23 एवं ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2026 में पांच किलोमीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर अपने माता-पिता, गांव और जिले का नाम रोशन किया है। दिव्या की इस उपलब्धि से परिवार के साथ ही क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर है। बरेली से स्वर्ण पदक जीतकर लौट रही दिव्या के स्वागत के लिए परिजन, रिश्तेदार और ग्रामीण बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बरेली स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय में आयोजित प्रतियोगिता में दिव्या ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़कर पांच किलोमीटर दौड़ में पहला स्थान हासिल किया। ग्रामीण अंचल से निकलकर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सफलता हासिल करने वाली दिव्या की उपलब्धि क्षेत्र की बेटियों और युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनी है। स्वर्ण पदक जीतने के बाद दिव्या पाल ने अपनी सफलता का श्रेय पिता अशोक कुमार, माता माला देवी, कोच और गुरुजनों को दिया। उन्होंने कहा कि माता-पिता के त्याग, आशीर्वाद और निरंतर प्रोत्साहन ने उन्हें कठिन परिस्थितियों में भी लक्ष्य की ओर बढ़ने का हौसला दिया। दिव्या की सफलता ने यह संदेश दिया है कि सीमित संसाधनों के बावजूद मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास के दम पर ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाएं भी राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में अपनी पहचान बना सकती हैं। उनकी कामयाबी पर धमूर्वाला सहित पूरी नगीना तहसील और बिजनौर जिले में हर्ष का माहौल है।

पटाखा फैक्ट्री के बारूदी कचरे में आग से झुलसे नाबालिग की मौत, वांछित आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। थाना शेरकोट क्षेत्र के ग्राम वाजिदपुर में बंद पड़े ईंट भट्ठे की खाली भूमि पर फेंके गए पटाखा फैक्ट्री के बारूदी अवशेष में आग लगने से गंभीर रूप से झुलसे दो नाबालिग भाइयों में से एक की दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मामले में कार्रवाई करते हुए शेरकोट पुलिस ने वांछित आरोपी तसलीम पुत्र यूसुफ निवासी मोहल्ला नौधना, शेरकोट को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार 20 सितंबर 2026 को वाजिदपुर निवासी चन्द्रवीर के दोनों नाबालिग बेटे घास काटने गए थे। इसी दौरान बंद पड़े ईंट भट्ठे की भूमि पर पड़े पटाखा फैक्ट्री के बारूदी कचरे में अचानक आग लग गई और दोनों भाई गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 25 सितंबर को एक बच्चे की मौत हो गई। पुलिस जांच में सामने आया कि 14 सितंबर को हीमपुर दीपा क्षेत्र में अवैध रूप से भंडारित पटाखों के खिलाफ कार्रवाई हुई थी। इसके बाद कथित रूप से वाजिदपुर में अवैध पटाखा फैक्ट्री संचालित करने वाले लोगों ने खतरनाक अवशेष और बारूद खुले स्थान पर फेंक दिया था। हादसे के बाद पुलिस ने पीड़ित पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया था, जिसमें आरोपी मुकेश को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। बच्चे की मौत के बाद शेरकोट थाने में तसलीम, नईम, शाकिर और अन्य के खिलाफ गंभीर धाराओं में नया मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने तसलीम को गिरफ्तार कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

लूट के मुकदमे में वांछित आरोपी मुठभेड़ में घायल, साथी समेत दो गिरफ्तार

सहारनपुर (शिखर समाचार)। थाना कोतवाली देहात पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान लूट के मुकदमे में वांछित एक घायल आरोपी समेत दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 315 बोर का देशी तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, लूटे गए पीली धातु के कुंडलों की एक जोड़ी और बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार 26 सितंबर की रात कोतवाली देहात पुलिस टीम ग्राम देवला से ग्राम सूमली जाने वाली सड़क पर सूमली चौराहे के पास संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान निमार्णाधीन राजमार्ग के पास एक व्यक्ति मोटरसाइकिल के साथ खड़ा दिखाई दिया। पुलिस टीम ने पूछताछ के लिए उसकी ओर बढ़ने का प्रयास किया तो आरोपी ने कथित रूप से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और मोटरसाइकिल लेकर आम के बाग की ओर भागने लगा। पुलिस टीम ने उसका पीछा किया। लगातार बारिश के कारण कुछ दूरी पर मोटरसाइकिल फिसलकर गिर गई। पुलिस के मुताबिक, इसके बाद आत्मरक्षा में की गई जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पूछताछ में घायल आरोपी ने बताया कि वह अपने एक साथी के इंतजार में वहां मौजूद था। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचे दूसरे संदिग्ध को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अर्जुन उर्फ कपिल पुत्र पप्पू निवासी लखनौती कलां, थाना कोतवाली देहात और मोहम्मद जकी पुत्र महताब निवासी आली की चुंगी, थाना नकुड़ के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार अर्जुन थाना कोतवाली देहात में भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(4) के मुकदमे में वांछित था। उसके खिलाफ सहारनपुर के विभिन्न थानों में करीब आधा दर्जन मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई

संक्षिप्त समाचार

सादाबाद में पूर्व फौजी और पहली पत्नी की गला काटकर हत्या

घर में मिले खून से सने शव

हाथरस, एजेंसी। करीब 14 साल पहले समसुद्दीन ने आगरा के आजमपाड़ा निवासी सीमा से दूसरा विवाह किया था। सीमा से उनके तीन बच्चे (दो लड़कियां और एक लड़का) हैं, जिनमें सबसे बड़ी लड़की की उम्र 12 वर्ष है। दूसरी पत्नी सीमा अपने बच्चों के साथ घटनास्थल के पास में ही अलग मकान में रहती हैं। हाथरस में सादाबाद थाना क्षेत्र के बाइपास आगरा रोड स्थित ताज बॉडी के पास रविवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक पूर्व फौजी और उनकी पहली पत्नी का

शव घर में लहूलुहान हालत में मिला। अज्ञात हमलावरों ने दोनों की चाकू से गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस, फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वाड ने घटनास्थल को सील कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। मृतक समसुद्दीन (58 वर्ष) सेना से सेवानिवृत्त थे और बाइपास पर ही फैब्रिकेशन का काम करते थे। दुकान के ऊपर ही उनका घर है, जहां वे अपनी पहली पत्नी समीना उर्फ सद्दो (55 वर्ष) के साथ रहते थे। समीना से उनकी कोई संतान नहीं थी। शनिवार को समसुद्दीन अपनी पहली पत्नी के साथ ही घर पर थे। रविवार सुबह करीब 8 :30 बजे तक जब समसुद्दीन नीचे नहीं आए, तो उनका एक परिचित युवक उन्हें देखने ऊपर कमरे में गया।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी

महिपाल की गवाही से खुल सकते हैं कई राज, 36,039 पन्नों के आरोप पत्र हुए हैं दाखिल

अयोध्या, एजेंसी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में महिपाल की गवाही से कई राज खुल सकते हैं। मामले में 36,039 पन्नों के आरोप पत्र एसआईटी ने दाखिल किए हैं। चंपत राय के बयान पर भी विशेष नजर रहेगी। आगे पढ़ें पूरी खबर...

अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में 36,039 पन्नों के आरोप पत्र और 133 गवाहों की सूची दाखिल होने के बाद अब गवाहों की गवाही मुकदमे की अहम कड़ी होगी। इनमें ट्रस्ट के पूर्व लेखा प्रभारी महिपाल सिंह और तत्कालीन महासचिव चंपत राय के बयान पर विशेष नजर

रहेगी। दोनों मामले के अलग-अलग चरणों से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों के गवाह हैं। महिपाल सिंह जनवरी 2021 से मई 2022 तक ट्रस्ट के लेखा प्रभारी रहे थे। चढ़ावे की गणना और लेखा व्यवस्था से जुड़े होने के कारण उन्हें नकदी समेत अन्य चढ़ावे के प्रबंधन की जानकारी थी। उन्होंने चढ़ावे में अनियमितताओं को लेकर सवाल उठाने और ट्रस्ट पदाधिकारियों को इसकी जानकारी देने का दावा किया था। सितंबर में नई एसआईटी ने वीडियो कॉल के जरिये उनका क्रमवार बयान दर्ज किया था। महिपाल ने नकदी, सोना-चांदी और विदेशी मुद्रा से जुड़ी अनियमितताओं पर भी सवाल उठाए थे। उन्होंने तत्कालीन महासचिव चंपत राय समेत ट्रस्ट पदाधिकारियों को शिकायत देने की बात कही थी। अदालत में उनकी गवाही से यह स्पष्ट होना महत्वपूर्ण होगा कि उन्होंने क्या देखा, किसे और कब सूचना दी तथा शिकायत के बाद क्या कार्रवाई हुई।

सालों बाद ऐसी बारिश!... 11 की मौत

72 घंटों की बरसात से यूपी में जानमाल का भारी नुकसान

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में तूफानी बारिश आफत बनकर टूटी है. जानमाल के भारी नुकसान के साथ ही लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ा. कई जगह पेड़ गिरे तो कई जगह जर्जर और पुरानी इमारतों के साथ ही कच्चे मकान ढह गए. सबसे ज्यादा नुकसान ग्रामीण इलाकों में हुआ है. मैनपुरी में मकान की दीवार गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई. बीते 24 घंटे में बच्चे समेत 11 लोगों की मौत हो गई. वहीं कई जगह मकान और पेड़ गिरने से कई लोग घायल हो गए. बीते 24 घंटों में शाहजहांपुर, हमीरपुर, बांदा, कानपुर में सितंबर में एक दिन में हुई बारिश का कई बरस पुराना रिकार्ड टूट गया है. इस वजह से इसे पीढ़ियों बाद सितंबर में ऐसी बारिश कहा जा रहा है. हालांकि रविवार को कई जिलों में बारिश के थमने से लोगों ने राहत की सांस ली.

मैनपुरी जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच दन्नाहार थाना क्षेत्र के ग्राम सीतारामपुर में शनिवार को बड़ा हादसा हो गया. एसपी ग्रामीण अभिषेक तिवारी ने बताया कि बारिश के चलते एक मकान की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई. दीवार के मलबे में दबने से एक 24 वर्षीय युवक शैलेंद्र सिंह की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए. हादसे के बाद गांव में हड़कंप मच गया. गांव के ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि दीवार गिरने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया. सूचना मिलने पर दन्नाहार थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई. ग्रामीणों और पुलिस की मदद से मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला गया और उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया. महराजगंज जिले के पनियरा थाना क्षेत्र स्थित चंदनचाफी गांव के समीप शनिवार को एक

दर्दनाक हादसा हो गया। तेज आंधी और बारिश के दौरान जंगल में सांखू का पेड़ अचानक गिर जाने से उसकी चपेट में आकर पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई. मृतकों की शिनाख्त चंदनचाफी गांव के 55 वर्षीय गौरी शंकर पासवान और उनकी पत्नी श्रीमती देवी के रूप में हुई है. थानाध्यक्ष कुंवर गौरव सिंह ने बताया कि विधिक कार्रवाई की जा रही है. शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

बरेली के मीरगंज थाना क्षेत्र के गांव गोरा लोकनाथपुर में आज सुबह कच्चे मकान की खपरैल अचानक भरभराकर गिर गई. परिजनों के मुताबिक इसके चलते फूला देवी और उनके जेठ का बेटा सोमपाल मलबे में दब गए. फूला देवी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका जेठ का बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया. हादसे के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई. पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है. पुलिस का कहना है कि हादसे को लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही हैय

जिले के मानिकपुर थाना क्षेत्र के लाटतारा चकोलिया गांव में शनिवार रात कच्चा मकान गिरने से मलबे में दबकर 48 वर्षीय महिला की मौत हो गई. मृतका की पहचान शकुंती देवी पत्नी श्रीराम सरोज के रूप में हुई है.

जनकपुरी में नहीं लगेंगे होर्डिंग

सड़क किनारे से हटेंगे अतिक्रमण, सिर्फ डिजिटल विज्ञापन चलेंगे

आगरा, एजेंसी। जनकपुरी आयोजन से 10 दिन पहले नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने क्षेत्र का निरीक्षण कर इसे नो-होर्डिंग जोन घोषित किया है। अब यहां केवल डिजिटल विज्ञापन चल सकेंगे, जबकि अनधिकृत होर्डिंग और सड़क किनारे अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए हैं। जनकपुरी आयोजन में महज 10 दिन बाकी हैं। ऐसे में शुक्रवार को नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने जनकपुरी क्षेत्र का निरीक्षण कर सड़क, सफाई, प्रकाश और सीवर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने जनकपुरी को नो होर्डिंग जोन घोषित किया और केवल डिजिटल विज्ञापनों को चलाने की अनुमति दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह के अनधिकृत होर्डिंग या विज्ञापन नहीं लगाए जाएंगे। नगर आयुक्त ने पुरुषोत्तम दास अस्पताल रोड का निरीक्षण किया। यहां सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क पर यातायात बाधित करने वाले अतिक्रमण और अव्यवस्थित सामग्री को हटाया जाए। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव वर्मा ने सफाई व्यवस्था की जानकारी दी। नगर आयुक्त ने आयोजन स्थल और आसपास के क्षेत्रों में नियमित सफाई, कूड़ा उठान तथा पर्याप्त सफाई कर्मचारियों की तैनाती करने को कहा।

कार की खिड़कियों से बाहर निकल हवा में उड़े, पलक झपकते ही बिखरीं तीन जिंदगियां; नजारा देखकर कांप गए लोग

आगरा , एजेंसी। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर शनिवार को एक ऐसा खौफनाक मंजर देखने मिला, जिसने देखने वालों की रूह कंपा दी। तेज रफ्तार कार के डिवाइडर से टकराकर पलटने के दौरान पीछे बैठे तीन युवक खिड़कियों से छिटककर हवा में उछल गए और सुरक्षा जाली को पार करते हुए नीचे पत्थरों पर जा गिरे। पलक झपकते हुए इस हादसे में तीनों की मौके पर ही सांसें थम गईं। हादसे का खौफनाक मंजर देख प्रत्यक्षदर्शी की रुह कांप गई। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर शनिवार को हुए दर्दनाक हादसे ने मौके पर मौजूद लोगों को झकझोर दिया। तेज रफ्तार कार पहले डिवाइडर से टकराई और इसके बाद कई बार पलटती हुई आगे बढ़ी। हादसे के दौरान कार की पिछली सीट पर बैठे तीन सवारियां खिड़कियों से बाहर निकलकर इतनी दूर जा गिरे कि एक्सप्रेस-वे की सुरक्षा जाली तक को पार कर गए। पत्थरों पर गिरने से तीनों की मौत हो गई।

प्रेमानंद महाराज के शिष्य ने दी जानः ग्राइंडर से काटा प्राइवेट पार्ट, फिर छत से कूदा; सामने आया सीसीटीवी फुटेज

आगरा, एजेंसी। मथुरा के वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज के शिष्य दीपक के चौथी मंजिल से गिरने का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि रसिक दुलारीशरण महाराज सड़क पर पैरों के बल गिरते हैं, सिर सड़क से टकराता है और फट जाता है। रसिक तड़पने लगते हैं। वहां मौजूद लोग भी उन्हें देख हैरान रह जाते हैं। मथुरा के वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज के शिष्य दीपक उर्फ रसिक दुलारीशरण महाराज (25) के गऊ कृपाकुंज आश्रम की चौथी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या के मामले में पुलिस को अहम जानकारियां हाथ लगी हैं। जांच में सामने आया है कि घटना शुक्रवार को सुबह करीब 10:30 बजे हुई और पुलिस को इसकी जानकारी करीब 12:30 बजे में मथुरा के एक अस्पताल से मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आश्रम पहुंचकर छानबीन की और सीसीटीवी फुटेज खंगाली हैं।

संत प्रेमानंद महाराज के शिष्य दीपक गिरने का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि रसिक दुलारीशरण महाराज चौथी मंजिल से अचानक सड़क पर पैरों के बल गिरते दिखाई दे रहे हैं, जैसे ही वो गिरते हैं उनका सिर सड़क से टकराता है और फट जाता है। रसिक तड़पने लगते हैं।

वहीं, दीपक की मौत की जानकारी पर जबलपुर से पहुंचे परिजन ने आश्रम प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि दीपक उर्फ रसिक दुलारीशरण महाराज की जिंदगी चार मिनट में ही खत्म हो गई। कमरे से निकलकर वह छत पर पहुंचे। कुछ मिनट बैठने और लेटने के बाद छत से नीचे कूद गए।

चिराग तले अंधेराः यूपी के सबसे बड़े फार्मा पार्क से स्थानीय युवा निराश

जानें क्यों दम तोड़ रहीं रोजगार की उम्मीदें

ललितपुर, एजेंसी। 1472 एकड़ में फैला यूपी का सबसे बड़ा बल्क फार्मा पार्क ललितपुर के सैदपुर में तैयार हो रहा है. करोड़ों का निवेश, मल्टीनेशनल फार्मा कंपनियों की आमद, बड़ी-बड़ी इमारतें, इंटरनेशनल फैसिलिटीज, चौड़ी सड़कें, लॉजिस्टिक और कंटेनर हब, दवाओं का कोल्ड चेन, नई दवाओं का रिसर्च सेंटर और भी बहुत कुछ...फिर भी स्थानीय युवाओं में निराशा है. क्या है इसकी वजह? इन्हीं सवालों का जवाब तलाशती यह ग्राउंड रिपोर्ट.

सैदपुर बल्क फार्मा पार्क के आसपास दर्जनों गांवों के लोगों ने बताया कि पशुधन और कृषि फार्म की जमीन पर यह निर्माण हो रहा है. लगभग 2000 एकड़ में फैले पशुपालन विभाग की इस जमीन का उपयोग पशुधन क्षेत्र में जई, मक्का, और नेपियर चारे की खेती के तौर पर होता था. इतना हीं नहीं यहां हरियाणवी गायों के लिए चारागाह भी था. फार्म में उत्पादित जई दाना और चारा अन्य फार्मों पर भी भेजा जाता था. साथ ही दूध बिक्री से भी विभाग को आय होती थी. हालांकि अब यह सिमटता जा रहा है.

आसपास के गांवों के लोगों ने क्या कहाः स्थानीय लोगों ने बताया कि इसके लिए पड़ोसी गांव लरगन, मुड़िया, सैदपुर, करौंदा, लक्ष्मणपुर, बारचौंन, नारायणपुर, गढ़ौलीकला, पठा, नैनवारा समेत दर्जन भर गांव से लोग मजदूरी का काम करते थे.

अब कृषि फार्म का 1472 एकड़ रकबा घट जाने से खेती और चारागाह के लिए जमीन कम हो गई है. इसकी वजह से फार्म पर पाली जा रही लगभग 600 हरियाणवी गायों में से महज 200 गायों को ही संरक्षित किया जा रहा

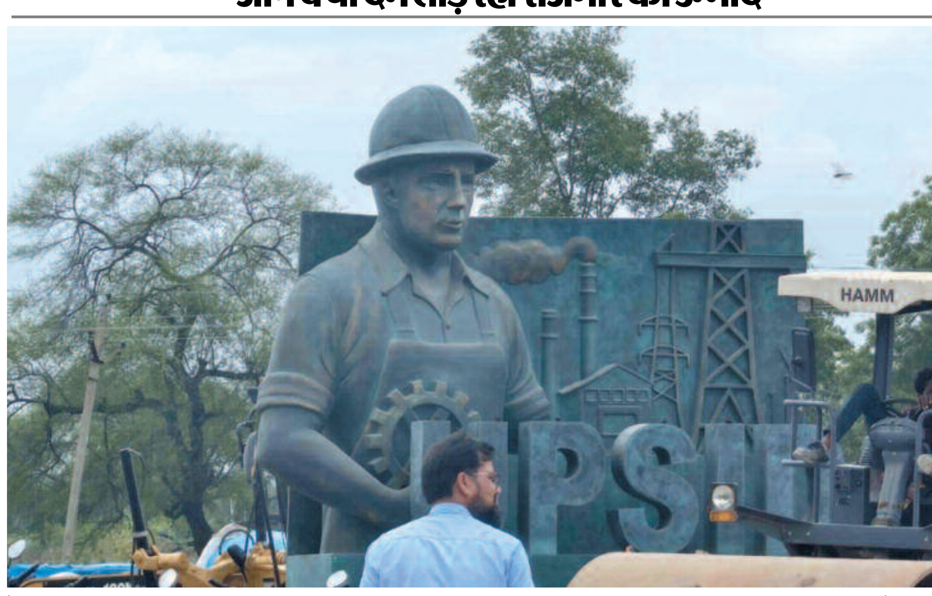

है. इसकी वजह से यहां दिहाड़ी पर काम करने वाले स्थानीय मजदूरों की भी छंटनी कर दी गई है. कृषि फार्म को सीमित किए जाने से ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार की समस्या पैदा होने लगी है.

प्रशिक्षत युवा नीरज कुमार ने कहा कि सैदपुर में बन रहे बल्क ड्रग फार्मा पार्क सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट होने के कारण भले ही राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना है, लेकिन स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता मिलने की उम्मीदें काफी कम नजर आ रहीं हैं.

सैदपुर निवासी युवा अंशुल राजा बताते हैं कि सैदपुर कृषि फार्म का रकबा कम होने से सीजनल मजदूरों की छंटनी कर दी गई. 65 नियमित कर्मचारियों की संख्या घटकर 25 हो गई है. इन्हें दूसरी जगहों पर भेजा जा रहा है. कृषि फार्म से हटाए जाने के बाद फार्मा पार्क पर काम की तलाश में कई बार कोशिश की गई, लेकिन कोई काम नहीं दिया गया.

- **स्थानीय प्रतिभाओं को मिले मौका :** बात अगर सिर्फ फार्मा क्षेत्र के विशेषज्ञों की करें तो ग्राम साढूमल निवासी इकबाल खान जो फार्मा क्षेत्र में 22 वर्षों का अनुभव रखते हैं और सीनियर टेक्निकल सुपरवाइजर के रूप में सेवा दे रहे हैं. उन्होंने बताया कि फार्मा पार्क की स्थापना होने से स्थानीय लोगों के विकास और युवाओं को रोजगार के बहुत अवसर देने वाला होगा. बशर्ते स्थानीय युवाओं को अवसर में प्राथमिकता दी जाए. यह न हो कि बाहरी लोगों को हीं काम मिले.
- **युवाओं को मिल रहा मजदूरी का काम :** समाजसेवी दीवान हिमांशु राजा ने कहा कि फार्मा पार्क के शिलान्यास कार्य के बाद से जो भी निर्माण कर यूपीसीडा चयनित कार्यदायी संस्था द्वारा कराया जा रहा है, वहां स्थानीय युवाओं को सिर्फ दिहाड़ी मजदूरी का काम मिल रहा है. जबकि फार्मा पार्क से 12 किमी दूर स्थित महरौनी और मड़ावरा तहसील स्तर के नगर हैं, जहां पर कंट्रक्शन वर्क के लिए उपयुक्त युवाओं की पर्याप्त संख्या है.
- **क्या कहते हैं जिम्मेदार अधिकारी :** जिलाधिकारी ललितपुर सत्यप्रकाश ने बताया कि ड्रग फार्मा पर कार्य प्रगति पर है. जल्दी हीं प्रथम फेस का काम पूर्ण हो जाएगा. जैसे ही यहां पर कंपनियां काम शुरू करेंगी तो आसपास के लोगों को रोजगार दिया जाएगा. स्थानीय लोगों को काम की प्राथमिकता रहेगी.
- **यूपी का सबसे बड़ा फार्मा पाक :** ललितपुर जनपद में बन रहा प्रदेश के सबसे बड़े बल्क ड्रग फार्मा पार्क ग्राम सैदपुर में स्थित पशुपालन विभाग की 1472 एकड़ जमीन पर विकसित हो रहा है. यूपीसीडा द्वारा प्रथम चरण में 1472 एकड़ में से 352 एकड़ भूमि पर फार्मा पार्क के लिए आवश्यक संसाधनों का निर्माण कराया जा रहा है।

कानपुर में बेबी गेम्स की तैयारी

3 से 8 साल के नन्हे मुन्ने 'सूरमा' दिखाएंगे दमखम, ग्रीन पार्क में होगा आयोजन

कानपुर, एजेंसी। क्या आपने कभी 3 साल के बच्चे को मैदान में स्प्रिंट लगाते या बैडमिंटन रैकेट भांजते देखा है? अगर नहीं, तो तैयार हो जाइए! भारत के खेल के सपने और युवा प्रतिभाओं को निखारने के लिए उत्तर प्रदेश में एक अनोखी और ऐतिहासिक शुरुआत होने जा रही है. भविष्य के चैंपियंस की नींव मजबूत करने के लिए कानपुर के मशहूर ग्रीन पार्क स्टेडियम में प्रदेश का पहला 'बेबी गेम्स 2026' आयोजित किया जाएगा.

5 से 9 अक्टूबर तक चलने वाले इस आयोजन में प्रदेश भर के 3 से साढ़े 8 साल तक के नन्हें-मुन्ने खिलाड़ी मैदान में अपना हुनर दिखाएंगे. इसका मकसद किसी बच्चे को केवल मेडल दिलाना नहीं, बल्कि बचपन से ही उनके अंदर की खेल प्रतिभा को पहचानकर उन्हें भविष्य का इंटरनेशनल एथलीट बनाना है.

25 खेलों में आज़माएंगे किस्मत, 'गज्जू भैया' करेंगे प्रेरित : बेबी गेम्स का रोमांच बेहद खास होने वाला है. अमूमन जिन खेलों में बड़े खिलाड़ी खेलते हैं, उन 25 स्पर्धाओं में अब जूनियर का हुनर परखा जाएगा. इसमें एथलेटिक्स, फुटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस,

साइकिलिंग, स्केटिंग, कराटे, योग, आर्चरी, जूडो, जिम्नास्टिक, ताइक्वांडो, स्विमिंग, हैंडबॉल, बॉक्सिंग, रस्साकशी, वेटलिफ्टिंग, मिनी गोल्फ, बास्केटबॉल, क्रिकेट और वॉलीबॉल जैसे खेल शामिल हैं.

बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए इसका मस्कट (शुभंकर) 'गज्जू भैया' को बनाया गया है. गज्जू भैया शहर के अलग-अलग स्कूलों में जाकर बच्चों और उनके पेरेंट्स को इस इवेंट का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करेंगे.

3 उम्र वर्गों में होगी भिड़ंत, ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू : कानपुर ओलंपिक एसोसिएशन की ओर से आयोजित किए जा रहे इस इवेंट में बच्चों को उम्र के हिसाब से 3 अलग-अलग कैटेगरी में बांटा गया है. खेल कैटेगरी 3 से साढ़े 4 साल, साढ़े 4 से साढ़े 6 साल, साढ़े 6 से साढ़े 8 साल है.

ओलंपिक संघ के रजत आदित्य दीक्षित ने बताया कि बेबी गेम्स 2026 के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. गेम्स का मुख्य उद्देश्य बच्चों में खेल के प्रति लगाव पैदा करना है, ताकि कम उम्र में ही उनकी प्रतिभा की पहचान हो सके.

कुशीनगर में छात्रा की संदिग्ध हालात में मौत

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुई हार्ट अटैक की पुष्टि, बिसरा लैब भेजा गया

कुशीनगर, एजेंसी। रामकोला थाना क्षेत्र के महुअवां कंपोजिट जूनियर हाईस्कूल की छात्रा की मौत मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हार्ट अटैक की पुष्टि हुई है. इससे छात्रा के साथ किसी अनहोनी वाली आशंका पर विराम लग गया है. हालांकि मामले की गंभीरता को देखते हुए बिसरा सुरक्षित करके जांच के लिए लैब भेजा गया है. पुलिस ने भी किसी नतीजे पर पहुंचने की बात नहीं कही है.

बता दें, बीते 24 सितंबर को कक्षा सात की छात्रा नेहा भारती स्कूल में अचानक बेहोश हो गई थी. आननफानन उसे रामकोला सीएचसी पहुंचाया गया. जहां से उसे मेडिकल कॉलेज पडरौना रेफर कर दिया गया, लेकिन रास्ते में ही मासूम ने दम तोड़ दिया. इसके बाद परिजनों ने शव को दफन कर दिया था. प्राथमिक तौर पर सामने आया था कि घटना के समय स्कूल में तैनात इकलौते शिक्षक के विभागीय कार्य से बाहर जाने की बात सामने आई थी. छात्रा के बेहोश होने के बाद आसपास के लोग उसे नजदीकी क्लीनिक लेकर पहुंचे थे. इसके बाद परिजन भी मौके पर पहुंचे. घटना को लेकर स्कूल की व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला. ग्रामीणों का आरोप था कि जब यह हादसा हुआ, उस समय स्कूल में तैनात एकमात्र शिक्षक भी नदारद थे. आक्रोशित लोगों ने दहाउर चौराहे पर शव रखकर प्रदर्शन किया. इस दौरान एसडीएम मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया.

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर शुक्रवार को मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में छात्रा के शव को कब्र से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया था. वहीं इस मामले में बेसिक शिक्षा विभाग ने प्रथमदृष्ट्या लापरवाही बरतने वाले शिक्षक योगेंद्र श्रीवास्तव को निलंबित कर जांच के लिए दो सदस्यीय जांच कमेटी गठित की है.

एएसपी कुशीनगर सिद्धार्थ वर्मा ने बताया कि पीएम रिपोर्ट में छात्रा की मौत की वजह हार्ट अटैक सामने आई है. डॉक्टरों ने एहतियातन बिसरा प्रिजर्व कर जांच के लिए लैब भेज दिया है.

उत्तर प्रदेश के विकास की गूंज अब पूरी दुनिया में सुनाई दे रही: पीयूष गोयल

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के चौथे संस्करण में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। यूपीआईटीएस के तीसरे दिन 'भारत के मुक्त व्यापार समझौतों से वैश्विक व्यापार वृद्धि को गति' विषय पर आयोजित विशेष व्यावसायिक सत्र में उन्होंने कहा कि प्रदेश की सकारात्मक सोच, उद्यमियों का आत्मविश्वास और विकास के प्रति प्रतिबद्धता उसकी नई पहचान बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के विकास की चर्चा अब देश ही नहीं, बल्कि दुनिया में भी हो रही है। प्रदेश में बने एक्सप्रेसवे, नए एयरपोर्ट, बड़े औद्योगिक पार्क तथा रक्षा, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे आधुनिक क्षेत्रों में निवेश बदलते उत्तर प्रदेश की तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं। पीयूष

गोयल ने कहा कि प्रदेश के स्थानीय उत्पाद और ब्रांड वैश्विक बाजारों में अपनी पहचान बना रहे हैं तथा वर्ष 2030 तक निर्यात को पांच लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो उद्यमियों को वैश्विक बाजार से जोड़ने और मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ उठाने का महत्वपूर्ण मंच है। केंद्रीय मंत्री ने वर्ष 2017 से पहले के प्रदेश के कारोबारी माहौल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय कानून-व्यवस्था और निवेश को लेकर उद्यमियों में चिंता थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बेहतर प्रशासन और राजस्व संग्रह से विकास कार्यों के लिए संसाधन बढ़े हैं। उन्होंने व्यापार और उद्योग जगत से गुणवत्ता, नवाचार और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाकर वैश्विक बाजार के अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रदेश के मंत्री भूपेंद्र चौधरी, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, हंसराज विश्वकर्मा समेत वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

शिक्षा और तकनीक का है वर्तमान दौर, बच्चों की पढ़ाई पर दें विशेष ध्यान : अरविंद संगल

शामली (शिखर समाचार)। शहर के कलंदरशाह स्थित एकता बारातघर में रविवार को टीम एजुकेशन इंडिया की ओर से शैक्षिक एवं प्रोत्साहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर पालिका चेयरमैन अरविंद संगल और सभासद तोहिद रहमानी ने किया। इस अवसर पर अरविंद संगल ने कहा कि शिक्षा प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को अपनी आवश्यकताओं को सीमित करके भी बच्चों की पढ़ाई को प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि शिक्षा ही बच्चों के भविष्य को बेहतर दिशा देने का माध्यम है। अरविंद संगल ने कहा कि वर्तमान समय शिक्षा और तकनीक का है, इसलिए बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ तकनीकी ज्ञान भी उपलब्ध कराया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि उनके विद्यालय, डिग्री कॉलेज और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में बच्चों को किसी भी प्रकार के सहयोग की आवश्यकता होगी तो वह हरसंभव मदद के लिए तैयार रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। आयोजकों ने कहा कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने से उनमें आगे बढ़ने का आत्मविश्वास पैदा होता है और वे शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होते हैं। कार्यक्रम में आलमदीप इद्रीसी, इस्लाम, नदीम, मतलूब, इरफान, साबिर, फुरकान और तोफीक सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नौकरी नहीं तो वोट नहीं के बैनर लेकर एयरपोर्ट प्रभावित युवाओं की बाइक रैली

जेवर (शिखर समाचार)। नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से प्रभावित युवाओं ने रोजगार की मांग को लेकर बाइक रैली निकालकर अपना विरोध दर्ज कराया। रैली में शामिल युवाओं ने अपनी बाइकों पर नौकरी नहीं तो वोट नहीं के बैनर और पोस्टर लगाए हुए थे। युवाओं का कहना है कि एयरपोर्ट के लिए जमीन लिए जाने के दौरान प्रभावित परिवारों के युवाओं को स्थायी नौकरी दिए जाने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अब तक यह मांग पूरी नहीं हुई है। उनका आरोप है कि रोजगार नहीं मिलने के कारण बड़ी संख्या में युवा बेरोजगार घूम रहे हैं। युवाओं ने कहा कि वे अपनी मांग को लेकर कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर चुके हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। उनका कहना है कि उन्होंने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से भी मुलाकात कर रोजगार की मांग रखी थी, इसके बावजूद अभी तक नौकरी नहीं मिली है। युवाओं के अनुसार, मांग पूरी कराने के लिए कई बार धरना-प्रदर्शन भी किए गए, लेकिन उन्हें कोई ठोस परिणाम नहीं मिला। इसी के चलते अब युवाओं ने बाइक रैली के माध्यम से अपनी आवाज गांव-गांव तक पहुंचाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि बाइक पर रोजगार संबंधी पोस्टर लगाकर विभिन्न गांवों में जाकर लोगों को अपनी मांग से अवगत कराया जाएगा। युवाओं ने संबंधित अधिकारियों से एयरपोर्ट परियोजना से प्रभावित परिवारों के युवाओं के रोजगार से जुड़े वादे पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है।

डिजिटल बाजार और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला से यूपी के हस्तशिल्प को मिलेगी वैश्विक पहचान

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फॉर हैंडीक्राफ्ट्स के विशेष सत्र में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि डिजिटल बाजार, मजबूत आपूर्ति श्रृंखला और सुशासन के माध्यम से उत्तर प्रदेश के हस्तशिल्प उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रेटर नोएडा का इंडिया एक्सपो सेंटर बदलते भारत और उत्तर प्रदेश की तस्वीर प्रस्तुत कर रहा है। सरकार का लक्ष्य विकास का लाभ गांवों, कारीगरों, महिला उद्यमियों और छोटे कारोबारियों तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का निर्यात दो लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंच चुका है तथा डिजिटल बाजार और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के साथ निर्यात केंद्र विकसित किए जा रहे हैं। वाराणसी सहित प्रमुख केंद्रों पर परिवहन, भंडारण, पैकेजिंग और सीमा शुल्क से जुड़ी सुविधाएं विकसित करने पर जोर दिया जा रहा

है। भूपेंद्र चौधरी ने बताया कि प्रत्येक जिले के कॉमन फैसिलिटी सेंटर को हाईटेक स्टूडियो के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां ब्रांडिंग, प्रचार, त्रिआयामी और उच्च गुणवत्ता वाली फोटोग्राफी तथा पैकेजिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार के अनुरूप प्रस्तुत करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सहारनपुर की लकड़ी की नक्काशी, भदोही के कालीन और मुरादाबाद के हस्तशिल्प को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने के लिए डिजिटल प्रमाणन, ऑनलाइन अनुमति और उत्पाद की पहचान सुनिश्चित करने वाली व्यवस्थाओं पर काम हो रहा है। उद्योग आयुक्त के. विजयेंद्र पांडियन ने हस्तशिल्प कारोबारियों से इंस्टाग्राम, फेसबुक सहित डिजिटल मंचों पर विपणन और ब्रांडिंग बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने गुणवत्ता, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और बेहतर लाभ पर ध्यान देने तथा स्थानीय विशिष्ट उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने पर जोर दिया।

कैंटर में छिपाकर ले जा रहे थे तीन लाख के अवैध पटाखे, 70 कार्टन बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। थाना बहादुरगढ़ पुलिस ने अवैध पटाखों की बिक्री और आपूर्ति के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चेकिंग के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए कैंटर से करीब तीन लाख रुपये कीमत के 70 कार्टन अवैध पटाखे बरामद किए हैं। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ ही पटाखों की ढुलाई में प्रयुक्त कैंटर गाड़ी भी कब्जे में ली है। पुलिस के अनुसार आरोपी अवैध पटाखों की आपूर्ति करने के लिए कैंटर में पटाखे लेकर

जा रहा था। पुलिस टीम ने उसे लुहारी चौराहे के पास चेकिंग के दौरान पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रदीप निवासी जनपद इटावा के एक गांव के रूप में हुई है। पुलिस ने बरामद पटाखों और कैंटर को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि अवैध पटाखों की बिक्री, भंडारण और आपूर्ति के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक सुमंत दुबे, उपनिरीक्षक हरपाल सिंह, उपनिरीक्षक मुनेश कुमार, कांस्टेबल रजत शर्मा सहित थाना बहादुरगढ़ पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस के मुताबिक मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है और अवैध पटाखों की आपूर्ति से जुड़े अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

कूड़ा बीनने वाले परिवार की बेटी ने स्टेम सेल दान कर पेश की मिसाल, बनी प्रदेश की नौवीं स्टेम सेल डोनर

मोदीनगर (शिखर समाचार)। लक्ष्य पाठशाला की 22 वर्षीय बीकॉम छात्रा मोजिला परवीन ने स्टेम सेल दान कर अनजान कैंसर मरीज के जीवन में उम्मीद की किरण जगाई है। मोजिला प्रदेश की नौवीं स्टेम सेल डोनर बनी हैं। रविवार को लक्ष्य पाठशाला में आयोजित सम्मान समारोह में विधायक डॉ. मंजू शिवाच, नगर पालिका परिषद के चेयरमैन विनोद वैशाली और पाठशाला संचालिका नीलू राय ने मोजिला परवीन को सम्मानित किया। विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने कहा कि मोजिला ने स्टेम सेल दान कर समाज के सामने मानवीय सेवा की मिसाल पेश की है। उन्होंने बताया कि करीब दस लाख लोगों में किसी एक व्यक्ति का स्टेम सेल किसी मरीज से मेल खाने की संभावना होती है। स्टेम सेल दान रक्तदान जैसी प्रक्रिया है और दान के बाद शरीर में स्टेम सेल की पूर्ति कुछ समय में हो जाती है। पाठशाला संचालिका नीलू राय ने बताया कि पिछले वर्ष डीकेएमएस संस्था के माध्यम से आयोजित स्टेम सेल दान अभियान में मोजिला ने भी अपना नमूना दिया था। जांच के दौरान उसका नमूना एक कैंसर मरीज से मेल खा गया। सभी चिकित्सकीय परीक्षण और औपचारिकताएं पूरी करने के बाद 23 सितंबर को फरीदाबाद स्थित अस्पताल में उसने स्टेम सेल दान किया। मोजिला के परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है और उसके माता-पिता कूड़ा बीनने का काम करते हैं। उसने लक्ष्य पाठशाला से इंटरमीडिएट किया और अब एमएमएच कॉलेज, गाजियाबाद से बीकॉम कर रही है। साथ ही वह कंपनी सचिव की तैयारी भी कर रही है। विधायक ने कहा कि स्टेम सेल दाता और मरीज की पहचान नियमानुसार दो वर्ष तक गोपनीय रहती है। उन्होंने भविष्य में शिविर लगाकर लोगों को स्टेम सेल दान के प्रति जागरूक करने की बात कही। मोजिला ने परिवार को समझाकर दान के लिए सहमति ली और मानवता की सेवा का संदेश दिया।

महापुरुषों के चित्र लगाने के साथ उनके आदर्शों को जीवन में अपनाएं : सच्चिदानंद महाराज

शामली (शिखर समाचार)। आर्य समाज मंदिर में चल रहे वेद प्रचार सप्ताह का रविवार को वैदिक यज्ञ, भजन और प्रवचनों के साथ समापन हुआ। अंतरराष्ट्रीय वैदिक विद्वान सच्चिदानंद महाराज ने कहा कि महापुरुषों के केवल चित्र लगाने से उद्देश्य पूरा नहीं होता, बल्कि उनके चरित्र, आदर्श और शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारना चाहिए। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण के माध्यम से मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन और वैदिक संस्कृति के आदर्शों को समाज के सामने रखा। श्रीराम के जीवन से पिता-पुत्र के प्रेम, गुरु-शिष्य के स्नेह, भाई-भाई के प्रेम तथा आदर्श पुत्र और भाई के चरित्र की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि आज लोग घरों में धर्मग्रंथ स्थापित तो करते हैं, लेकिन उनमें दिए गए संदेशों और शिक्षाओं को व्यवहार में उतारने पर पर्याप्त ध्यान नहीं देते। उन्होंने द्वापर युग में श्रीकृष्ण द्वारा धर्म और कर्तव्य के मार्ग पर चलने के

दिए गए संदेशों का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज को सदैव सत्य और कर्तव्य के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने बताया कि 16 से 24 नवंबर तक संभल जनपद में आर्य समाज की ओर से अंधविश्वास और पाखंडवाद के विरुद्ध हिंदू जागरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में सदर विधायक प्रसन्न चौधरी मुख्य अतिथि रहे। संचालन मंत्री दिनेश आर्य ने किया, जबकि पुरोहित ओम सुमिरन आर्य ने वैदिक यज्ञ संपन्न कराया। आर्य भजन उपदेशिका श्वेता आर्या ने भजनों के माध्यम से लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने ऋषि दयानंद के जीवन से जुड़े प्रसंग भी सरल शब्दों में प्रस्तुत किए। इस अवसर पर रघुवीर सिंह आर्य, राजपाल आर्य, गिरधारी लाल आर्य, पूरण चंद आर्य, देवी सिंह आर्य, सत्यप्रकाश आर्य, ईलम चंद आर्य, सुभाकर आर्य, रामपाल आर्य, रामेश्वर दयाल आर्य, सुंदर लाल आर्य, कमला आर्या, संतोष आर्या, पूनम आर्या और सुनीता पाल आर्या सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

जरोठी रोड की गौशाला में लायंस क्लब आरम्भ ने की गौसेवा

हापुड़ (शिखर समाचार)। लायंस क्लब हापुड़ आरम्भ की ओर से जरोठी रोड स्थित गौशाला में गौसेवा एवं गौ आहार सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान क्लब सदस्यों ने गौवंश को हरा चारा, गुड़ सहित अन्य आहार खिलाकर सेवा की। क्लब अध्यक्ष तुषार गोयल ने कहा कि गौसेवा केवल एक सेवा कार्य नहीं, बल्कि करुणा और भारतीय संस्कारों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि लायंस क्लब के ह्यहम सेवा करते हैंह्न संकल्प के तहत क्लब जरूरतमंद लोगों के साथ ही मूक प्राणियों की सेवा के लिए भी निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने क्लब सदस्यों से सेवा कार्यों को आगे भी जारी रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान सदस्यों ने गौशाला में व्यवस्थाओं का जायजा लिया और गौवंश की सेवा में योगदान दिया। इस अवसर पर क्लब सचिव दीपक मित्तल, कोषाध्यक्ष हिमांशु गर्ग, राजीव गर्ग, नितिन गर्ग सहित आरम्भ परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे। क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि सामाजिक सरोकारों से जुड़े सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में करुणा, सहयोग और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने का प्रयास लगातार जारी रहेगा।

जेवर के 166वें दाऊजी मेले में उमड़ा जनसैलाब, काली अखाड़े और झांकियों ने मोहा मन

जेवर (शिखर समाचार)। श्री दाऊजी मंदिर पर चल रहे 166वें दाऊजी मेले के दसवें दिन खुर्जा रोड से काली अखाड़े, दर्जनों आकर्षक झांकियों और मशहूर बैंडों के प्रदर्शन के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस मुख्य बाजार से होते हुए देर रात श्री दाऊजी मंदिर पहुंचा। जुलूस और काली अखाड़े का प्रदर्शन देखने के लिए बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी। आयोजकों के अनुसार करीब एक लाख लोग मेले में पहुंचे, जिनमें महिलाओं और बच्चों की संख्या भी काफी रही। लोगों ने जुलूस का आनंद लेने के साथ श्री दाऊजी महाराज के मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। मेले के दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें महिला कबड्डी, पुरुष कबड्डी, बाल कुश्ती और पुरुष पहलवानों का दंगल प्रमुख रहा। दंगल में विभिन्न प्रदेशों से आए पहलवानों ने अपनी कुश्ती कला का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में भारत केसरी पहलवान ने भी शानदार मुकाबले में प्रथम कुश्ती का पुरस्कार अपने नाम किया। मेले के दसवें दिन तक मंदिर और मेला परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ बनी रही। दाऊजी मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ओपी शर्मा ने बताया कि पहले यह मेला एक दिन का आयोजित होता था, लेकिन इस बार पहली बार इसे दस दिनों तक आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि पूरे मेले के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्री दाऊजी महाराज के दर्शन करने पहुंचे और विभिन्न कार्यक्रमों का आनंद लिया। जुलूस और मेला शांतिपूर्वक संपन्न होने पर आयोजकों ने श्रद्धालुओं, प्रशासन और सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार जताया।

एटीएम मदद के बहाने कार्ड बदलकर करता था ठगी, 68 कार्ड और चाकू बरामद

रबूपुरा (शिखर समाचार)। एटीएम से पैसे निकालने में मदद करने के बहाने लोगों के कार्ड बदलकर ठगी करने वाले बदमाश को रबूपुरा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से विभिन्न बैंकों के 68 एटीएम कार्ड और एक चाकू बरामद किया है। पुलिस के अनुसार पकड़ा गया आरोपी मूलरूप से बिहार के शेखुपुरा का रहने वाला है और वर्तमान में नोएडा के सेक्टर-68 स्थित छिजारसी की चोटपुर कॉलोनी में किराये पर रह रहा था। वह जिलेभर में एटीएम से जुड़ी धोखाधड़ी की वारदातों को अंजाम दे रहा था। पुलिस के मुताबिक आरोपी एटीएम मशीन से कम परिचित सीधे-साधे लोगों और बुजुर्गों को निशाना बनाता था। वह मदद के बहाने पहले पीड़ित का पासवर्ड देख लेता और इसके बाद अपना एटीएम कार्ड नीचे गिराकर चालाकी से पीड़ित का कार्ड बदल

देता था। बाद में पासवर्ड का इस्तेमाल कर खाते से रकम निकाल लेता था। पुलिस के अनुसार आरोपी कई बार चाकू की मदद से एटीएम मशीन के कार्ड रीडर से छेड़छाड़ कर लोगों के कार्ड मशीन में फंसा देता था और पीड़ित के चले जाने के बाद कार्ड निकाल लेता था। पूछताछ में आरोपी ने कई लोगों के कार्ड से ठगी करने की बात स्वीकार की है। रबूपुरा क्षेत्र में भी उसके द्वारा कई वारदातें किए जाने की जानकारी सामने आई है। शिकायतों के आधार पर पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। रविवार सुबह पुलिस ने मिजार्पुर मार्ग पर चामुंडा मंदिर के पास से उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान, शिक्षा को बनाया समाज की तरक्की का आधार

मोदीनगर (शिखर समाचार)। महर्षि प्रजापति शिक्षा समिति, शुक्रतीर्थ मुजफ्फरनगर की ओर से रविवार को मुल्तानी मल मोदी पीजी कॉलेज के सभागार में कार्यक्रम आयोजित कर समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विनोद कुमार शुखरलिया ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने समाज के लोगों से अपील की कि समाज की तरक्की के लिए बच्चों को बेहतर से बेहतर शिक्षा दिलाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। समाज की प्रगति में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है और शिक्षित युवा ही आगे चलकर समाज को नई दिशा दे सकते हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव रमेश प्रजापति ने कहा कि मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान का उद्देश्य उनका आत्मविश्वास बढ़ाना और अन्य

विद्यार्थियों को भी मन लगाकर शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम में वेद प्रकाश प्रजापति, डॉ. शुभ्रा आर्य और ऋषिपाल सहित अन्य वक्ताओं ने विचार व्यक्त करते हुए समाज के शैक्षिक एवं सामाजिक उत्थान पर जोर दिया। इस अवसर पर दर्जनभर से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सम्मान मिलने पर विद्यार्थियों में उत्साह दिखाई दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अमर सिंह प्रजापति ने की तथा संचालन आकाशदीप ने किया। इस अवसर पर हेमचंद प्रजापति, डॉ. यशपाल, पूरन सिंह, कवि बलबीर सिंह खिचड़ी, दुलीचंद प्रजापति, डॉ. वरदानी, सोहनवीर प्रजापति और प्रवीण आर्य सहित समाज के अनेक लोग मौजूद रहे।

संपादकीय

सत्ता का अहंकार या आवेश की प्रतिक्रिया, दिल्ली के थप्पड़कांड ने खड़े किए कई सवाल

लोकतंत्र में सत्ता का अर्थ केवल शासन करना नहीं, बल्कि जनता के प्रति जवाबदेह रहना भी है। जनप्रतिनिधि जनता की समस्याओं को सुनने, उनका समाधान करने और सरकारी व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए चुने जाते हैं। लेकिन जब जनप्रतिनिधि और आम नागरिक के बीच संवाद की जगह विवाद और हाथापाई की स्थिति पैदा हो जाए तो यह केवल एक व्यक्ति के व्यवहार का मामला नहीं रह जाता, बल्कि लोकतांत्रिक मयार्दाओं और सार्वजनिक जीवन की कार्यशैली पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। दिल्ली के तिलक नगर में सड़क निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा द्वारा एक युवक को थप्पड़ मारने का मामला इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। 27 सितंबर 2026 को सामने आई इस घटना ने राजधानी की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। सड़क की गुणवत्ता जांचने के लिए शुरू हुआ निरीक्षण देखते ही देखते राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और व्यक्तिगत विवाद में बदल गया। घटना का वीडियो सार्वजनिक होने के बाद मंत्री के व्यवहार, सड़क निर्माण की गुणवत्ता और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही जैसे महत्वपूर्ण विषय चर्चा के केंद्र में आ गए हैं। तिलक नगर में सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर स्थानीय आम आदमी पार्टी विधायक जरनैल सिंह ने सवाल उठाए थे। सामने आए वीडियो में सड़क की ऊपरी परत को हाथ से उखाड़कर उसकी गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए देखा जा सकता है। इसी दौरान दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा वहां पहुंचे। सड़क के निरीक्षण के समय दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हुई। इस दौरान एक युवक मोबाइल फोन से घटनाक्रम का वीडियो बना रहा था। वायरल वीडियो में मंत्री युवक का मोबाइल नीचे करते और उसके चेहरे पर हाथ उठाते दिखाई दे रहे हैं। इस घटना के बाद राजनीतिक माहौल गर्म हो गया और आम आदमी पार्टी ने मंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग शुरू कर दी। मामले ने उस समय नया मोड़ ले लिया, जब प्रवेश वर्मा ने अपना पक्ष रखते हुए एक वीडियो जारी किया। उन्होंने दावा किया कि आम आदमी पार्टी के विधायक जरनैल सिंह के एक समर्थक ने उनके परिवार के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। मंत्री के अनुसार, लगातार बदसलूकी के बाद उन्होंने आवेश में आकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जरनैल सिंह लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों पर ठेकेदारों से कमीशन दिलाने का दबाव बना रहे थे। मंत्री ने दावा किया कि उन्होंने विधायक को तीन बार फोन किया और लगभग 45 मिनट तक उनका इंतजार किया। हालांकि, कमीशन मांगने और अन्य आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है। दूसरी ओर, युवक साहिब सिंह का कहना है कि वह सड़क की खराब स्थिति दिखाने और उसका वीडियो बनाने के लिए वहां मौजूद था। उसने आरोप लगाया कि मंत्री ने उसका मोबाइल छीनकर उसे थप्पड़ मारा और उनके साथ आए कुछ लोगों ने उसे धमकी भी दी। युवक ने मंत्री से लिखित माफी और पुलिस कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंत्री की गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने घटना का वीडियो साझा करते हुए तिलक नगर जाने की बात कही है। विधायक जरनैल सिंह ने भी मंत्री पर सड़क की गुणवत्ता से जुड़े सवालों से बचने का आरोप लगाया है। दूसरी ओर, प्रवेश वर्मा ने अपने ऊपर लगे आरोपों को सड़क निरीक्षण के विवाद से जोड़ने पर आपत्ति जताई है और पूरे घटनाक्रम के लिए विपक्षी नेताओं को जिम्मेदार ठहराया है। इस प्रकार सड़क की गुणवत्ता से शुरू हुआ विवाद अब राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का विषय बन गया है। इस घटना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि सड़क की गुणवत्ता की जांच जैसे सार्वजनिक हित के विषय पर शुरू हुई चर्चा व्यक्तिगत आरोपों और राजनीतिक टकराव में उलझ गई। यदि सड़क निर्माण में अनियमितता हुई है तो उसकी जांच होनी चाहिए और यदि किसी जनप्रतिनिधि ने अधिकारियों पर अनुचित दबाव बनाया है तो उसकी भी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

~ मौलिक चिंतन ~

सत्य देर से असर करता है, जबकि चाटुकारिता तुरंत नशा चढ़ाती है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

कितना जायज हैं चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर कांग्रेस के सवाल

मनोज कुमार अग्रवाल

आम जन की समस्याओं से विमुख विपक्ष इस बार चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मुखर हो उठा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एसआईआर प्रक्रिया को संस्थागत चोरी करार देते हुए आरोप लगाया कि चुनाव आयोग गरीबों के वोट काटने के लिए सत्ता पक्ष के साथ खुलकर मिला हुआ है।इन मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने देश के अलग-अलग हिस्सों और राज्यों में चुनाव आयोग के दफ्तरों के बाहर देशव्यापी प्रदर्शन व विरोध-प्रदर्शन करने की घोषणा की है।

उधर चुनाव आयोग ने अपने ऊपर लगे इन तमाम आरोपों और आंतरिक कलह की खबरों को खारिज किया है। आयोग का कहना है कि प्रशासनिक बैठकों में अलग-अलग नोट्स और सुझाव दर्ज होना एक सामान्य और नियमित प्रक्रिया है। आयोग के अनुसार, एसआईआर और अन्य सभी चुनावी फैसले पूरी सहमति व कानूनी प्रावधानों के तहत ही लिए गए हैं। आपको बता दें कि हाल ही में एक अंग्रेजी दैनिक की खबर में दावा किया गया था कि निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने देशभर में मतदाता सूची के एसआईआर के दौरान नाम जोड़े और हटाए जाने समेत कई मुद्दों पर आपत्तियां जताई थीं। रिपोर्ट के अनुसार, संधू और जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार लिखित रूप से आपत्तियां दर्ज कीं। इनमें से चार आपत्तियां एक ही दिन में उन फैसलों और आदेशों को लेकर दर्ज की गईं, जिनकी जानकारी उन्हें नहीं थी। विवाद के बीच, निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा, आयोग के सभी आधिकारिक आदेश, निर्णय पूर्ण कानूनी मान्यता प्राप्त हैं। किसी भी संस्थान में अलग-अलग विचार और टिप्पणियां विचार-विमर्श का सामान्य हिस्सा हैं। तीनों आयुक्त ही नहीं, बल्कि आयोग का प्रत्येक अधिकारी चुनाव प्रणाली में सुधार के लिए अपने सुझाव देने के लिए पूरी तरह अधिकृत है।

यहां गौरतलब है कि मतदाता सूचियों को दुरुस्त करने के लिए चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे एसआईआर के तहत अब तक 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। इसकी शुरूआत जून 2025 में बिहार से हुई थी। इस दौरान चुनाव आयोग ने चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव भी कराए जिनमें बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल शामिल हैं। असम में विधानसभा चुनाव के लिए मतदाता सूचियों का एसआईआर नहीं कराया गया। एसआईआर को सर्वोच्च न्यायालय में भी चुनौती दी गई है।

एसआईआर को सर्वोच्च न्यायालय में भी चुनौती दी गई है।

आपको पता रहे कि कांग्रेस ने इस विवाद को ज्ञानेशगेट करार दिया जबकि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के विभिन्न धड़ों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के महाभियोग और एसआईआर से पहले मौजूद मतदाता सूची के आधार पर पश्चिम बंगाल में नए विधानसभा चुनाव कराने की मांग की। सत्तारूढ़ भाजपा ने चुनाव आयोग के भीतर मतभेदों को कमतर बताते हुए इसे शुद्ध लोकतंत्र का प्रतिबिंब बताया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि भाजपा, आरएसएस और चुनाव आयोग ने वोट चोरी कर देशद्रोह किया है और न्याय होकर रहेगा। गांधी ने कहा कि वोट चोरी भारतीय जनता के खिलाफ अपराध और हमारे संविधान पर सीधा हमला है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सवाल किया कि क्या राज्यसभा के सभापति अब 24 अप्रैल को 73 विपक्षी सांसदों द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर दिए गए नोटिस पर फैसला करेंगे। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र को अभी तक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित नहीं किया गया है।

इधर इस मुद्दे पर भाजपा का भी वर्जन आया है। पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा है कि आधिकारिक विचार-विमर्श के दौरान चुनाव आयुक्तों द्वारा अलग-अलग मत व्यक्त किए जाने संबंधी मीडिया रिपोर्ट शुद्ध लोकतंत्र को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि यदि चुनाव आयुक्त आपस में संवाद और विचारों का आदान प्रदान नहीं करते तो विपक्षी दल उन पर सरकार की हां में हां मिलाने का आरोप लगाते। निर्वाचन आयोग के कामकाज को नियंत्रित करने वाला कानून स्पष्ट रूप से कहता है कि उसके फैसले सर्वसम्मति से या बहुमत से होने चाहिएं। टीएन शेषन मामले (1995) में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने सामूहिक निर्णय लेने की व्यवस्था का समर्थन किया था। अदालत ने स्पष्ट किया था कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त न तो सम्राट हैं और न ही अन्य निर्वाचन आयुक्तों से ऊपर कोई प्राधिकारी। वह आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं, लेकिन सभी सदस्यों के पास निर्णय लेने के समान अधिकार होते हैं।

चुनाव आयुक्तों में असहमति को लेकर इतना हंगामा लोकतांत्रिक दृष्टि से ठीक नहीं, क्योंकि लोकतंत्र में असहमति का विशेष महत्व है। संसद में सांसद एक-दूसरे के विचारों से असहमत होते हैं। इसी तरह विधानसभाओं और नगर निगमों से लेकर पंचायतों तक में विभिन्न मुद्दों पर हर माननीय की अपनी राय होती है। देश के सर्वोच्च न्यायालय में माननीय न्यायधीशों की अपनी अलग-अलग राय होती है। मुख्य चुनाव आयुक्त से संबंधित कानून को लेकर दो जजों की पीठ में मतभेद का समाचार सुर्खियों में है। राजनीतिक दलों में विचारों को लेकर मतभेद के समाचार तो आये दिन समाचार पत्रों की सुर्खियां बनते हैं, इसके बाद जब निर्णय बहुमत से या सर्वसम्मति से लिया जाता है तो असहमति वाला पक्ष पर्दे के पीछे चला जाता है।

चुनाव आयुक्तों में असहमति एक स्वाभाविक व लोकतांत्रिक बात है। कानून की दृष्टि से भी हर आयुक्त को अपने विचार प्रकट करने का अधिकार है, लेकिन फैसला बहुमत या सर्वसम्मति से जो होता है वही मान्य होता है। चुनाव आयुक्तों के आपसी मतभेद तब तक ही महत्व रखते हैं जब तक अंतिम निर्णय नहीं हो जाता है। निर्णय चाहे बहुमत से आये या सर्वसम्मति से मान्य तो वो ही होगा। विरोध के लिए विरोध लोकतंत्र के हित में नहीं।

भारत चल पड़ा है नई औद्योगिक क्रांति के पथ पर

प्रहलाद सबनानी

भारत में आज एक नई औद्योगिक क्रांति प्रारम्भ हो चुकी है, यह विचार अमेरिका की एक जानी मानी निवेश बैंक - जेफ्रीज ने व्यक्त किये हैं। भारत में, विशेष रूप से डाटा केंद्र स्थापित करने के उद्देश्य से करोड़ों अमेरिकी डॉलर का निवेश होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने पर केंद्र सरकार की ओर से टैक्स में भारी भरकम छूट भी प्रदान की जा रही है। अतः भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने की तो जैसे होड़ सी मच गई है। पिछले 5 वर्षों के दौरान भारत में डाटा केंद्रों की क्षमता दोगुनी हो चुकी है एवं आगे आने वाले 5 वर्षों के दौरान यह क्षमता बढ़कर 10 GW हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। वैश्विक स्तर पर डाटा केंद्र अब एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है।

साथ ही, भारत में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाईयों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान किया जा रहा है, इसके लिए 1,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निर्धारित की गई है। इसका परिणाम यह है कि सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना हेतु भारत में 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जा चुका है, और यह आगे भी जारी हैं।

भारत आज उन चुनिंदा देशों में से एक है, जिनके पास स्पेस क्षेत्र से सम्बंधित नवीनतम तकनीकी उपलब्ध है। भारत में स्पेस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 5 गुना तक बढ़ सकती है। वैश्विक स्तर पर एयरो स्पेस के क्षेत्र में मांग एवं आपूर्ति में असंतुलन के चलते भारत लाभ की स्थिति में पहुंच गया है क्योंकि कम लागत और कुशल इंजीनीयरिंग टैलेंट आज भारत में ही सम्भव है। इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत आज केवल पुर्जों को इकट्ठा कर उत्पाद बनाने का कार्य करने तक सीमित नहीं है बल्कि इस क्षेत्र में उच्चस्तरीय उत्पादों का निर्माण भी करने लगा है। 6 वर्षों में मोबाइल कम्पोनेंट में घरेलू वैल्यू एडीशन लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत तक होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

सोलर के क्षेत्र में भारत आज वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा सोलर पीवी का उत्पादक देश बन गया है। इसका परिणाम यह है कि वर्तमान में भारत की 35 GW की सोलर क्षमता चालू है एवं 100 GW की क्षमता पर निर्माण कार्य चालू है।

एशिया की सबसे बड़ी 100 कम्पनियों की सूची में आज भारत की 34 कम्पनियां शामिल हो चुकी हैं। कुल मिलाकर, पूर्व में भारत केवल फार्मा, टेक्स्टायल, चमड़ा उत्पाद, कृषि उत्पाद (मसाला, आदि) स्टील, ऑटोमोबील एवं सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में ही वैश्विक स्तर पर उक्त उत्पादों का निर्यात करने में सफल हो रहा था परंतु आज स्थितियां बदल गई हैं एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे डाटा केंद्र, सेमीकंडक्टर उत्पादन, स्पेस क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र, सोलर क्षेत्र, सुरक्षा क्षेत्र में भी वैश्विक स्तर पर भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है।

भारत में उपलब्ध टैलेंट एवं श्रम के भरोसे विश्व की कई बड़ी कम्पनियों के बीच आज भारत में विशाल वैश्विक योग्यता केंद्रों (जीसीसी) की स्थापना करने की होड़ सी लग गई है। ब्रिटेन में फार्मा के क्षेत्र में कार्य करने वाली कम्पनी - एस्ट्रा जेनेका ने चेन्नई में एक विशाल वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है। बैंक ओफ अमेरिका ने अपना सबसे बड़ा बैक ऑफिस कार्यालय पुणे में स्थापित किया है, इस बैंक के पूरे विश्व में बैक ऑफिस में कार्य कर रहे 11,000 कर्मचारी इस केंद्र का ब्रेन बन गए हैं। अमेरिका के सबसे पुराने वित्तीय संस्थानों में से एक बैंक ओफ न्यूयॉर्क, मेलोन ने पुणे एवं चेन्नई में वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना की है। आरटीफिशीयल इंटेलिजेन्स के क्षेत्र में कार्य करने वाली बोस्टन की एक कम्पनी ने फरवरी 2026 में हैदराबाद में विशाल स्तर पर अपने एक अंतरराष्ट्रीय कार्यालय की स्थापना की है।

बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई एवं पुणे में आज 1,700 से अधिक वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं, इन केंद्रों में 19 लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। भारत आज आउटसोर्सिंग हब से आगे बढ़कर उच्च स्तरीय टैलेंट केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। भारत में स्थापित किए गए कुल वैश्विक योग्यता केंद्रों में से लगभग 65 प्रतिशत केंद्र अमेरिकी कम्पनियों द्वारा स्थापित किए गए हैं। इन कम्पनियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में की जा रही रीसर्च का कार्य इन केंद्रों पर सम्पन्न हो रहा है एवं टेक्नॉलजी के क्षेत्र में नए नए उत्पादों का निर्माण भी इन्हीं केंद्रों में किया जा रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही अमेरिका की ही एक कम्पनी टूब्रिज ने भी फरवरी 2026 में मुंबई में वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है, इस केंद्र को आगे आने वाले समय में और अधिक विस्तार दिया जाने वाला है। इसी प्रकार, बीमा, बैंकिंग, स्वास्थ्य, साइबर सिक्युरिटी, फार्मा एवं सुरक्षा के क्षेत्रों में कार्यरत अनेक कंपनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं।

पूर्व में, अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों को भारत से ब्रेन ड्रेन हो रहा था, परंतु अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं एवं अब विशेष रूप से अमेरिका से भारत को रिवर्स ब्रेन ड्रेन होने लगा है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन की नीतियों के चलते अन्य देशों से अमेरिका में जाने वाले टैलेंट का अमेरिका में रहना अब मुश्किल हो रहा है। अमेरिका एवं अन्य यूरोपीयन देशों में पूंजीवाद एवं साम्यवाद की नीतियों के चलते इन देशों में जन्म दर भी लगातार कम हो रही है। इन देशों में समाज में प्रत्येक व्यक्ति केवल अपने आप पर ध्यान केंद्रित किए हुए है। विवाह जैसी अति पवित्र संस्था को पश्चिमी देशों ने केवल मौज मस्ती का माध्यम बना दिया गया है। केवल कामुकता के लिए विवाह नहीं किया जाता है जबकि यह एक सामाजिक जिम्मेदारी है। भारतीय दर्शन में अपने कुल को आगे बढ़ाने के लिए विवाह को एक पवित्र संस्था माना गया है। जबकि, पश्चिमी देशों में आज विवाह को आवश्यक ही नहीं माना जा रहा है बल्कि वहां के नागरिक लिव इन रिलेशनशिप में भी रहने लगे हैं। इन देशों में तलाक की दर में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हो रही है। इन देशों में सामान्य जीवन यापन की लागत बहुत अधिक महंगी हो रही है। साथ ही, पश्चिमी दर्शन में पुनर्जन्म में विश्वास नहीं किया जाता है, जो कुछ भी भोगना है केवल इसी जन्म में सम्पन्न करना है। अतः इन देशों में अपनी पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए बच्चे पैदा करना आवश्यक नहीं समझा जा रहा है। इन देशों में समाज की जीवन शैली ही इस प्रकार की बन गई है कि केवल अपने आप पर ध्यान केंद्रित करें एवं अपनी काया को किसी प्रकार का कष्ट नहीं होना चाहिए, परिवार पर एवं समाज पर किसी नागरिक का ध्यान बहुत कम है। पश्चिमी देशों में नागरिक, 'मैं और केवल मैं' किस प्रकार अधिक से अधिक सुखी रह सकता हूं, इस विषय पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। यह विशेषताएं पूंजीवाद एवं साम्यवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं में बहुत मुखर रूप से उभर का सामने आती है। बच्चे पैदा करने का निर्णय भी बचत एवं खर्च की दृष्टि को सामने रखकर लिया जा रहा है। चूंकि मैं अपने बच्चे पर होने वाले खर्च को वहन नहीं कर सकता हूं अतः मुझे बच्चे पैदा ही नहीं करना है। पश्चिमी देशों में सामान्य परिवार चलाने की लागतें बढ़ती जा रही है अतः परिवार में 'डबल इनकम नो किड्ज' (डिंक) का विचार भी जोर पकड़ता जा रहा है। इन देशों में पूंजीवाद एवं साम्यवाद पर आधारित आर्थिक नीतियों ने नागरिकों को दिमागी तौर पर दिवालिया बना दिया है। इन देशों में नागरिकों का पूरा ध्यान केवल भौतिकवादी विकास पर ही केंद्रित हो गया है। परिवार एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास समाप्त सा हो गया है।

आज पश्चिमी देशों के नागरिक, विशेष रूप से प्रौढ़ नागरिक, जीवन के अपने अंतिम पलों को सहज बनाने के उद्देश्य से भारत में शिफ्ट हो रहे हैं। भारत की अध्यात्म नगरी ऋषिकेश, हरिद्वार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड आदि स्थानों पर विकसित देशों के नागरिकों की जैसे बाढ़ सी आ गई है। कुछ देशों के नागरिक गोवा जैसे राज्यों में भी आकर बस रहे हैं। क्योंकि, भारत के इन स्थलों पर उन्हें मानसिक शांति प्राप्त हो रही है। पहिले तो ये विदेशी नागरिक योगा एवं आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करने के उद्देश्य से भारत आते हैं परंतु यहां आने के उपरांत उन्हें जो आत्मिक शांति प्राप्त होती है, उसके चलते ये लोग भारत में ही बस जाते हैं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भगत सिंह : शहादत की मिट्टी से महकता रहेगा वतन

योगेश कुमार गोयल

शहीद भगत सिंह की जयंती के अवसर पर उनके कुछ प्रेरणादायी विचारों का उल्लेख करना भी प्रासंगिक होगा। वह कहते थे, 'क्रांति मानव जाति का अपरिहार्य हक है और आजादी सभी का कभी न खत्म होने वाला जन्मसिद्ध अधिकार है। बम और पिस्तौल से क्रांति नहीं लाई जा सकती बल्कि क्रांति की तलवार विचारों से ही तेज होती है।

युवा चेतना के अमर प्रेरणापुंज भगत सिंह... भारत को ब्रिटिश शासन की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए स्वतंत्रता संग्राम में अनेक क्रांतिकारियों ने अपना जीवन बलिदान कर दिया था। भारत के ऐसे ही सबसे महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक हैं शहीद-ए-आजम भगत सिंह, जो केवल 23 वर्ष की अल्पायु में ही भारत को आजाद कराने के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए थे। भगत सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे महान क्रांतिकारी थे, जिन्होंने अपने अदम्य साहस और विचारधारा से देश की आजादी के आंदोलन को नई दिशा दी। उन्होंने न केवल अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया बल्कि लोगों में स्वतंत्रता और समानता का संदेश भी फैलाया। बहुत कम उम्र में देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले भगत सिंह युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गए। उनके बलिदान और साहस ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को प्रेरित किया। उन्होंने एक ओर जहां अपनी देशभक्ति से विदेशी हुकूमत को घुटनों पर लाने का काम किया, वहीं दूसरी ओर अपने क्रांतिकारी विचारों से स्वतंत्रता संघर्ष में अलग-अलग बंटे भारत को एक करने का महत्वपूर्ण कार्य भी किया। उनके प्रेरणादायी विचारों से पूरे भारत में स्वाधीनता की लहर और तेज हो गई थी।

28 सितंबर को शहीद भगत सिंह की 119वीं जयंती मनाई जा रही है। 28 सितंबर 1907 को पंजाब के लायपुर जिले में जन्मे भगत सिंह ने महज 11 वर्ष की आयु में ही स्वतंत्रता संग्राम में कूदने का निश्चय कर लिया था। दरअसल 13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग में सभा के दौरान जो नरसंहार हुआ था, उसका भगत सिंह के दिलोदिमाग पर इतना गहरा असर पड़ा था कि उन्होंने तभी ठान लिया था कि वे अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आजादी की लड़ाई लड़ेंगे। उसके बाद उन्होंने अपनी पढ़ाई छोड़ दी और 'नौजवान भारत सभा' की स्थापना की और देश को आजादी दिलाने के लिए अंग्रेजों के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोल दिया। फांसी के फंदे पर चढ़ने से पहले भगत सिंह ने नारा लगाया था 'इंकलाब जिंदाबाद', जो आज भी भारत में स्वतंत्रता और न्याय के लिए संघर्ष का प्रतीक है। इस नारे ने उनकी शहादत के बाद लोगों में क्रांतिकारी भावनाओं को जगाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई। अपने अंतिम क्षणों में भगत सिंह ने अपने साथियों को एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह अपने देश के लिए मरने के लिए तैयार हैं और उन्हें कोई पछतावा नहीं है। वह प्रायः एक शेर गुनगुनाया करते थेः-

जब से सुना है मरने का नाम जिंदगी है,
सर पे कफन लपेटे कातिल को ढूंढ़ते हैं।

भगत सिंह जब पांच साल के थे, तब एक दिन अपने पिता के साथ खेत में गए और वहां कुछ तिनके चुनकर जमीन में गाड़ने लगे। पिता ने उनसे पूछा कि यह क्या कर रहे हो तो मासूमियत से भगत सिंह ने जवाब दिया कि मैं खेत में बंदूकें बो रहा हूं। जब ये उगकर बहुत सारी बंदूकें बन जाएंगी, तब इनका उपयोग अंग्रेजों के खिलाफ करेंगे। भगत सिंह ने स्वतंत्रता सेनानी चन्द्रशेखर आजाद से अपनी पहली मुलाकात के समय ही जलती मोमबती की लौ पर हाथ रखकर कसम खाई थी कि उनका समस्त जीवन वतन पर ही कुर्बान होगा। भगत सिंह ने राजगुरु और सुखदेव के साथ मिलकर काकोरी कांड को अंजाम दिया। उसके बाद उन्होंने 17 दिसंबर 1928 को राजगुरु के साथ मिलकर चंद्रशेखर आजाद की मदद से लाहौर में सहायक पुलिस अधीक्षक रहे जेपी सांडर्स को मार डाला।

8 अप्रैल 1929 को भगत सिंह ने बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर अलीपुर रोड में मौजूद ब्रिटिश इंडिया की इमरजेंसी सेंट्रल असेंबली के सभागार में अंग्रेजी हुकूमत को जगाने के लिए बम और पर्चे फैंके और इसके जरिये आजादी की मांग की आवाज को हर देशवासी के कानों तक पहुंचा दिया। ब्रिटिश सरकार के खिलाफ बम विस्फोट में भाग लेने के आरोप में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया लेकिन जेल में अंग्रेजी हुकूमत की प्रताड़ना झेलने के बाद भी भगत सिंह ने आजादी की मांग को जारी रखा। उनका आंदोलन जेल की सलाखों के पीछे भी जारी रहा और उन्होंने कई लेख लिखकर अपने क्रांतिकारी विचारों से समूचे देश के जनमानस को जगाया। वह हिंदी, पंजाबी, उर्दू, बांग्ला और अंग्रेजी के अच्छे जानकार थे, ऐसे में उन्होंने देशभर में आजादी की लड़ाई के लिए अपने संदेश पहुंचाने के प्रयास जारी रखे। अदालती कार्यवाही के दौरान जब कोर्ट में पत्रकार होते तो भगत सिंह आजादी की मांग को लेकर जोशीली बातें किया करते, जो प्रायः अगले दिन अखबारों के पहले पन्ने पर नजर आती, जिन्हें पढ़कर देश की आजादी के लिए हर नागरिक का खून खौल उठता। कैद की सजा के दौरान भगत सिंह के साथ ही उनके साथियों राजगुरु और सुखदेव को भी अदालत ने 7 अक्टूबर 1930 को फांसी की सजा सुनाई और फांसी के लिए 24 मार्च 1931 के दिन को चुना गया लेकिन देशवासियों के आक्रोश से डरकर अंग्रेजों द्वारा एक दिन पहले ही 23 मार्च 1931 को उन्हें गुपचुप तरीके से फांसी दे दी गई।

अपने 23 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में भगत सिंह ने वैचारिक क्रांति की ऐसी मशाल जलाई थी, जिससे आज के दौर में भी युवा काफी प्रभावित हैं। उनकी शहादत भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ थी और उनके बलिदान ने भारत के लोगों को ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित किया। उनके जीने के तरीके और विचारों से आज भी प्रत्येक भारतीय प्रेरणा लेता है और खासकर देश के नौजवानों को तो उनका व्यक्तित्व सदैव प्रेरित करता रहेगा। छोटी सी उम्र में ही उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी थी और अपने क्रांतिकारी विचारों तथा आदर्शों से युवाओं को भी स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। शहीद भगत सिंह की जयंती के अवसर पर उनके कुछ प्रेरणादायी विचारों का उल्लेख करना भी प्रासंगिक होगा। वह कहते थे, 'क्रांति मानव जाति का अपरिहार्य हक है और आजादी सभी का कभी न खत्म होने वाला जन्मसिद्ध अधिकार है। बम और पिस्तौल से क्रांति नही लाई जा सकती बल्कि क्रांति की तलवार विचारों से ही तेज होती है। किसी भी व्यक्ति को 'क्रांति' शब्द की व्याख्या शाब्दिक अर्थ में नहीं करनी चाहिए, जो लोग इसका दुरुपयोग करते हैं, वे अपने फायदे के हिसाब से इसे अलग अर्थ और मतलब दे देते हैं। कोई भी अत्याचारी साधारण व्यक्तियों को कुचलकर उनके विचारों को नहीं मार सकते। मैं दुनिया में न्याय और समानता देखना चाहता हूं। मैं भारत को एक स्वतंत्र और प्रगतिशील राष्ट्र बनाना चाहता हूं।' देशभक्ति, समानता और न्याय के लिए भगत सिंह देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत बने रहेंगे। भारत माता के वीर सपूत और महान क्रांतिकारी भगत सिंह को शहीद हुए आज भले ही 95 वर्ष से भी ज्यादा बीत चुके हैं लेकिन भगत सिंह और उनके क्रांतिकारी विचार हम सभी के जेहन में आज भी जिंदा हैं और हमेशा रहेंगे।

पितरों की आत्मा की शांति के लिए करें मात्र एक ही उपाय

आश्विन माह के प्रथम दिवस 26 सितंबर से श्राद्धपक्ष शुरू होने जा रहा है। इस दिन पितरों की शांति के लिए तर्पण और पिंडदान के अलावा कई तरह के अनुष्ठान किए जाते हैं। आओ जानते हैं कि कौन सा एकमात्र उपाय करने से पितरों को मिलेगी शांति और पितृदोष होगा दूर।

पितृ शांति के लिए उपाय

- नियमित रूप से 16 दिन तक गौ माता को घी मिली आटे की लोइयां बनाकर खिलाएं और उनकी पूजा और सेवा करें। हो सके तो हरा चारा खिलाएं।
- यदि उपरोक्त कार्य नहीं कर सकते हो तो श्राद्ध पक्ष में जब भी मंगलवार आए तो उस दिन हनुमान मंदिर जाकर के बजरंगबली को चोला चढ़ाएं और उनसे पितरों की मुक्ति एवं शांति की कामना करें।
- पंचबली कर्म – इसके अलावा आप चाहें तो पंचबलि कर्म भी कर सकते हो। किसी भी श्राद्ध तिथि में पंचबलि कर्म अर्थात गाय, कौवे, कुत्ते, चींटी और देवताओं को अन्न जल अर्पित करना चाहिए। ब्राह्मण भोज कराना चाहिए।

शुभ मुहूर्त

श्राद्धपक्ष में यदि आप पितरों के निमित्त, तर्पण, पिंडदान, पूजा आदि अनुष्ठान कर रहे हैं तो शास्त्रों के अनुसार कुतुप काल मुहूर्त में यह कर्म करें। शास्त्रों के अनुसार कुतुप, रोहिणी, मध्याह्न और अभिजीत काल में श्राद्ध करना चाहिए। यही श्राद्ध करने का सही समय है।

क्या है कुतुप काल

कुतुप काल दिन के 11.30 बजे से 12.30 के मध्य का समय होता है। वैसे कुतुप बेला दिन का आठवां मुहुर्त होता है। पाप का शमन करने के कारण इसे कुतुप कहा गया है।

इन 5 स्थानों पर रखें श्राद्ध का आहार

'श्राद्ध' शब्द 'श्रद्धा' से बना है यानी अपने पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करना। श्राद्ध न करने वाले दलील देते हैं कि जो मर गया है उसके निमित्त कुछ करने का औचित्य नहीं है। यह ठीक नहीं है, क्योंकि संकल्प से किए गए कर्म जीव चाहे जिस योनि में हो, उस तक पहुंचता है तथा वह तृप्त होता है। यहां तक कि ब्रह्मा से लेकर घास तक तृप्त होते हैं। श्राद्ध करने का अधिकार सर्वप्रथम पुत्र को है तथा क्रमशः पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र, दौहित्र, पत्नी, भाई, भतीजा, पिता, माता, पुत्रवधू, बहन, भानजा तथा सगौत्री कहे गए हैं। इनमें ज्यादा या सभी करें तो भी फल प्राप्ति सभी को होती है।

श्राद्ध में ब्राह्मण भोजन तथा पंचबलि कर्म किया जाता है। पंचबलि में गाय, कुत्ता और कौवा के साथ 5 स्थानों पर भोजन रखा जाता है। वे हैं–

पितृपक्ष दौरान जप तप और पितरों के नाम से तर्पण से प्रसन्न होते हैं पितर

सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष एक महत्वपूर्ण अवधि मानी जाती है। पितरों के प्रसन्न होने पर जीवन में सुख-समृद्धि आती है लेकिन इसके विपरीत पितरों के नाराज होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याएं घेर लेती हैं। ऐसे में जानते हैं कि पितृ दोष होने पर व्यक्ति को क्या संकेत मिलते हैं और इससे किस प्रकार मुक्ति पाई जा सकती है।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से पितृपक्ष की शुरुआत मानी जाती है, वहीं इसका समापन आश्विन माह की अमावस्या तिथि पर होता है। साल 2026 में पूर्णिमा का श्राद्ध (भाद्रपद पूर्णिमा श्राद्ध) 26 सितंबर शनिवार, 2026 को रखा जाएगा। इसी दिन से साल 2026 के पितृ पक्ष की औपचारिक शुरुआत होगी।

मिलते हैं ये संकेत

यदि आपके घर में पितृ दोष लग गया है तो व्यक्ति को कड़ी मेहनत के बाद भी सफलता हाथ नहीं लगती। पितृ दोष होने के कारण व्यक्ति की तरक्की भी रुक जाती है। साथ ही कारोबार में भी नुकसान होने लगता है। इतना ही नहीं एक के बाद एक दुर्घटनाएं होने लगती हैं। यह सभी संकेत पितृ दोष होने की तरफ इशारा करते हैं।

ऐसे पाएं मुक्ति

पितृदोष से मुक्ति के लिए पितृपक्ष की अवधि को सबसे उत्तम माना गया है। ऐसे में आपको पितृ दोष से मुक्ति के लिए पितृ पक्ष में उनका तर्पण, पिंडदान, और श्राद्ध कर्म जरूर करने चाहिए। इसके साथ ही पितरों के निमित्त भोजन और जल निकालें व पितरों का आह्वान कर, उन्हें ये सभी सामग्री अर्पित कर दें। इससे पितरों की नाराजगी दूर हो सकती है।

पितृ होंगे प्रसन्न

पितृ पक्ष में पीपल के पेड़ की पूजा जरूर करनी चाहिए। मान्यताओं के अनुसार, पीपल के वृक्ष में पितरों का वास होता है। ऐसे में पितृपक्ष के दौरान सूर्योदय से पहले उठकर स्नान आदि से निवृत हो जाएं। इसके बाद पीपल के पेड़ में जल अर्पित करें और सात बार परिक्रमा करें। साथ ही वृक्ष के नीचे काले तिल डालकर सरसों के तेल का दीपक जलाएं और पितरों का स्मरण करें। इस उपाय से पितृ प्रसन्न होते हैं।

इस दिशा में जलाएं दीपक

पितृपक्ष के दौरान आपको पितरों के नाम का दीया जरूर जलाना चाहिए। पौराणिक मान्यता के अनुसार, दक्षिण दिशा पितरों की दिशा मानी जाती है। ऐसे में पितृपक्ष में रोजाना इस दिशा में पितरों के नाम का दीपक जरूर जलाएं। साथ ही पितृ दोष से मुक्ति के लिए जल में काले तिल डालकर दक्षिण दिशा की ओर अर्घ्य देना चाहिए।

16 दिनों में न भूलें ये बातें, पितरों का करें सम्मान

श्राद्ध पक्ष में पितरों के निमित्त घर में क्या कर्म करना चाहिए। यह जिज्ञासा सहजतावश अनेक व्यक्तियों में रहती है। यदि हम किसी भी तीर्थ स्थान, किसी भी पवित्र नदी, किसी भी पवित्र संगम पर नहीं जा पा रहे हैं तो निम्नांकित सरल एवं संक्षिप्त कर्म घर पर ही अवश्य कर लें :

- प्रतिदिन खीर (अर्थात दूध में पकाए हुए चावल में शक्कर एवं सुगंधित द्रव्य जैसे इलायची, केसर मिलाकर तैयार की गई सामग्री को खीर कहते हैं) बनाकर तैयार कर लें।
- गाय के गोबर के कंडे को जलाकर पूर्ण प्रज्वलित कर लें।
- उक्त प्रज्वलित कंडे को शुद्ध स्थान में किसी बर्तन में रखकर, खीर से तीन आहुति दे दें।
- इसके नजदीक (पास में ही) जल का भरा हुआ एक गिलास रख दें अथवा लोटा रख दें।
- इस द्रव्य को अगले दिन किसी वृक्ष की जड़ में डाल दें।
- भोजन में से सर्वप्रथम गाय, काले कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालकर उन्हें खिला दें। इसके पश्चात ब्राह्मण को भोजन कराएं फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें। पश्चात ब्राह्मणों को यथायोग्य दक्षिणा दें।

या हैं श्राद्धकर्ता व श्राद्धभोक्ता के लिए शास्त्र के निर्देश

श्राद्ध पक्ष में सभी सनातनधर्मी अपने पितरों के निमि श्राद्धकर्म करते हैं। सनातन धर्म के सभी अनुयायियों को अपने पितरों के निमि श्राद्ध अवश्य करना चाहिए। श्राद्ध के दो मुय अंग हैं– 1. पिण्डान 2. ब्राह्मण भोजन। हमारे शास्त्रों में श्राद्ध करने वाले (श्राद्धकर्ता) और श्राद्ध में भोजन करने वाले ब्राह्मण (श्राद्धभोक्ता) के लिए कुछ नियम निर्धारित किए हैं। आइए जानते हैं या हैं वे नियम

श्राद्ध कर्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धकर्ता को श्राद्ध वाले दिन निन नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए–

- पूर्णरूपेण सात्विक मनोदशा रखें।
- पान इत्यादि भक्षण ना करें।
- तेल मालिश, दाढ़ी, केशकर्तन इत्यादि ना कराए।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- किसी दूसरे के घर अथवा बाहर भोजन ना करें।

श्राद्धभोक्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धभोक्ता को श्राद्ध वाले दिन निम्न नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए–

- श्राद्धभोज करने के उपरांत उसी दिन दूसरे घर में दोबारा श्राद्धभोजन ना करें।
- लम्बी यात्रा ना करें।
- श्राद्धभोज वाले दिन दान ना दें।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- भोजन करते समय मौन रहकर भोजन करें।

श्राद्ध किस जगह करें और किस जगह नहीं करें

भाद्रपद की पूर्णिमा से अश्विन माह की अमावस्य तक श्राद्ध पक्ष चलता है जिसे पितृपक्ष भी कहते हैं। यदि आप इस दौरान अपने पितरों का श्राद्ध, तर्पण या पिंडदान करने जा रहे हैं तो यह भी जान लें कि शास्त्रों के अनुसार किस जगह श्राद्ध करना चाहिए और किस जगह पर नहीं। यदि अनुचित जगह पर श्राद्ध किया तो उसका फल नहीं मिलता है।

पितृपक्ष में कहां श्राद्ध करना चाहिए?

- **घर पर** : श्राद्ध आप अपने घर में भी कर सकते हैं। दक्षिण में मुख करके श्राद्ध किया जाता है।
- **तट पर** : किसी पवित्र नदी, नदी संगम, समुद्र में गिरने वाली नदियों के तट पर उचित समय में विधि–विधान से श्राद्ध किया जा सकता है।
- **बरगद के नीचे** : पवित्र वट–वृक्ष के नीचे भी श्राद्ध कर्म किया जा सकता है।
- **तीर्थ क्षेत्र** : शास्त्रों में उल्लेखित किसी तीर्थ क्षेत्र में भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **समुद्र तट पर** : समुद्र के तट पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **गोशाला** : जहां बैल न हों ऐसी गौशाला में भी उचित स्थान को गोबर से लिपकर शुद्ध करके श्राद्ध किया जा सकता है।
- **पर्वत पर** : पवित्र पर्वत शिखर पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **जंगल में** : वनों में उचित स्थान, स्वच्छ और मनोहर भूमि पर भी विधिपूर्वक श्राद्ध किया जा सकता है।

पितृपक्ष में कहां पर श्राद्ध नहीं करना चाहिए?

- **दूसरों की भूमि पर** : किसी की पर्सनल भूमि पर श्राद्ध नहीं करते हैं। भूमि सार्वजनिक होना चाहिए। अगर दूसरे के गृह या भूमि पर श्राद्ध करना पड़े तो किराया या दक्षिणा भूस्वामी को दे देना चाहिए।
- **अपवित्र भूमि** : किसी भी प्रकार से अपवित्र हो रही भूमि पर भी श्राद्ध नहीं करते हैं।
- **शमशान में** : किसी ऐसे शमशान में श्राद्ध नहीं कर सकते हैं जिसे तीर्थ नहीं माना जाता।
- **देव स्थान पर** : किसी मंदिर के अंदर या देवस्थान पर भी श्राद्ध कर्म नहीं करना चाहिए। इसके लिए पंडित से सलाह लें।

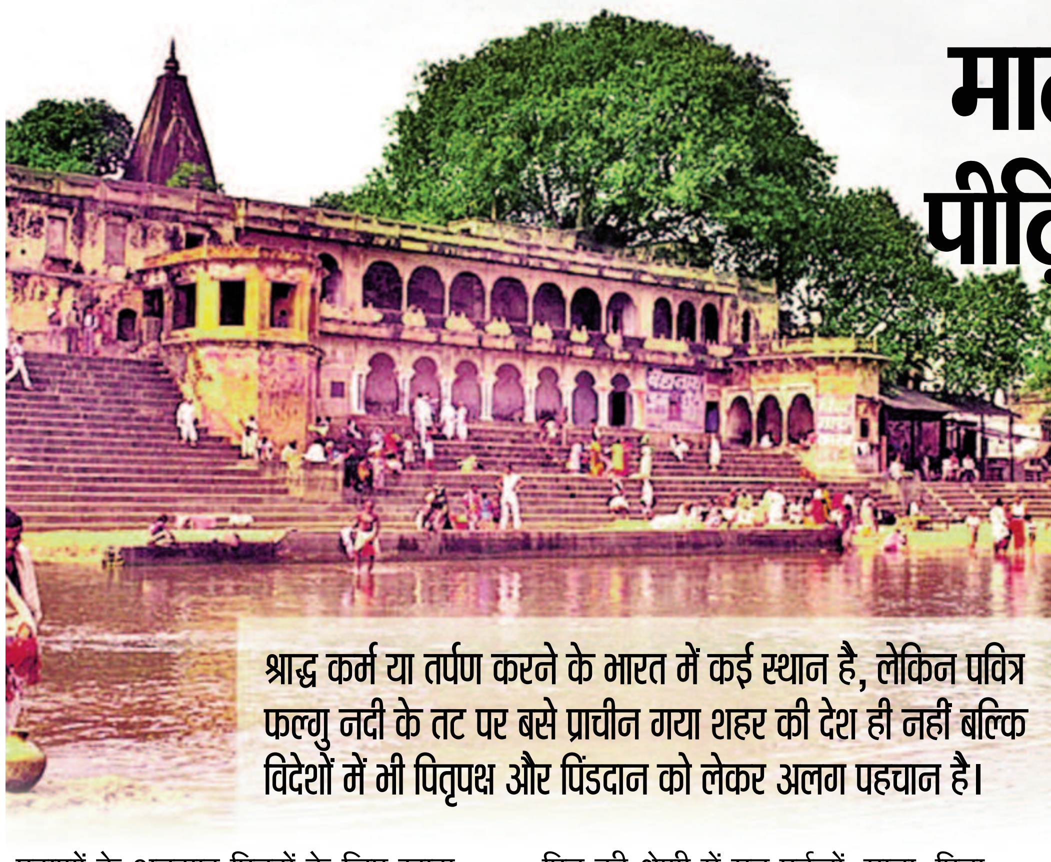

माता-पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार करता है गयाजी में पिंडदान

पुराणों के अनुसार पितरों के लिए खास आश्विन माह के कृष्ण पक्ष या पितृपक्ष में मोक्षधाम गयाजी आकर पिंडदान एवं तर्पण करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और माता–पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार होता है।

पितृ की श्रेणी में मृत पूर्वजों, माता, पिता, दादा, दादी, नाना, नानीसहित सभी पूर्वज शामिल होते हैं। व्यापक दृष्टि से मृत गुरू और आचार्य भी पितृ की श्रेणी में आते हैं। कहा जाता है कि गया में पहले विभिन्न नामों के 360 वेदियां थीं जहां पिंडदान किया जाता था। इनमें से अब 48 ही बची है। यहां की वेदियों में विष्णुपद मंदिर, फल्गु नदी के किनारे और अक्षयवट पर पिंडदान करना जरूरी माना जाता है। इसके अतिरिक्त वैतरणी, प्रेतशिला, सीताकुंड, नागकुंड, पांडुशिला, रामशिला, मंगलागौरी, कागबलि आदि भी पिंडदान के लिए प्रमुख है। यही कारण है कि देश में श्राद्ध के लिए 55 स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है जिसमें बिहार के गया का स्थान सर्वोपरि है। आओ जानते हैं इसके 5 कारण।

- गयासुर नामक असुर ने कठिन तपस्या कर ब्रह्माजी से वरदान मांगा था कि उसका शरीर देवताओं की तरह पवित्र हो जाए और लोग उसके दर्शन मात्र से पापमुक्त हो जाएं। इस वरदान के चलते लोग भयमुक्त होकर पाप करने लगे और गयासुर के दर्शन करके फिर से पापमुक्त हो जाते थे। इससे बचने के लिए यज्ञ करने के लिए देवताओं ने गयासुर से पवित्र स्थान की मांग की। गयासुर ने अपना शरीर देवताओं को यज्ञ के लिए दे दिया। जब गयासुर लेटा तो उसका शरीर पांच कोस में फैल गया। यही पांच कोस जगह आगे चलकर गया बना।
- देह दान देने के बाद गयासुर के मन से लोगों को पाप मुक्त करने की इच्छा नहीं गई और फिर उसने देवताओं से वरदान मांगा कि यह स्थान लोगों को तारने वाला बना रहे। तब से ही यह स्थान मृतकों के लिए श्राद्ध कर्म कर मुक्ति का स्थान बन गया।
- कहते हैं कि गया वह आता है जिसे अपने पितरों को मुक्त करना होता है। लोग यहां अपने पितरों या मृतकों की आत्मा को हमेशा के लिए छोड़कर चले जाता है। मतलब यह कि प्रथा के अनुसार सबसे पहले किसी भी मृतक तो तीसरे वर्ष श्राद्ध में लिया जाता है और फिर बाद में उसे हमेशा के लिए जब गया छोड़ दिया जाता है तो फिर उसके नाम का श्राद्ध नहीं किया जाता है। कहते हैं कि गया में श्राद्ध करने के उपरांत अंतिम श्राद्ध बदरीका क्षेत्र के 'ब्रह्मकपाली' में किया जाता है।
- गया क्षेत्र में भगवान विष्णु पितृदेवता के रूप में विराजमान रहते हैं। भगवान विष्णु मुक्ति देने के लिए 'गदाधर' के रूप में गया में स्थित हैं। गयासुर के विशुद्ध देह में ब्रह्मा, जनार्दन, शिव तथा प्रपितामह स्थित हैं। अतः पिंडदान के लिए गया सबसे उत्तम स्थान है।
- पुराणों अनुसार ब्रह्मज्ञान, गयाश्राद्ध, गोशाला में मृत्यु तथा कुरुक्षेत्र में निवास– ये चारों मुक्ति के साधन हैं– गया में श्राद्ध करने से ब्रह्महत्या, सुरापान, स्वर्ण की चोरी, गुरुपत्नीगमन और उक्त संसर्ग–जनित सभी महापातक नष्ट हो जाते हैं।

भू-राजनीतिक घटनाक्रम, कच्चे तेल के दाम तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

घरेलू मोर्चे पर औद्योगिक उत्पादन और पीएमआई आंकड़े करेंगे प्रभावित

नई दिल्ली ।

आगामी सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए कम कारोबारी सत्रों वाला रहेगा, लेकिन निवेशकों की नजर वैश्विक और घरेलू दोनों मोर्चों पर महत्वपूर्ण घटनाक्रमों पर टिकी रहेगी। भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल बाजार की चाल को प्रभावित कर सकते हैं, जबकि घरेलू मोर्चे पर आर्थिक आंकड़े अहम रहेंगे। शुक्रवार, 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर शेयर बाजार में अवकाश रहेगा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका-ईरान के बीच संभावित राजनयिक वार्ता और होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों पर सीधा असर डालेगी। ऊर्जा कीमतों में गिरावट भारत के आयात बिल को कम कर सकती है और रुपये को सहारा दे सकती है, जबकि तनाव बढ़ने से बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है। बाजार के विशेषज्ञों के अनुसार, ब्रेंट कच्चे तेल का 105-106 डॉलर प्रति बैरल पर बने रहना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भी भी चिंता का विषय है, इसलिए इस मोर्चे पर कोई भी राहत बाजार के लिए सकारात्मक होगी। वैश्विक स्तर पर, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के हालिया नीतिगत फैसलों के बाद वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल की चाल भी निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होगी। प्रतिफल में वृद्धि और डॉलर की मजबूती उभरते बाजारों से पूंजी निकासी का कारण बन सकती है, जिससे भारतीय बाजार पर भी दबाव बढ़ेगा।

विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां और रुपये की डॉलर के मुकाबले चाल पर भी पैनी नजर रहेगी, क्योंकि कच्चे तेल के आयात के लिए डॉलर की मांग रुपये पर दबाव बना सकती है। घरेलू मोर्चे पर, अगस्त के औद्योगिक उत्पादनके आंकड़े और एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई बाजार को नई दिशा देंगे। इसके अतिरिक्त, मासिक वाहन बिक्री के आंकड़े और केंद्र सरकार के राजकोषीय घाटे पर भी निवेशकों की निगाहें रहेंगी।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी उपभोक्ता भरोसा और यूरो क्षेत्र की सितंबर मुद्रास्फीति के आंकड़े भी ब्याज दर को लेकर वैश्विक धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। कुल मिलाकर यह सप्ताह कई महत्वपूर्ण आर्थिक और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों से भरा रहेगा, जिससे बाजार में सावधानी और उतार-चढ़ाव दोनों देखने को मिल सकते हैं।

महिंद्रा एसयूवी फिर हो सकती है महंगी

- जिंसों की कीमतों में उछाल के कारण अगले दो सप्ताह में हो सकता है फैसला

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख वाहन निर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) अपने एसयूवी ग्राहकों को एक बार फिर झटका दे सकती है। कंपनी ने जिंसों की बढ़ती लागत के मद्देनजर अपने स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) की कीमतों में एक और वृद्धि करने का संकेत दिया है। अगले दो सप्ताह में इस पर अंतिम फैसला होने की उम्मीद है। महिंद्रा ऑटोमोटिव के एक अे धिकारी ने बताया कि इस साल कंपनी पहले ही जनवरी, अप्रैल और जुलाई में तीन बार कीमतें बढ़ा चुकी है। जुलाई में एसयूवी की कीमतों में लगभग 2.7 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। हालांकि पिछली बढ़ोतरीयों का ग्राहकों की पूछताछ या बुकिंग पर कोई खास असर नहीं पड़ा है, क्योंकि वाहन अभी भी जीएसटी कटौती से पहले की तुलना में कम कीमत पर उपलब्ध हैं, जिससे बाजार में मांग मजबूत बनी हुई है। त्योहारी सीजन में भी बेहतर मांग की उम्मीद है। कंपनी अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने की भी योजना बना रही है। वर्तमान में 60,000 पारंपरिक और 8,000 इलेक्ट्रिक वाहन प्रति माह की क्षमता है, जिसे मार्च-अप्रैल तक बढ़ाकर क्रमशः 70,000 और 12,000 यूनिट किया जाएगा। अे धिकारी ने यह भी बताया कि कंपनी का मुख्य ध्यान इलेक्ट्रिक वाहनों पर है और अगले छह महीनों में कई अपडेटेड और दो नए मॉडल बाजार में उतारे जाएंगे।

फुजियामा मप्र के रतलाम में 1.2 गीगावाट सौर सेल संयंत्र लगाएगी

कंपनी 350-400 करोड़ रुपये का करेगी निवेश

नई दिल्ली ।

सौर ऊर्जा समाधान प्रदाता फुजियामा पावर सिस्टम्स मध्य प्रदेश के रतलाम में 1.2 गीगावाट क्षमता का एक अत्याधुनिक सौर सेल विनिर्माण संयंत्र स्थापित कर रही है। लगभग 350 से 400 करोड़ रुपये के निवेश से बन रहा यह संयंत्र कंपनी की 2030 तक एक एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी बनने की महत्वाकांक्षी योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। फुजियामा पावर सिस्टम्स के एक अे धिकारी ने बताया कि प्रस्तावित नई परियोजना में उन्नत टॉपकॉन प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाएगा, जो पारंपरिक पीईआरसी तकनीक की तुलना में अधिक कुशल है। उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष के अंत तक यहां सौर सेल का उत्पादन शुरू हो जाएगा। इस संयंत्र के शुरू होने के बाद, फुजियामा की कुल सौर सेल विनिर्माण क्षमता बढ़कर 2.3 गीगावाट हो जाएगी। वर्तमान में कंपनी उत्तर प्रदेश के दादरी में 1.1 गीगावाट क्षमता का सेल संयंत्र संचालित करती है। कंपनी की 2030 की रूपरेखा में आगे चलकर इंगट और वेफर विनिर्माण इकाइयों की स्थापना भी शामिल है। इसका उद्देश्य सौर मॉड्यूल निर्माण के लिए आवश्यक कच्चे माल की लागत कम करना और घरेलू आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना है। फुजियामा की कुल सौर मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता 3.6 गीगीवाट है। यह विस्तार सरकार की मॉडल और विनिर्माताओं की अनुमोदित सूची पहल के अनुरूप भी है, जो घरेलू विनिर्माण और उपकरणों की गुणवत्ता को बढ़ावा देती है।

पेट्रोनेट के निदेशकों को पांच साल और मिलेगा मुनाफे में एक फीसदी कमीशन

व्यवस्था 2026-27 से 2030-31 तक जारी रहेगी

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी गैस आयातक कंपनी पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड ने अपने निदेशकों को मुनाफे के आधार पर कमीशन देने की मौजूदा व्यवस्था को वित्त वर्ष 2026-27 से अगले पांच साल (2030-31 तक) जारी रखने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगी है। कंपनी के आगामी आम बैठक के नोटिस के अनुसार यह प्रस्ताव 2026-27 से 2030-31 तक प्रभावी रहेगा। इसके तहत निदेशकों को सालाना मुनाफे का अधिकतम एक प्रतिशत कमीशन दिया जा सकेगा, जिसका वितरण निदेशक मंडल तय करेगा। यह व्यवस्था सितंबर 2021 में मंजूर हुई पिछली योजना का विस्तार है, जिसे 2007 से ही कई बार मंजूरी मिलती रही है। कंपनी ने अपनी मजबूत वित्तीय स्थिति को इस व्यवस्था को जारी रखने का आधार बताया है। उसने स्पष्ट किया कि वास्तविक रूप से दिया गया कमीशन वैधानिक सीमा से काफी कम रहा है और कंपनी अधिनियम 2013 में निर्धारित कुल सीमा के भीतर है। वित्त वर्ष 2025-26 में प्रबंध निदेशक को 26.5 लाख रुपये और स्वतंत्र निदेशकों को 10 लाख रुपये का कमीशन मिला था। वित्त वर्ष 2025-26 में पेट्रोनेट एलएनजी का मुनाफा 3,843 करोड़ रुपये था। उल्लेखनीय है कि इंडियन ऑयल, गेल, ओएनजीसी और बीपीसीएल जैसे सार्वजनिक उपक्रमों की बड़ी हिस्सेदारी होने के बावजूद, पेट्रोनेट एक निजी कंपनी के रूप में पंजीकृत है। इस कारण यह सीवीसी, कैग और आरटीआई के दायरे में नहीं आती, और इसके कार्यकारियों को अन्य पीएसयू की तुलना में अधिक वेतन तथा 65 वर्ष की सेवानिवृत्ति आयु मिलती है।

त्योहारी सीजन से पहले महंगा होगा इलेक्ट्रॉनिक्स, 8 फीसदी तक बढ़ेंगे दाम

कच्चे माल की बढ़ती लागत और ढुलाई शुल्क बना वजह

नई दिल्ली । त्योहारी सीजन शुरू होने से ठीक पहले उपभोक्ताओं को महंगाई का एक और झटका लगने वाला है। एयर कंडीशनर (एसी), एलईडी टीवी, वॉशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामानों के दाम 3 से 8 फीसदी तक बढ़ेंगे। कंपनियों ने कच्चे माल और माल ढुलाई की बढ़ती लागत को इसकी मुख्य वजह बताया है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार यह इस साल तीसरी बार होगा जब कई कंपनियां अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ाएंगी। एसी की कीमतों में 5 से 8 फीसदी की वृद्धि संभव है, जबकि वॉशिंग मशीन, फ्रिज और एलईडी टीवी 3 से 4 फीसदी तक महंगे हो सकते हैं। कुछ कंपनियां पहले ही दाम बढ़ा चुकी हैं। कंपनियों के मुताबिक, तांबा, एल्युमिनियम, स्टील, प्लास्टिक और कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों की कीमतों में भारी उछाल आया है। इसके साथ ही वैश्विक स्तर पर माल ढुलाई महंगी होने तथा विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव ने भी उत्पादन लागत बढ़ाई है। हायर इंडिया 1 अक्टूबर से एसी की कीमत में 5 फीसदी की वृद्धि कर सकता है। वही डाइकिन 16 सितंबर से ही 8-10 फीसदी की बढ़ोतरी कर चुका है। सुपर प्लास्ट्रॉनिक्स भी अक्टूबर के बाद टीवी की कीमतें 7 फीसदी तक बढ़ाएगा। त्योहारी सीजन, नवरात्रि से दिवाली तक, इलेक्ट्रॉनिक्स की सालाना बिक्री का 30-40 फीसदी हिस्सा होता है। ऐसे में कंपनियों के सामने कीमतों में बढ़ोतरी और उपभोक्ता मांग बनाए रखने की चुनौती है। हालांकि, बाजार में कुछ समय तक पुराने दाम पर खरीदा गया स्टॉक उपलब्ध रह सकता है, जिससे कुछ उत्पादों पर दिवाली तक राहत मिलने की उम्मीद है।

बैंक हड़ताल के तीन दिन एटीएम से फ्री ट्रांजेक्शन

- 28 से 30 सितंबर तक एटीएम ट्रांजेक्शन पर लगने वाला अतिरिक्त शुल्क माफ

नई दिल्ली देशभर में 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय बैंक हड़ताल से पहले ग्राहकों के लिए एक अहम राहत की खबर सामने आई है। सरकारी बैंकों ने हड़ताल के दौरान एटीएम से नकदी निकालने पर लगने वाले अतिरिक्त शुल्क को माफ करने का फैसला किया है। अब इन तीन दिनों में ग्राहक मुफ्त एटीएम ट्रांजेक्शन की निर्धारित सीमा से अधिक बार भी बिना किसी अतिरिक्त चार्ज के नकदी निकाल सकेंगे, जिससे हड़ताल के कारण होने वाली असुविधा कुछ कम होगी। सरकारी बैंकों का राहत भरा ऐलान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी), यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक जैसे प्रमुख सरकारी बैंकों ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस फैसले की घोषणा की है। उन्होंने अपने आधिकारिक पेजों पर पोस्ट कर ग्राहकों को सूचित किया है। इसका सीधा मतलब है कि ग्राहक अपनी बैंक के एटीएम के अलावा किसी अन्य बैंक के एटीएम से भी तय मुफ्त सीमा से अधिक बार नकदी निकालने पर अब अतिरिक्त शुल्क नहीं देंगे, जो सामान्य परिस्थितियों में वसूला जाता है। सामान्य एटीएम नियमों में मिली छूट सामान्य तौर पर भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार, ग्राहक अपने बैंक के एटीएम से हर महीने 5 बार मुफ्त ट्रांजेक्शन कर सकते हैं। वहीं, दूसरे बैंक के एटीएम ऱ्से बड़े शहरों में 3 बार और अन्य जगहों पर 5 बार तक मुफ्त निकासी की सुविधा होती है। इस सीमा से अधिक बार एटीएम इस्तेमाल करने पर बैंक अतिरिक्त शुल्क वसूलते हैं।

खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में कटौती का बड़ा असर, दाम में गिरावट

सरसों में सुधार जारी, मूंगफली-सोयाबीन-पाम समेत अधिकांश तेलों की कीमतें लुढ़कीं

नई दिल्ली

आगामी त्योहारों से पहले उपभोक्ताओं को राहत देते हुए बीते सप्ताह सरकार ने खाद्य तेलों पर आयात शुल्क घटाने का बड़ा फैसला लिया। इस कदम का व्यापक असर बाजार पर दिखा, जिससे अधिकांश प्रमुख तेल-तिलहनों की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। सरकार के शुल्क कटौती के बाद मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, पाम-पामोलीन और बिनौला की कीमतों में गिरावट देखी गई। हालांकि, सरसों तेल-तिलहन इस प्रवृत्ति से अछूता रहा। इसकी सीमित आवक और निरंतर मांग के चलते बीते सप्ताह इसके दामों में सुधार दर्ज हुआ, क्योंकि इसका कोई सीधा विकल्प बाजार में उपलब्ध नहीं है। सोयाबीन डीगम तेल में एक दिलचस्प स्थिति दिखी; गिरावट के बावजूद इसमें सुधार का आभास हुआ। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि शुल्क घटने के बाद आयातकों को इसे पहले के मुकाबले कम घाटे पर (लागत से 3-4 रुपये नीचे) बेचना पड़ रहा है, जबकि पूर्व में यह लागत से 10-11 रुपये नीचे बिक रहा था। इस स्थिति से संकेत मिलता है कि बैंकों का धन अभी भी नुकसान में है। उपलब्धता सुधारने और कीमतों पर नियंत्रण पाने के लिए सरकार ने सूरजमुखी तेल पर आयात शुल्क 16.5 फीसदी से घटाकर 5.5 फीसदी किया, जिससे प्रति किलो 14.80 रुपये की कमी आई। सोयाबीन डीगम और कच्चे पाम तेल (सीपीओ) पर भी शुल्क 16.5 फीसदी से घटाकर 11 फीसदी किया गया, जिससे क्रमशः 6.75 रुपये और 6.50 रुपये प्रति किलो की राहत मिली। सूरजमुखी पर भारी कमी के चलते मूंगफली तेल में भी गिरावट आई, जबकि बिनौला तेल नई फसल की आवक और शुल्क कटौती के दोहरे असर से नरम हुआ। बीते सप्ताह सरसों दाना 100 रुपये के सुधार के साथ 8,250-8,300 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल दादरी 250 रुपये के सुधार के साथ 16,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल क्रमशः 40-40 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,725-2,825 रुपये और 2,725-2,875 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 100-200 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 5,950-6,000 रुपये और 5,700-5,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,150 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 14,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सोयाबीन डीगम तेल 450 रुपये सुधार के साथ 12,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 175 रुपये की गिरावट के साथ 7,550-8,000 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 500 रुपये की गिरावट के साथ 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 525 रुपये की गिरावट के साथ 13,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 200 रुपये की गिरावट के साथ 15,500 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 300 रुपये की गिरावट के साथ 14,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

आयुष सेवा क्षेत्र 2047 तक 318 अरब डॉलर पहुंचने की संभावना- रिपोर्ट

वित्त वर्ष 25 में 37 अरब डॉलर योगदान का अनुमान

नई दिल्ली ।

आयुष सेवा क्षेत्र देश के सबसे तेजी से बढ़ते सेवा क्षेत्रों में शुमार हो गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में इसका आर्थिक योगदान लगभग 36.92 अरब अमेरिकी डॉलर रहने का अनुमान है, जो 2047 तक 216 से 318 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह क्षेत्र प्रत्यक्ष रूप से करीब 17.6 लाख लोगों को आजीविका प्रदान कर रहा है, जो इसकी बढ़ती महत्ता को दर्शाता है। रिसर्च एंड इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज (आरआईएस) की अध्ययन रिपोर्ट, जो नागपुर में 11वें आयुर्वेद दिवस पर जारी की गई, बताती है कि वित्त वर्ष 2022-23 के बाद से आयुष क्षेत्र सालाना 16.91 प्रतिशत की प्रभावशाली दर से बढ़ रहा है। केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि ये निष्कर्ष आयुष क्षेत्र की बढ़ती आर्थिक क्षमता को दर्शाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आयुष अब केवल सांस्कृतिक विरासत नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य, वेलनेस, रोजगार और वैश्विक आर्थिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला एक तेजी से विकसित होता क्षेत्र बन गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2024-25 में चिकित्सा मूल्य यात्रा (एमवीटी) से भी लगभग 1.77 अरब डॉलर का राजस्व अर्जित किया गया। आरआईएस के एक अे धिकारी ने बताया कि यह अध्ययन सभी छह आयुष प्रणालियों से जुड़े 15,914 प्रतिष्ठानों के सर्वेक्षण पर आधारित था। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र अब अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण और ज्ञान-आधारित सेवा क्षेत्र बन चुका है। आयुष की विभिन्न

प्रणालियों में, आयुर्वेद सबसे बड़ा योगदानकर्ता रहा, जिसने 2024-25 में कुल आयुष राजस्व का लगभग 48 प्रतिशत का योगदान दिया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आयुष कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 43 प्रतिशत है।

टाटा मोटर्स पीवी को घरेलू बाजार में अपनी हिस्सेदारी 15 फीसदी पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स को घरेलू बाजार में अपनी हिस्सेदारी जल्द 15 प्रतिशत के पार पहुंचने की उम्मीद है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2030-31 तक 20 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल करने का लक्ष्य भी रखा है, जो उसकी आक्रामक विस्तार योजना का हिस्सा है। कंपनी के एक अे धिकारी ने बताया कि यात्री वाहन कारोबार पिछले एक साल में करीब 40 प्रतिशत बढ़ा है। सितंबर अंत तक कंपनी की कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत से अधिक रहने की उम्मीद है। अे धिकारी के अनुसार कंपनी दोहरे अंक में वृद्धि के साथ-साथ टिकाऊ और शून्य-उत्सर्जन वाले पावरट्रेन में अग्रणी बनने पर केंद्रित है। 20 प्रतिशत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए, कंपनी नए वाहन खंडों में प्रवेश करेगी, मौजूदा उत्पादों में तेजी से बदलाव करेगी और ग्राहकों के लिए नए विकल्प पेश करेगी। उन्होंने कहा कि टाटा मोटर्स बदलते आय वर्ग और ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप उत्पाद पेश करने पर जोर देगी, विशेषकर इलेक्ट्रिक और सीएनजी जैसे तेजी से बढ़ते पावरट्रेन सेगमेंट में। कंपनी भविष्य में बहु-उद्देश्यीय वाहन और कुछ नए लाइफस्टाइल एसयूवी खंडों में भी प्रवेश कर सकती है।

एसबीआई का लक्ष्य 2030 तक 200 लाख करोड़ का कारोबार

डिजिटल फर्स्ट, कस्टमर फर्स्ट, नेशन ऑलवेज विजन, ग्राहकों की सुरक्षा पर जोर

नई दिल्ली ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बैंक की वृद्धि यात्रा का मूल मंत्र डिजिटल फर्स्ट, कस्टमर फर्स्ट, नेशन ऑलवेज बताते हुए कहा कि बैंक का लक्ष्य 2030 तक अपना कुल कारोबार दोगुना कर 200 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। उन्होंने डिजिटल प्रौद्योगिकी के विस्तार के साथ ग्राहकों के हितों की रक्षा और देश की अर्थव्यवस्था में भूमिका को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में, बैंक ने पूंजी आधार मजबूत करने, वित्तीय क्षेत्र में अपनी भूमिका गहरी करने और डिजिटल-ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग व्यवस्था विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने अपने कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों में पूंजी जुटाना, एसबीआई म्यूचुअल फंड की सूचीबद्धता और यस बैंक मामले में रणनीतिक भूमिका को गिनाया। उन्होंने कहा कि एसबीआई के लिए डिजिटल बदलाव केवल प्रौद्योगिकी अपनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्राहकों की सुरक्षा, वित्तीय साक्षरता और डिजिटल जागरूकता भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने जोर दिया कि बैंकिंग को लेन-देन से परे ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक संबंध और बेहतर आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने पर केंद्रित होना चाहिए। एसबीआई पिछले सात दशकों से देश की वास्तविक अर्थव्यवस्था को समर्थन दे रहा है और पारंपरिक संबंध-आधारित बैंकिंग को डिजिटल नवोन्मेषण से जोड़कर यह यात्रा जारी रखेगा। शेट्टी ने अनुमान जताया कि 2030 तक बैंक का कुल कारोबार 200 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जबकि जून 2026 के अंत तक यह 110.01 लाख करोड़ रुपये रहा था। हालांकि, बैंक ने अपनी प्लैटिनम जुबली के लिए कोई औपचारिक लक्ष्य निर्धारित नहीं किया है।

अमेजन-फ्लिपकार्ट-जियोमार्ट को लगा झटका, हर्बीसाइड बेचने पर 10-10 लाख का जुर्माना

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण की कार्रवाई

नई दिल्ली । केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स दिग्गज कंपनी अमेजन, फ्लिपकार्ट और जियोमार्ट पर बड़ी कार्रवाई कर दी है। इन तीनों प्लेटफॉर्म को बिना पंजीकरण वाले कृषि-रसायन साइक्लोसिनोन हर्बीसाइड को बेचने और विज्ञापित करने के आरोप में भारी जुर्माना ठोका गया है। अमेजन और फ्लिपकार्ट पर 10-10 लाख, जबकि जियोमार्ट पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, जिससे ऑनलाइन खरीदारों के बीच हड़कंप मचा है। सीसीपीए के आदेश रिकॉर्ड के मुताबिक, अमेजन पर 16 सितंबर 2026 को, जबकि फ्लिपकार्ट और जियोमार्ट पर 22 सितंबर 2026 को यह आदेश जारी किया है।सीसीपीए ने यह कार्रवाई तब की गई जब जांच में सामने आया कि ये प्लेटफॉर्म साइक्लोसिनोन हर्बीसाइड नाम के उत्पाद की बिक्री कर रहे थे, जिसमें सक्रिय रासायनिक तत्व और उसकी सामग्री की विस्तृत जानकारी नहीं थी। केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने सीसीपीए को सूचित किया कि साइक्लोसिनोन नामक कोई रसायन कीटनाशक अधिनियम, 1968 की अनुसूची में शामिल नहीं है। इस स्थिति ने इस रसायन के विपणन और बिक्री के लिए आवश्यक जांच और अनुमोदन प्रक्रियाओं पर गंभीर सवाल खड़े किए। पूरे मामले की शुरुआत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्राप्त शिकायत से हुई थी, जो क्रॉप केयर फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से आई थी। जांच में साफ हुआ कि कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों जैसे कृषि-रसायनों की बिक्री और उपयोग के लिए देश में सख्त कानूनी नियम हैं, जिनका इन ऑनलाइन लिस्टिंग में पालन नहीं हुआ। सीसीपीए ने अपनी जांच में पाया कि साइक्लोसिनोन हर्बीसाइड की ऑनलाइन लिस्टिंग में अनिवार्य जानकारी का अभाव था, जो उपभोक्ता सुरक्षा और नियामक मानदंडों का उल्लंघन है।सीसीपीए के आदेश में विशेष रूप से अमेजन के डेटा का उल्लेख किया है, जिसके अनुसार प्लेटफॉर्म पर अब तक साइक्लोसिनोन हर्बीसाइड के 38,410 ऑर्डर हुए थे और कुल 43,634 इकाइयाँ बेची गईं, जिनकी कुल बिक्री कीमत 96.42 लाख रुपये थी।

इस सप्ताह 7 कंपनियों के शेयर होंगे एक्स-डिविडेंड, शेयरधारकों को तगड़ा लाभांश

आर सिस्टम्स इंटरनेशनल 8 रुपए प्रति शेयर के साथ सबसे आगे

नई दिल्ली । शेयर बाजार में निवेशकों के लिए इस सप्ताह एक अच्छी खबर है, क्योंकि कुल सात कंपनियां अपने शेयरधारकों को लाभांश (डिविडेंड) देने जा रही हैं। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, इन कंपनियों के शेयर 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच एक्स-डिविडेंड होंगे, जिसका अर्थ है कि इन तारीखों के बाद शेयर खरीदने वालों को घोषित लाभांश का लाभ नहीं मिलेगा। यह लाभांश शेयरधारकों के लिए आय का एक अतिरिक्त स्रोत बनेगा। इन कंपनियों में स्टील, गैस, आईटी सर्विसेज, टेक्सटाइल और वित्तीय सेवा क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। प्रति शेयर डिविडेंड के लिहाज से आर सिस्टम्स इंटरनेशनल सबसे आगे है, जो 8 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश देगी। आगामी सप्ताह की शुरुआत 29 सितंबर को लियो ड्रायफ्रूट्स ऐंड स्पाइसेज ट्रेडिंग लिमिटेड के साथ होगी। इस कंपनी के शेयर शुक्रवार को एक्स-डिविडेंड होंगे। कंपनी ने 0.50 रुपए प्रति शेयर के अंतिम लाभांश की घोषणा की है, और इसकी रिकॉर्ड डेट भी 29 सितंबर तय की गई है। शनिवार, 30 सितंबर को दो कंपनियों के शेयर एक्स-डिविडेंड होंगे। इनमें सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) शामिल है, जो अपने शेयरधारकों को 2.35 रुपए प्रति शेयर का अंतिम लाभांश देगी। सेल की रिकॉर्ड डेट भी 30 सितंबर है। इसी दिन सरस्वती साड़ी डिपो लिमिटेड के शेयर भी एक्स-डिविडेंड होंगे। इस कंपनी ने 3 रुपए प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश की घोषणा की है, जिसकी रिकॉर्ड डेट 30 सितंबर निर्धारित है। अगले सप्ताह का सबसे महत्वपूर्ण दिन 1 अक्टूबर होगा, क्योंकि इस दिन चार कंपनियों के शेयर एक्स-डिविडेंड होंगे। इनमें गोयनका बिजनेस ऐंड फाइनेंस लिमिटेड, इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल), आर सिस्टम्स इंटरनेशनल लिमिटेड और सैनिक फाइनेंस ऐंड इंडस्ट्रीस लिमिटेड शामिल हैं। गोयनका बिजनेस ऐंड फाइनेंस 0.50 रुपए प्रति शेयर का अंतिम लाभांश देगी, हालांकि इसकी रिकॉर्ड डेट 2 अक्टूबर है।

कार्स24 भारत में आईपीओ की तैयारी में, रिवर्स फ्लिप होगा निर्णायक कदम

सिंगापुर से भारतीय पंजीकरण प्रक्रिया पूरी होने के बाद अगले साल तक दाखिल होंगे दस्तावेज

नई दिल्ली ।

पुरानी कारों की ऑनलाइन बिक्री का अग्रणी मंच कार्स24, भारतीय शेयर बाजार में अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लाने की दिशा में अग्रसर है। कंपनी अपनी मुख्य कॉरपोरेट संरचना को सिंगापुर से भारत स्थानांतरित करने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया रिवर्स फ्लिप पूरी होने के बाद अगले साल अप्रैल तक आईपीओ के लिए मसौदा दस्तावेज (डीआरएचपी) दाखिल करने की पात्र हो सकती है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार, कार्स24 को सिंगापुर से 'रिवर्स फ्लिप' के लिए मंजूरी मिल चुकी है और अब भारत में आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। इस प्रक्रिया में करीब छह से नौ महीने लगने का अनुमान है, जिससे यह अगले साल अप्रैल तक पूरी हो सकती है। इसके बाद कंपनी भारत में आईपीओ दस्तावेज दाखिल करेगी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी, कीमत निर्धारण और बुक-बिल्डिंग जैसी प्रक्रियाओं में तीन से चार महीने और लग सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आईपीओ का प्राथमिक उद्देश्य तत्काल नकदी जुटाना नहीं है, क्योंकि कंपनी के पास पर्याप्त पूंजी है (पिछला मूल्यांकन 2022 में 3.3 अरब डॉलर था)। मुख्य लक्ष्य भारत में छोटे शहरों तक पहुंच बढ़ाकर 25 से 200 शहरों तक विस्तार करना और कारोबार को 50,000 कारों तक बढ़ाना है।

साथ ही, यह खाड़ी क्षेत्र और ऑस्ट्रेलिया जैसे नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विस्तार के लिए पूंजी तैयार करेगा। आईपीओ मौजूदा शेयरधारकों और कर्मचारियों को तरलता प्रदान करने तथा कंपनी के संचालन को वैध ठहराने का भी एक माध्यम होगा।

संक्षिप्त समाचार

एशियन गेम्स

भारतीय फैंस को झटका, शटलर आयुष शेट्टी का 'मेंस सिंगल्स' में सफर समाप्त

इचिनोमिया सिटी। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय शटलर आयुष शेट्टी का सफर 'मेंस सिंगल्स' के तीसरे राउंड में समाप्त हो गया। शनिवार को एक कड़े मुकाबले में उन्हें चीनी ताइपे के टिएन-चेन चाउ के हाथों 16-21, 21-19, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। आयुष ने कजाकिस्तान के मखसुत ताजीबुल्लायेव को 21-7, 21-7 से मात देकर तीसरे राउंड में जगह बनाई थी। वह चाउ से पहला गेम हारने के बाद वापसी करने में कामयाब रहे थे। टिएन-चेन चाउ के खिलाफ आयुष को यह हार तब मिली, जब उन्होंने दूसरे राउंड में ताजीबुल्लायेव को हराने में सिर्फ 21 मिनट लिए थे। वर्ल्ड नंबर 20 भारतीय खिलाड़ी ने

शुरू से ही उस मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा और अपने प्रतिद्वंद्वी को लय हासिल करने का कोई मौका नहीं दिया था।

वहीं, उन्नति हुड्डा ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ कड़े मुकाबले में जीत हासिल की और विमेंस सिंगल्स के 'राउंड ऑफ 16' में जगह बनाते हुए सिंगल्स इवेंट में भारत की उम्मीदों को जिंदा रखा है। 79 मिनट तक चले इस मुकाबले में उन्नति हुड्डा ने 21-14, 20-22, 21-19 से जीत हासिल की। वर्ल्ड नंबर 38 मलेशियाई खिलाड़ी के खिलाफ 25वीं रैंकिंग वाली भारतीय खिलाड़ी ने मजबूत शुरुआत करते हुए पहला गेम 21-14 से जीता। इसके बाद वोंग ने दूसरे गेम में बढ़त बनाई और आखिरी पलों में 22-20 से जीत हासिल करते हुए मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। आखिरी गेम में कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन उन्नति ने 20-18 पर दो मैच प्वाइंट्स हासिल कर लिए।

केवी नेशनल गेम्स में जयपुर की बेटियां बनी चैम्पियन

देहरादून को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराया

नई दिल्ली। गोलकीपर वृंदा टिंकर ने शानदार प्रदर्शन कर रोकी दो पेनल्टी जयपुर। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बीरपुर देहरादून में आयोजित 55वीं राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में जयपुर केन्द्रीय विद्यालय नम्बर 1 की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फुटबॉल अंडर-14 बालिका वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। यहां खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में केवी-1 जयपुर की

टीम ने मेजबान देहरादून को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से शिकस्त देकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। मुकाबले के दौरान दोनों टीमों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया और निर्धारित समय के साथ-साथ अतिरिक्त समय में भी कोई टीम बढ़त हासिल नहीं कर सकी। फाइनल मुकाबला शुरू से ही रोमांच और संघर्ष से भरपूर रहा। दोनों टीमों की खिलाड़ियों ने गोल करने के लिए कई प्रयास किए, लेकिन मजबूत रक्षापंक्ति और गोलकीपिंग के कारण निर्धारित समय तक स्कोर बराबर रहा। अतिरिक्त समय में भी स्थिति नहीं बदली। इसके बाद विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से किया गया, जहां जयपुर की टीम ने शानदार संयम और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए बाजी मार ली। जयपुर की जीत में गोलकीपर वृंदा टिंकर की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही।

स्क्वाश में भारत को मिले तीन पदक

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारत का स्क्वाश में अभियान समाप्त हो गया है। भारत को इस स्पर्धा में कुल पदक मिले। जोशना चिनप्पा और सेंथुलकुमार वेलावन की मिश्रित युगल जोड़ी ने शनिवार को कांस्य पदक जीते थे। वहीं, अभय सिंह और अनाहत सिंह ने अपने-अपने एकल मुकाबले में देश को रजत पदक दिलाए। पुरुष एकल में अभय और महिला एकल के फाइनल में अनाहत को हार मिली और इन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

स्वर्ण से चूके

अभय और अनाहत

अभय सिंह को पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में मलयेशिया के ऐन योउ एंग के हाथों हार मिली। विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर काबिज अभय 18वीं रैंकिंग वाले योउ को चुनौती नहीं दे सके। पिछली बार के चैंपियन मलयेशियाई खिलाड़ी ने 11-9, 11-5, 11-5 से जीत दर्ज की। यह मलयेशियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अभय की आठवीं हार थी। इस स्पर्धा में बेस्ट ऑफ-5 होता है। यानी तीन गेम जीतने वाला खिलाड़ी मैच जीतता है। स्क्वाश में महिला एकल की फाइनल में अनाहत सिंह को मलयेशिया की सिवासंगारी सुब्रमणयम से 3-0 से हार मिली। सिवासंगारी ने 11-4, 11-4, 11-7 से मैच जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सिवासंगारी की विश्व रैंकिंग पांच है। वह पिछले एशियन गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट हैं। अनाहत के खिलाफ सिवासंगारी ने लगातार तीसरा मैच जीता है।

शॉट पुट में तेजिंदरपाल सिंह तूर ने भारत को दिलाया सिल्वर

नागोया। दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन तेजिंदरपाल सिंह तूर लगातार तीसरी बार एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल से चूक गए। शनिवार को नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में पुरुषों के शॉट पुट फाइनल में उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा, जबकि ईरान के मोहम्मदरेजा तयेबी ने गेम्स रिकॉर्ड के साथ पहला स्थान हासिल किया। 2018 जकार्ता और 2022 हांग्जो एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाले तूर ने शनिवार को 20.06 मीटर के थ्रो के साथ मजबूत शुरुआत की और अपने दूसरे प्रयास में 20.26 मीटर का थ्रो करके मेडल की दौड़ में बने रहे। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी अपनी लय पाने के लिए संघर्ष करते दिखे; उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में 19.77 मीटर और चौथे प्रयास में 19.71 मीटर का थ्रो किया। तूर ने अपने पांचवें थ्रो में 20.64 मीटर का बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन यह शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए नाकाफी था। तूर का छठा और अंतिम प्रयास फाउल करार दिया गया, जिससे प्रतियोगिता में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 20.64 मीटर ही रहा।

दूसरी तरफ, मोहम्मदरेजा तयेबी ने 20.81 मीटर का निर्णायक थ्रो करके गोल्ड मेडल जीता और तूर के पिछले एशियन गेम्स के 20.75 मीटर के रिकॉर्ड को बेहतर किया। तूर ने यह रिकॉर्ड 2018 में जकार्ता में खिताब जीतते समय बनाया था। सिल्वर जीतने के साथ तूर ने प्रत्येक एशियन गेम्स में मेडल जीतने का अपना शानदार रिकॉर्ड बरकरार रखा।

31 वर्षीय खिलाड़ी ने हांगझोऊ में 20.36 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ सफलतापूर्वक अपना खिताब बचाया था। वह जून 2023 में भुवनेश्वर में बनाए गए 21.77 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक के तौर पर इस प्रतियोगिता में उतरे थे।

इससे पहले, कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में तूर पुरुषों के शॉट पुट में पांचवें स्थान पर रहे थे।

ओह येओनजी को हराकर प्रिया ने किया बड़ा उलटफेर

क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

निशियो। कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट प्रिया घांघस ने शनिवार को यहां निशियो जिम्नेजियम में महिलाओं के 60 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में साउथ कोरिया की दो बार की वर्ल्ड मेडलिस्ट ओह येओनजी को सर्वसम्मति से 5-0 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। प्रिया ने प्री-क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और तीनों राउंड जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। उन्हें पांच जजों से 30-27 के तीन कार्ड और 29-28 के दो कार्ड मिले। प्रिया ने पहला राउंड 5-0 से जीता; उन्होंने सटीक पंच लगाए और ओह को 'स्टैंडिंग काउंट' के लिए मजबूर किया, क्योंकि उनके जैब्स

का सामना करना दो बार की मेडलिस्ट के लिए मुश्किल हो रहा था। प्रिया दूसरे राउंड में भी शानदार रहीं। उन्होंने बहुत अच्छी तरह से बचाव किया और काउंटर-पंच भी लगाए। उनके बाएं जैब्स ने उन्हें दूसरा राउंड 5-0 से जीतने में मदद की। ओह ने प्रिया पर अटैक किया और हावी होने की कोशिश की, लेकिन भारतीय मुक्केबाज ने कुछ काउंटर-पंच लगाए और राउंड 3-2 से अपने पक्ष में करके मैच जीत लिया। प्रिया अब सोमवार को क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान की मिजगोना समादोवा से भिड़ेंगी और सेमीफाइनल में जगह बनाने का प्रयास करेंगी। इससे पहले, कपिल ने पुरुषों के 90 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में ईरान के सैम एस्ताकी को सर्वसम्मति से 5-0 के फैसले से हराया। कपिल सोमवार को क्वार्टर फाइनल (अंतिम आठ) मुकाबले में साउथ कोरिया के किम गिचे का सामना करेंगे। वहीं, कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के सिल्वर मेडलिस्ट जादुमनी सिंह पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में फिलीपींस के कार्लो पालाम से हार गए।

ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद कोच रवींद्र ने कहा

'थाईलैंड में कबड्डी लोकप्रिय हो रही है'

तोकाई (जापान)। थाईलैंड की पुरुष कबड्डी टीम के कोच रवींद्र शेट्टी ने कहा कि एशियन गेम्स में देश का ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल वहां इस खेल की बढ़ती लोकप्रियता का संकेत है। 1990 में इस खेल की शुरुआत के बाद से महाद्वीपीय प्रतियोगिता में थाईलैंड का यह पहला पुरुष कबड्डी मेडल है। शुक्रवार को तोकाई सिटिजन्स जिम्नेजियम में सेमीफाइनल में भारत से 28-66 से हारने के बाद थाईलैंड ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इस नतीजे के साथ थाईलैंड का अभियान ऐतिहासिक पोडियम फिनिश के साथ खत्म हुआ और पुरुष कबड्डी में 36 साल बाद एशियन गेम्स में उनका पहला मेडल आया। रवींद्र पिछले तीन वर्षों से थाईलैंड में कबड्डी की कोचिंग दे रहे हैं, उन्होंने कहा कि उन्होंने 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद वहां बिल्कुल शुरुआत से काम शुरू किया था।

रवींद्र ने 'आईएएनएस' को बताया, 'मैं पिछले तीन वर्षों से वहां कबड्डी की कोचिंग दे रहा हूं। मैंने तीन साल पहले वहां शून्य से शुरुआत की थी। मैंने हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद शुरुआत की थी। उसके बाद मैंने काम शुरू किया। अब, कबड्डी सीखने के बाद वे आगे बढ़ रहे हैं। अब, थाईलैंड में भी कबड्डी लोकप्रिय हो रही है।'

भारतीय कंपाउंड और रिकर्व आर्चरी मिक्स्ड टीमें

सेमीफाइनल में पहुंचीं

नागोया। भारत की कंपाउंड महिला और पुरुष मिक्स्ड टीमें रविवार को यहां ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में सेमीफाइनल में पहुंच गईं। चिकिथा तानिपार्थी और साहिल जाधव की कंपाउंड मिक्स्ड टीम ने राउंड ऑफ 16 में मंगोलियाई टीम को 160-146 से हराया और फिर क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान को 159-154 से हराकर आखिरी चार में जगह बनाई। इस बीच, धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम अनिल मोहोद की रिकर्व जोड़ी ने राउंड ऑफ 16 में यूएई को 6-0 से हराया और बाद में क्वार्टर फाइनल में वियतनाम को 6-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

कंपाउंड मिक्स्ड टीम मुकाबला भी अहम होगा। एलए28 में इस डिसिप्लिन का ऐतिहासिक ओलंपिक डेब्यू होने वाला है, ऐसे में एशियन गेम्स में एक कोटा जगह खाली है, जिससे कॉन्टिनेंटल सम्मान की लड़ाई में एक और रोमांच जुड़ गया है।

इससे पहले, कंपाउंड महिला और पुरुष टीमों ने रविवार को यहां ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में कजाकिस्तान और भूटान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

ज्योति सुरेखा वेन्नम, चिकिथा तनिपार्थी और पृथिका प्रदीप की महिला टीम ने क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान की रोक्साना यूनुसोवा, विक्टोरिया ल्यान और एडेल जेक्सेनबिनोवा को 233-230 से हराया।

कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिरत्नम की पुरुष टीम ने क्वार्टर फाइनल में भूटान के केजांग नोरबू, त्सेतुम गेत्शे और टंडिन दोरजी को 235-232 से हराया।

कुल मिलाकर, एशियन गेम्स में एलए28 ओलंपिक गेम्स के लिए आठ कोटा जगहें खाली हैं।

अंकुश पुरुषों के 80 किग्रा,तो

परवीन महिलाओं के 65 किग्रा में सेमीफाइनल में पहुंचे, दो पदक पक्के

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय बॉक्सिंग के लिए रविवार का दिन शानदार रहा। कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन अंकुश पंघाल और परवीन ने अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। इसके साथ ही भारत के दो और पदक पक्के हो गए हैं। अंकुश ने पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में ताजिकिस्तान के नेक्रूज सलीमोव को 5-0 से हराया, जबकि महिलाओं के 65 किग्रा में परवीन ने उज्बेकिस्तान की नवबाखोर खामिदोवा को इसी अंतर से मात दी।

अंकुश ने 5-0 से दर्ज की शानदार जीत- निशियो जिमनैजियम में खेले गए मुकाबले में अंकुश ने शुरुआत से ही सलीमोव पर दबाव बनाए रखा। पहले दो राउंड में भारतीय मुक्केबाज ने अपनी गति, पंच और डिफेंस से मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी। दोनों राउंड अंकुश ने 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से अपने नाम किए। पहले राउंड में उन्होंने राइट हुक और 1-2 पंच का अच्छा इस्तेमाल किया। दूसरे राउंड में अंकुश ने अपने लेफ्ट हुक और काउंटर पंच से ताजिक मुक्केबाज को परेशान किया। तीसरे राउंड में सलीमोव ने वापसी की कोशिश की और 4-1 से राउंड अपने नाम किया। वह नॉकडाउन की तलाश में आक्रामक हुए, लेकिन अंकुश ने अपना डिफेंस मजबूत रखा। शुरुआती दो राउंड की बढ़त के दम पर भारतीय मुक्केबाज ने 5-0 से मुकाबला जीत लिया।

परवीन ने भी 5-0 से पक्का किया पदक- अंकुश के बाद परवीन ने महिलाओं के 65 किग्रा क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की नवबाखोर खामिदोवा को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। तीनों राउंड में भारतीय मुक्केबाज को सभी जजों का

समर्थन मिला। परवीन की जीत के साथ ही भारत ने इस वर्ग में कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया है। अब उनकी नजर फाइनल में जगह बनाने और पदक का रंग बदलने पर होगी। बॉक्सिंग प्रतियोगिता के कार्यक्रम के मुताबिक अंकुश और परवीन दोनों के सेमीफाइनल मुकाबले 29 सितंबर को होने हैं।

सचिन और नरेंद्र से भी उम्मीद- भारत के लिए बॉक्सिंग में रविवार को दो और अहम मुकाबले बाकी हैं। सचिन सिवाच पुरुषों के 60 किग्रा क्वार्टर फाइनल में जापान के शुनसुके कितामोटो के खिलाफ उतरेंगे। वहीं, पुरुषों के 90+ किग्रा वर्ग में नरेंद्र का सामना थाईलैंड के अदथापोंग सेंगटेप से होगा। दोनों मुकाबले जीतकर भारतीय मुक्केबाज पदकों की संख्या और बढ़ा सकते हैं।

कुराश में भारत को निराशा- कुराश में भारतीय खिलाड़ियों का अभियान पदक के बिना समाप्त हुआ। विशाल पुरुषों के +90 किग्रा क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड के कुनाथिप ये-ऑन से 0-5 से हार गए। संगीता बलहारा महिलाओं के 57 किग्रा राउंड ऑफ 32 में फिलीपींस की चार्मिया क्वेलिनो से 0-10 से हारीं। भारती को महिलाओं के 57 किग्रा राउंड ऑफ 16 में ईरान की ताहेरेह अजरपेइवांड ने हराया, जबकि यश कुमार चौहान पुरुषों के +90 किग्रा राउंड ऑफ 16 में ताजिकिस्तान के शकरमामद मिरमामदोव से हार गए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-2-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 4022

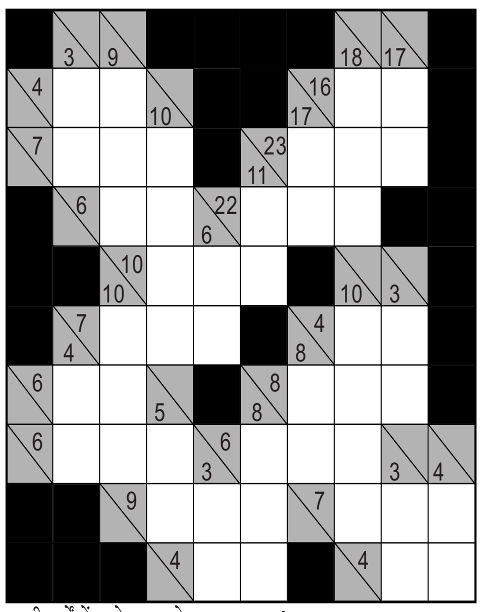

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

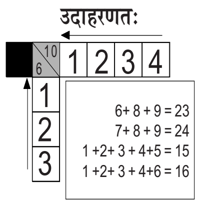

काकुरो - 4021 का हल

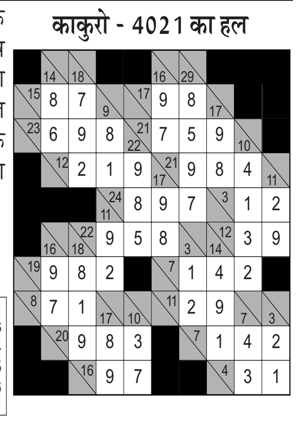

हंसी के फूव्वारें

राज (हरीश से), ''सुनाओ दोस्त क्या हाल है?''

हरीश, ''बहुत बुरा हाल है. सब साथ छोड़ गए है एक बीवी थी वह भी कटी पतंग की तरह आसमान में कहीं उड़ती फिरती है, तुम अपना हाल सुनाओ.''

राज,''मैं तो बड़े मजे में हूं. आजकल कटी पतंगें लूटना ही मेरा काम है, आराम से गुजर रही है.''

□ □ □

एक मशहूर क्रिकेटर का विवाह हुआ. विवाह के कुछ दिन उपरांत वह अपनी ससुराल गया तो उसकी साली शोखी से बोली, ''जीजा जी, दीदी कैसी लगी?''

क्रिकेटर बड़ी गंभीर आवाज में बोला, ''मीडियम फास्ट.''

□ □ □

विजय लक्ष्मी (शारदा से), ''मेरी बेटी का संगीत अभ्यास मेरे लिए बहुत भाग्यशाली साबित हुआ?'' शारदा, ''वह कैसे.''

विजय लक्ष्मी, ''मेरा पड़ोसी इसी कारण अपना मकान आधे दामों पर बेच गया और मैंने खरीद लिया.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली-4022

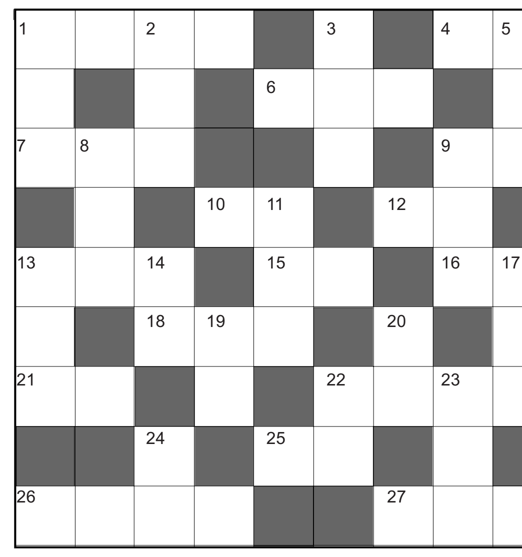

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की 'होरी खेले' गीत वाली फिल्म-४
४. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली अमिताभ, जैकी श्रॉफ, मधु सप्रे, कैटरीना कैफ, जीनत, सीमा की फिल्म-२
६. सुनील शेट्टी, सोनाली बेंद्रे की 'तुम से मिलने को' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चढ़ गया ऊपर रे' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
९. अमजद, विनोद मेहरा, बिंदिया की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१२. बलराज साहनी, नूतन की 'तु प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मेरी पैंट भी सैक्सी' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, पुजा, सोनाली की 'तुम आये तो' गीत वालीफिल्म-२
१६. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
१८. अजय, अभिषेक, बिपाशा की 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
२१. अमिताभ वाली फिल्म 'याराना' की नायिका कौन थी-२
२२. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी की फिल्म-४
२५. धर्मेन्द्र, हेमा की 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'अल्हड़ मस्त जवानी' गीत वाली अजय देवगन, ग्रेसी सिंह की फिल्म-४
२७. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'जब दिल चुराये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षय, रवीना की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
२. 'आँखों के रस्ते' गीत वाली बॉबी देओल रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. गोविंदा, करिश्मा की 'तुमसा कोई प्यारा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'चुपके से दिल' गीत वाली राजकुमार, राजेश खन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
८. अनिल कपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'लड़की है क्या' गीत वाली फिल्म-३
९. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-३
११. संजय, सलमान, माधुरी की 'जियें तो जियें' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'बन्नो तेरी आँखियाँ' गीत वाली सनी, जैकी, मनीषा की फिल्म-३
१४. डिनो, बिपाशा की 'कितना प्यारा है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'रहें ना रहें हम' गीत वाली धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-३
१९. 'मैं चुप रहूँगी' में सुनीलदत्त के साथ नायिका कौन थी?-२
२०. फिल्म 'करीब' में बॉबी देओल के साथ नायिका कौन थी?-२
२२. आफताब, उर्मिला की 'सुना था देखा ना था' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
२४. जाकिर, शबाना, अरूणा की 'बादल चाँदी बरसाये' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4021

ऐ	त	बा	र		जु	र्म		जी	
त		द		क	र्मा		घा	त	क
रा	हु	ल		री	ना	रा	य		र्म
ज			हि	ना		जा	ल		यो
	फ	की	रा		शी	बा		बा	गी
क	र्ज		स	नी		बू	म		
र		शी	त	ल			हा	सि	ल
म	हा	न		क	न्या	दा	न		व
	द		ना	म		दा	ता		स्टो
सं	सा	र		ल	की			नू	री

सूडोकु -4022

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4021 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शब्द पहेली - 4022

बाएँ से दाएँ

1.पावर हाऊस -5
4.दिमागी,कल्पित-4
7.हृदय-2
8.खोदना-3
9.प्रचार वाक्य,स्लोगन-2
10.नुकीला-4
11.कलिका-2
13.प्यारा,लाडला-3
14.विशिष्ट,विशेष-2
15.खर्च,उपभोग-3
17.नौका-2
19.नाम करण-2,3
22.चमकीला-5
25.महोदय (अंग्रेजी-2)
26.रनिवास,जनवासा-3
28.संध्या,सांझ-2
29.दलना,महीन करना-3
30.जस,सम्मान -2
32.कारागृह-4
34.आलाप,लय,सुर-2
36.पागल स्त्री-3
37.इंकार,मना-2
38.सराबोर,सना हुआ -4
39.वेश्या,तवायफ-5

ऊपर से नीचे

1.चूहे का घर-2
2.नेता-3
3.सार-संभार-2,3
4.आदर्श,कसौटी-3
5.छाती-2
6.अचरज भरा कार्य-4
7.हृदय को ठेस लगना-5
10.अनवरत वर्षा-4
12.जूं का अंडा-2
16.ओट,घूंघट-3
17.मां के पिता-2
18.दुख,कष्ट-2
20.राष्ट्रीय पक्षी-3
21.पत्र,लैटर-2
22.गुप्तचर,दूत-2
23.कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24.रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25.समयुगीन,समवर्ती-5
26.बंद,स्ट्राइक-4
27.सुरा,शराब-2
31.वचन,प्रतिज्ञा-3
33.बंदर-3
35.नथनी,नथिया-2
37.शहद-2

शब्द पहेली -4021 का हल

आ	स		म	न		रा	ख		फां	श
म	न	न		शा	न		र	न		क
	म	क	र		त	न		र	म	
का		ल	ह	जा		भ	ला		द	म
या	क		ना	ति	न		वा	द		र्ज
	र	वा		य	म	ज		म	जा	
न		दा	स		क	त	रा		र	मा
व	न		ही	ना		न	ज	र		ला
	ल	त		ज	रा		न	म	न	
का		न	शा		त	र		ल	क	वा
ल	क्ष		क	र्ज		थ	ल		ल	त

क्या हाई ब्लड प्रेशर हमेशा बुरा होता है

हाई ब्लड प्रेशर सुनते ही इससे होने वाली तरह-तरह की बीमारियां आंखों के सामने आ जाती हैं, किंतु आपने कभी सोचा है कि यह सेहत के लिए फायदेमंद भी हो सकता है? जर्मनी में बर्लिन की चैरिट यूनिवर्सिटी ने इस पर अध्ययन किया तो चौंकाने वाले नतीजे सामने आए। शोधकर्ताओं के अनुसार, बुढ़ापे में हाई ब्लड प्रेशर कई तरह से फायदेमंद होता है। 80 साल से ज्यादा उम्र के जिन लोगों में हाई ब्ल्ड प्रेशर होता है, वो लो ब्लड प्रेशर वालों से ज्यादा जिंदा रहते हैं। यूरोपियन हार्ट जर्नल में प्रकाशित इस रिपोर्ट के अनुसार, अध्ययन 2009 में शुरू हुआ था। तब इसमें शामिल लोगों की उम्र 70 वर्ष या अधिक थी। अब उनकी उम्र 80 वर्ष या इससे अधिक है। हर दो साल में इन लोगों के सेहत की जांच की गई।

जानिए ब्लड प्रेशर से जुड़े 5 बेहद जरूरी सवालों के जवाब

अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि 80 वर्ष से अधिक आयु के जिन लोगों का रक्तचाप कम (140/90 मिमी एचजी या इससे कम) था, उनकी मृत्यु दर अधिक रक्तचाप वालों से 40 प्रतिशत अधिक थी। यहां तक कि जिन बुजुर्गों में पहले हार्ट अटैक या स्ट्रोक आ चुका है, उनको भी हाई ब्लड प्रेशर का लाभ मिला है।

रिसर्चस की टीम इस बात पर भी जोर देती है कि 140/90 मिमी एचजी से कम रक्तचाप वाले लोगों में उन लोगों की तुलना में मृत्यु का जोखिम 61 प्रतिशत अधिक था, जो ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने की दवाएं ले रहे हैं, फिर भी यह कम नहीं है।

जानिए, सेहत के लिए कितना नुकसानदायक है ब्लड प्रेशर

ब्लड प्रेशर सेहत के लिए कितना नुकसानदायक है? उच्च रक्तचाप या हाई ब्लड प्रेशर हर साल लगभग 10 मिलियन भारतीयों को अपना शिकार बनाता है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक रहे और दवाओं के बावजूद नियंत्रित न हो तो धमनियों को नुकसान पहुंच सकता है। धमनियां सिकुड़ जाती हैं, जिसका असर रक्त के प्रवाह पर पड़ता है, जिससे स्ट्रोक और हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

ब्लड प्रेशर की जांच कब करनी चाहिए?

एम्स के डॉ. नबी वली के अनुसार, यदि आप घर पर ब्लड प्रेशर की जांच करते हैं तो यह जानना जरूरी है कि दिनभर में ब्लड प्रेशर में काफी उतार-चढ़ाव आता है। इसलिए दिनभर में 5-6 बार इसे मापना चाहिए। वैसे दवाई लेने से पहले ब्लड प्रेशर की जांच जरूर करना चाहिए।

क्या हाई ब्लड प्रेशर हो तो एक्सरसाइज करना चाहिए?

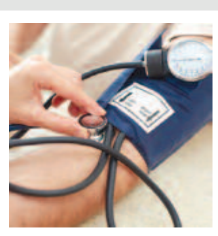

विभिन्न अध्ययनों से पता चलता है कि व्यायाम न केवल आपके ब्लड प्रेशर को स्वाभाविक रूप से कम कर सकता है, बल्कि अन्य कई तरह से अच्छे स्वास्थ्य में मदद करता है। अक्सर लोग इस बात को लेकर उलझन में रहते हैं कि हाई ब्लड प्रेशर के दौरान उनको व्यायाम करना चाहिए या नहीं? जवाब है- हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित होने पर नियमित रूप से व्यायाम करना बिल्कुल भी बुरा नहीं है। वास्तव में, कार्डियोवस्कुलर या एरोबिक एक्सरसाइज ब्लड प्रेशर के स्तर को कम करने और हार्ट को मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं।

क्या शराब के सेवन से ब्लड प्रेशर बढ़ता है?

शराब और हाई ब्लड प्रेशर का सीधा संबंध है। जितनी अधिक शराब, उतना ज्यादा ब्लड प्रेशर। जो लोग एक दिन में तीन या इससे अधिक गिलास शराब का सेवन करते हैं, उनकी जान जोखिम में है।

दिन में सोने से बीपी बढ़ता है या कम होता है?

दिन में एक छोटी सी झपकी फायदेमंद बताई गई है और ब्लड प्रेशर को लेकर भी यही बात है। दिन में झपकी लेने से ब्लड प्रेशर को लो रखने में मदद मिलती है। इसके साथ ही हार्ट संबंधी अन्य बीमारियों की आशंका भी कम होती है, लेकिन ध्यान रहें कि ज्यादा देर की नींद नुकसानदायक हो सकती है।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

आने वाले समय में कई बड़ी फिल्मों में नजर आने वाले हैं अजय देवगन

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन इस समय बॉलीवुड के उन सितारों में से एक हैं, जिनकी पाइपलाइन में एक साथ कई बड़े और अलग अलग जॉनर के प्रोजेक्ट्स हैं। आने वाले समय में वे 'रेंजर', 'सूर्यप्रस्थ', 'चौहान' और 'गोलमाल 5' जैसी कई बड़ी फिल्मों में नजर आने वाले हैं।

परिवारों के लिए बन रही रेंजर

अजय, संजय दत्त और तमन्ना भाटिया की 'रेंजर' इस समय उनकी प्रमुख अनरिलिज्ड फिल्मों में शामिल है। सूत्रों के मुताबिक...' फिल्म का एक शेड्यूल पूरा हो चुका है और करीब पांच दिनों की शूटिंग अभी बाकी है। फिल्म को बच्चों और परिवारों को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है।

दिसंबर में शुरू हो सकती है गोलमाल 5' की शूटिंग

रोहित शेट्टी की 'गोलमाल 5' उनकी आने वाली फिल्मों में सबसे बड़े मनोरंजक प्रोजेक्ट्स में शामिल है। इस सीरीज में अजय को उनके गंभीर एक्शन स्टार वाले अंदाज से बिल्कुल अलग मजेदार और

कॉमिक अंदाज में देखा जाता है। 'गोलमाल 5' की शूटिंग दिसंबर के आसपास शुरू हो सकती है। ऐसे में आने वाले महीनों में अजय लगातार फिल्मों की शूटिंग में बिजी रहेंगे।

'सूर्यप्रस्थ' की शूटिंग जारी, मुंबई के बाद उत्तराखंड में होगा शूट

'रेंजर' के बाद अजय का फोकस 'सूर्यप्रस्थ' पर है। सूत्रों के मुताबिक...' फिल्म की मुंबई में शूटिंग जारी है और अब तक लगभग 10 दिनों का शूट पूरा हो चुका है। यह प्रोजेक्ट पहले 'गृहप्रवेश' नाम से चर्चा में रहा था, लेकिन अब इसका नाम 'सूर्यप्रस्थ' सामने आया है। फिल्म की विस्तृत कहानी अभी सार्वजनिक नहीं है। हालांकि, बातचीत में संकेत मिला है कि इसमें बच्चों और परिवार से जुड़ा एक महत्वपूर्ण भावनात्मक पक्ष हो सकता है।

रोहित जुगराज के साथ ही नया प्रोजेक्ट लेकर आ हैं अजय

अजय देवगन इन दिनों अपनी फिल्म 'सूर्यप्रस्थ' को लेकर भी चर्चा में हैं। इसका निर्देशन रोहित जुगराज कर रहे हैं। रोहित लंबे समय से हिंदी फिल्मों में सक्रिय हैं और 'सुपरस्टार' समेत कई प्रोजेक्ट्स के साथ काम कर चुके हैं। अजय और रोहित जुगराज की यह जोड़ी इसलिए भी अलग है, क्योंकि यह अभिनेता के लिए एक अपेक्षाकृत नया सहयोग है।

11 अक्टूबर से 'चौहान' की तैयारी भी शुरू होगी

अजय की लाइन-अप में अगला महत्वपूर्ण नाम 'चौहान' है। बातचीत में बताया गया कि इस फिल्म की शूटिंग 11 अक्टूबर से शुरू करने की योजना है। फिल्म का निर्देशन नीरज यादव कर रहे हैं। प्रोजेक्ट से जुड़ी शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इसकी पृष्ठभूमि कश्मीर से जुड़ी हो सकती है। कहानी में सुरक्षाऔर वहां के सामाजिक-राजनीतिक माहौल जैसे तत्वों का इस्तेमाल किए जाने के संकेत मिले हैं।

आयुष्मान खुराना ने राजश्री प्रोडक्शन हाउस के साथ अपने जुड़ाव पर बात की

अभिनेता आयुष्मान खुराना आगामी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' की रिलीज के तैयार हैं। अभिनेता ने बताया कि उन्हें हिंदी सिनेमा से उन्हें प्रेम 1994 की फिल्म 'हम आपके हैं कौन' देखने के बाद हुआ था। दरअसल, फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का टाइटल ट्रैक रिलीज हुआ था, जहां अभिनेता ने बताया कि उन्हें अभी भी यकीन नहीं हो रहा है कि वे राजश्री प्रोडक्शन के हीरो बन गए हैं। अभिनेता ने यह भी बताया कि 'हम आपके हैं कौन' देखने के बाद वे बहुत प्रभावित हुए थे।
अभिनेता आयुष्मान खुराना ने कहा, 'मुझे याद है कि मैंने 'हम आपके है कौन' में कई परिवार थे और उस फिल्म को देखने के बाद मुझे प्रेम से प्यार हो गया था, मुझे हिंदी सिनेमा और हमारे परिवार की ताकत से प्रेम हो गया था।
अभिनेता ने राजश्री प्रोडक्शन हाउस के साथ अपने जुड़ाव पर बात करते हुए कहा कि यह रिश्ता सिर्फ उनका नहीं बल्कि, पूरे देश के परिवारों से जुड़ा है। उन्होंने कहा, 'राजश्री के साथ मेरा जो रिश्ता है, वो सिर्फ मेरा नहीं है, वो पूरे हिंदुस्तान का है, सभी परिवारों का है। सभी परिवारों को एक साथ लाने की जो जिम्मेदारी उन्होंने फिल्मों के जरिए उठाई है, मुझे लगता है यह बहुत ही खूबसूरत है।' आयुष्मान खुराना ने डायरेक्टर सूरज बड़जात्या से जुड़ा एक किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे फिल्ममेकर उनकी वैनिटी वैन में घुसने से पहले अपने जूते उतार देते थे।
आयुष्मान ने याद करते हुए कहा, 'मैं कहता था, सर प्लीज जूते मत उतारिए, वैनिटी में आ जाइए। लेकिन वो कभी सुनते ही नहीं थे। वो जूते उतार कर आते थे, मैं उनके चरण स्पर्श करता था और वो कहते थे आयुष्मान भव और फिर वो मुझे सीन समझाते थे। मुझे लगता है कि यह सिर्फ बचपन का सपना नहीं है। इसलिए राजश्री और उनकी लेगेसी के लिए तालियां बजनी चाहिए।'
फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' एक पारिवारिक और रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें पहली बार आयुष्मान और शरवरी साथ में स्क्रीन पर नजर आएंगे। फिल्म में आयुष्मान खुराना, शरवरी वाघ और अनुपम खेर मुख्य कलाकार के तौर पर नजर आएंगे।

एक्टर के तौर पर लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करने में कोई दिक्कत नहीं

हर समय परफेक्ट दिखने का दबाव? 'मिर्जापुर' एक्ट्रेस हर्षिता गौर ने बताया कैसे करती हैं डील

'मिर्जापुर' फेम एक्ट्रेस हर्षिता गौर ने बताया कि वह हर समय परफेक्ट दिखने के लगातार दबाव से कैसे निपटती हैं। खास बातचीत में हर्षिता ने कहा कि यह पूरी तरह से व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह दबाव लेना चाहता है या अपनी असलियत में सहज रहना चाहता है। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में, दर्शक अलग-अलग तरह के शरीर और स्किन टाइप को स्वीकार करने लगे हैं, बशर्ते वे उस किरदार के अनुकूल हों जिसे वे निभा रहे हैं। हर्षिता ने कहा कि एक एक्टर के तौर पर अगर रोल की मांग हो तो उन्हें अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करने में कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह इंडस्ट्री में होने का एक मजेदार हिस्सा है।
उनसे पूछा गया, 'शोबिज में अच्छा दिखने और कैमरे के लिए तैयार रहने का दबाव बहुत ज्यादा होता है। आपके लिए लुक कितना मायने रखता है और आप अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करने में किस हद तक सहज हैं? ' हर्षिता ने बताया, 'मैं एक्सपेरिमेंट करने के लिए तैयार रहती हूं, खासकर अगर किरदार की मांग हो। यह मजेदार है। हम इसी फील्ड में इसलिए हैं क्योंकि हमें एक्सपेरिमेंट करने का मौका मिलता है। वरना, हम यहां नहीं होते।' हमेशा कैमरे के लिए तैयार रहने के दबाव से निपटने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'दबाव तो होता है, लेकिन आप या तो उस दबाव को ले सकते हैं या नहीं। मुझे लगता है कि यह पूरी तरह आप पर निर्भर करता है।' हर्षिता ने कहा, 'एक दौर वह भी था जब न तो सोशल मीडिया का ऐसा दौर था और न ही लोग अपनी शारीरिक बनावट को लेकर इतने सचेत थे, लेकिन उस समय भी लोगों पर सामाजिक अपेक्षाओं का दबाव कम नहीं था। ' उन्होंने आगे कहा कि ऐसे कई शो हैं जिनमें जाने-माने एक्टर मेकअप भी नहीं करते, क्योंकि किरदार की यही मांग होती है। बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर का उदाहरण देते हुए हर्षिता ने कहा, 'करीना कपूर ने एक फिल्म की थी जिसमें उन्होंने मेकअप नहीं किया था। मुझे लगता है कि जब किरदार की मांग होती है, तो लोग खुद को वैसा ही दिखाने में ज्यादा सहज हो गए हैं जैसे वे असल में हैं। '

कैटरीना कैफ की ट्रोलिंग पर भड़कीं परिणीति चोपड़ा

हाल ही में कटरीना कैफ के लिए एक आम सी आउटिंग बहुत खास बन गई। प्रेग्नेंसी के बाद उनके शरीर में आए बदलावों को लेकर कई यूजर्स ने उन्हें ट्रोल किया। हालांकि अभिनेत्री ने इस पर कुछ नहीं कहा लेकिन उनके फैंस और सेलेब्स उनके बचाव में आगे आए हैं। अब एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा ने भी उनका समर्थन किया है। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने बेटे के जन्म के बाद कैटरीना कैफ के लुक को लेकर हुई ऑनलाइन ट्रोलिंग पर उनका समर्थन किया है। बातचीत में परिणीति ने कहा, 'जब कोई महिला के डिलीवरी के बाद शरीर पर कमेंट करता है, तो मुझे यह अनपढ़ सोच लगती है। उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन जब आप एक इंसान को जन्म देते हैं, एक बच्चे को दुनिया में लाते हैं, तो शरीर पर उसका निशान क्यों नहीं सेलिब्रेट किया जाता? इसमें नेगेटिव क्या है? मैं किसी महिला को देखकर कहूंगी, 'ओह माय गॉड, मैं स्ट्रेच मार्क देख पा रही हूं। क्या आपने बच्चे को जन्म दिया है? यह तो बहुत खूबसूरत बात है। आपका बच्चा कैसा है?' मैं किसी महिला को इसी नजरिए से देखूंगी।'

रवीना टंडन ने बताया बेटी राशा के बटरफ्लाई टैटू का राज

बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन कई बार अपनी निजी जिंदगी से जुड़े किस्से साझा करती रहती हैं। इसी कड़ी में अब उन्होंने अपनी बेटी राशा के टैटू से जुड़ा बेहद खास किस्सा सुनाया। दरअसल, वह डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर' में स्पेशल गेस्ट बनकर पहुंचीं। इस दौरान एक कंटेस्टेंट ने अपनी मां को टैटू बनवाने के लिए मनाने में रवीना की मदद मांगी थी। इसी बातचीत के दौरान रवीना ने बताया कि उनके लिए टैटू कई इमोशन्स और यादों से जुड़ी हैं। उन्होंने अपने बच्चों के नाम वाले टैटू से लेकर अपने बिच्छू वाले टैटू तक की कहानी सुनाई लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान राशा के बटरफ्लाई टैटू ने खींचा।
रवीना ने कहा, ' 'मेरी बेटी राशा ने बटरफ्लाई का टैटू अपने नाना के निधन के बाद बनवाया था। उसको ऐसा लगता है कि जब भी वह शूटिंग करती है, तब एक तितली उसके पास आकर बैठती है। वह इसे अपने नाना से जोड़कर देखती है और मानती है कि उनके नाना तितली के रूप में कहीं न कहीं उन्हें आशीर्वाद देने आते हैं। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए उसने अपने बॉडी पर तितली का टैटू बनवाया। इस टैटू में भगवान शिव और भगवान कृष्ण से जुड़े रंग और निशान भी शामिल हैं।''
रवीना ने कहा, ' 'राशा के टैटू में तितली के पंखों के अंदर भगवान कृष्ण का मोर पंख है, जबकि इसमें भगवान शिव के नीलकंठ रूप को भी दिखाया गया है। यह डिजाइन उसकी भावनाओं से जुड़ा हुआ है, जो उसको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।''
इसी बातचीत में रवीना ने भारत में टैटू की पुरानी परंपरा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ' 'देश में कई सदियों से शरीर पर टैटू बनवाने की परंपरा रही है। राजस्थान और देश के कई आदिवासी इलाकों में आज भी इसे एक पुरानी परंपरा के तौर पर देखा जाता है। पहले गोदना बनाने का तरीका आज के टैटू से अलग था और इसमें सुई का इस्तेमाल किया जाता था।''
रवीना ने अपने टैटू के बारे में बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने बच्चों के नाम का टैटू बनवाया हुआ है। इसके अलावा उन्होंने अपने टैटू में पंजों के निशान और बिच्छू का टैटू भी बनवाया है।

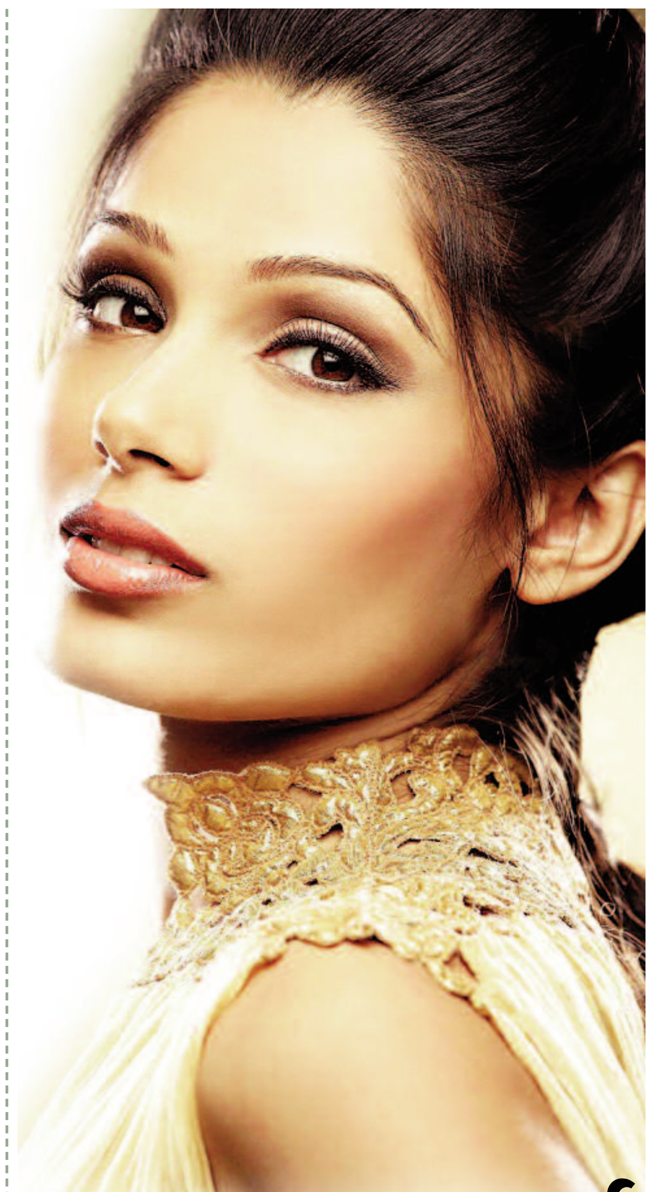

अनकस्टमड अर्थ

अहम किरदारों में होंगे फ्रीडा पिंटो और सिद्धार्थ

फिल्म स्लमडॉग मिलियनेयर स्टारर फ्रीडा पिंटो की अपकमिंग वेब सीरीज 'अनकस्टमड अर्थ' का पहला लुक जारी किया गया है। यह फैमिली ड्रामा है जो झुम्पा लाहिड़ी की इसी नाम की शॉर्ट स्टोरी कलेक्शन पर आधारित है।
इस सीरीज में फ्रीडा पिंटो 'पारुल चौधरी' के रोल में और सिद्धार्थ 'अमित' के रोल में हैं।

भारतीय-अमेरिकी समुदाय पर है आधारित

यह सीरीज कैम्ब्रिज, बोस्टन और मैसाचुसेट्स में रहने वाले कई पीढ़ियों के भारतीय-अमेरिकी समुदाय की कहानी है। यह कहानी अलग-अलग पीढ़ियों के बीच प्यार, नुकसान, अपनापन और रिश्तों जैसे विषयों को दिखाती है।

क्या है कहानी

फ्रीडा पिंटो ने पारुल चौधरी का रोल निभाया है, जो एक पत्नी और मां हैं और जिन्होंने कभी अपने पिता की इच्छा का सम्मान करने के लिए अपने कॉलेज के रोमांस को छोड़ दिया था। कैंसर का पता चलने के बाद, पारुल अपने परिवार को भारत से वापस कैम्ब्रिज ले आती हैं, जिसे वह अपना घर मानती हैं। अपनी बीमारी का सामना करते हुए, पारुल उस जिंदगी को जीने का फैसला करती हैं, जिसे उन्होंने कभी छोड़ दिया था। उनके फैसलों का असर उनके परिवार और उनके आस-पास के बड़े प्रवासी समुदाय पर पड़ता है।
फ्रीडा पिंटो और सिद्धार्थ के अलावा, सीरीज में इंद्रनील सेनगुप्ता 'जय' के रोल में, परवीन कौर 'नीना' के रोल में, सरायु ब्लू 'रूमा' के रोल में, जस्टिन बार्थ 'एडम' के रोल में, आदि रॉय 'कौशिक' के रोल में, आइला सुंदरसिंह मैकेग 'हेमा' के रोल में और जयंत कृपलानी 'प्रणब' के रोल में हैं। अन्य कलाकारों में इशिता बंसल 'दिव्या' के रोल में, मीरा सिम्हम 'स्वाति' के रोल में, रवि कपूर 'विशाल' के रोल में, स्वयं भाटिया 'सुधा' के रोल में और पलोमी घोष 'अंजलि' के रोल में हैं। '
'अनकस्टमड अर्थ' को वार्नर ब्रदर्स टेलीविजन ने प्रोड्यूस किया है। यह 17 दिसंबर, 2026 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान: पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने 27 सितंबर का विशाल मार्च स्थगित किया

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने इस्लामाबाद तक अपने विरोध मार्च को चार अक्टूबर तक स्थगित करने का फैसला किया है. पार्टी सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने पार्टी संस्थापक खान की रिहाई के लिए सरकार पर दबाव बनाने के उद्देश्य से 27 सितंबर को राजधानी की ओर विशाल मार्च निकालने की घोषणा की थी. हालांकि, सरकार की ओर से विरोध प्रदर्शन रोकने के लिए उठाए गए कड़े कदमों के कारण पार्टी ने इसे टालने का फैसला किया. इमरान खान (73) को भ्रष्टाचार के एक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद 2023 में गिरफ्तार किया गया था. वह रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अडियाला जेल में बंद हैं. पार्टी सूत्रों ने बताया कि विरोध प्रदर्शन स्थगित करने का फैसला एक बैठक में लिया गया और इसकी औपचारिक घोषणा खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी करेंगे. सूत्र ने कहा, 'विरोध प्रदर्शन 27 सितंबर के बजाय चार अक्टूबर को शुरू किया जाएगा.' इससे पहले दिन में अफरीदी ने पेशावर में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि सड़कें बंद किए जाने और अन्य उपायों के बावजूद इस्लामाबाद के लिए प्रस्तावित लंबा मार्च जारी रहेगा. पीटीआई पार्टी नीत खैबर पख्तूनख्वा सरकार का नेतृत्व कर रहे अफरीदी ने कहा, 'हमारा विशाल मार्च निश्चित रूप से होगा. इस बार हम निश्चित रूप से बाहर निकलेंगे।

जयशंकर का पाकिस्तानी पत्रकार पर तंज :कहा- अब आतंकी देश मुझसे सवाल पूछेगा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को एक पाकिस्तानी रिपोर्टर पर तंज कसा। रिपोर्टर ने भारत पर पाकिस्तान में आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। इस पर जयशंकर ने कहा, 'एक आतंकवादी देश मुझसे यह सवाल पूछ रहा है।' रिपोर्टर के सवाल का जवाब देने के बाद वे मुस्कुराए और वहां से निकल गए। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे। इस दौरान भारत की विदेश नीति, वैश्विक सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई पर बातचीत हो रही थी। इससे पहले दिसंबर 2022 में न्यूयॉर्क में एक पाकिस्तानी पत्रकार ने जयशंकर से पूछा था कि दक्षिण एशिया आखिर कब तक भारत, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से जुड़े आतंकवाद का सामना करता रहेगा।

गंडक नदी में तेजी से बढ़ रहा पानी, नेपाल में भारी बारिश की चेतावनी के बाद निचले इलाकों में अलर्ट

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से हालात बिगड़ने लगे हैं। मौसम विभाग ने शुक्रवार से रविवार तक देश के कई हिस्सों में अत्यधिक बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके चलते कोसी बैराज और गंडक नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। आपदा की आशंका को देखते हुए नेपाली सेना और पुलिस ने तटीय इलाकों में रेड अलर्ट जारी किया है। नेपाल के तराई क्षेत्रों और बिहार के बगहा इलाके में पिछले 24 घंटे से बारिश जारी है। लगातार बारिश के कारण गंडक नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। निचले इलाकों में रहने वाले ग्रामीण नदी के बहाव पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। बारिश का दौर जारी रहने से तटीय बस्तियों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। कोसी बैराज में पानी का बहाव अत्यधिक बढ़ने के बाद 31 गेट खोल दिए गए हैं। सुनसरी के प्रमुख अधिकारी ईश्वरी प्रसाद अर्याल के अनुसार 240000 क्यूसेक पानी दर्ज हुआ है। हालांकि स्थिति अभी नियंत्रण में है और कोसी पुल पर यातायात नहीं रोका गया है। जलस्तर में और इजाफा होने पर स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक फैसले लिए जाएंगे। भारी बारिश के चलते धाडिंग जिले में भूस्खलन से पृथ्वी राजमार्ग सात स्थानों पर प्रभावित हुआ है। कृष्णभीर और तिग्रांग खोला में सड़क पूरी तरह बंद हो गई है और मलबा हटाया जा रहा है। चितवन जिले में नारायणगढ़-मुगलिन सड़क को भी खतरे के कारण बंद कर दिया गया है। राजमार्गों पर यातायात बाधित होने से लोगों का आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। 26 अगस्त को नेपाल-तिब्बत सीमा पर आई अचानक बाढ़ में भारी तबाही हुई थी। उस विनाशकारी आपदा में 1450 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5600 लोग लापता हैं।

अमेरिका के 22 राज्यों ने 1,00,000 डॉलर की एच-1बी फीस का विरोध किया

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के 22 अटॉर्नी जनरल के एक समूह ने ट्रंप प्रशासन के उस प्रस्ताव का विरोध किया है, जिसमें कुछ एच-1बी वीजा याचिकाओं पर 100,000 डॉलर से ज्यादा की फीस लगाने की बात कही गई है। उनका तर्क है कि यह कदम गैर-कानूनी है और इससे शिक्षकों, डॉक्टरों और नर्सों की कमी और बढ़ जाएगी। यह उन भारतीय प्रोफेशनल्स और अमेरिकी कंपनियों के लिए एक बड़ी चुनौती है जो बहुत कुशल कर्मचारियों को काम पर रखने के लिए एच-1बी प्रोग्राम पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं। वर्जीनिया के अटॉर्नी जनरल जे जोन्स ने एक औपचारिक कमेंट लेटर दाखिल करने के लिए गठबंधन में शामिल होकर यूएस सिटीजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) से प्रस्तावित नियम को वापस लेने की मांग की।

एजेंसी ने 25 अगस्त को प्रस्तावित नियम बनाने का नोटिस जारी किया था। इससे उन एम्प्लॉयर्स द्वारा दायर याचिकाओं पर 103,265 डॉलर का शुल्क लगेगा जिन्हें सालाना एच-1बी वीजा कैप से छूट प्राप्त नहीं हैं। अटॉर्नी जनरल्स ने प्रस्तावित शुल्क को टैक्स बताया। उन्होंने तर्क दिया कि एग्जीक्यूटिव ब्रांच कांग्रेस की मंजूरी के बिना ऐसा टैक्स नहीं लगा सकती।

गठबंधन ने यह भी कहा कि यह नियम इमिग्रेशन एंड नेशनैलिटी एक्ट के तहत यूएससीआईएस के अधिकार क्षेत्र से बाहर होगा और एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसीजर एक्ट का उल्लंघन करेगा। अटॉर्नी जनरल्स के अनुसार, प्रशासन उस बोझ को सही ठहराने में विफल रहा है जो प्रस्तावित शुल्क राज्यों पर डालेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यूएससीआईएस ने कम नुकसानदायक विकल्पों पर पर्याप्त रूप से विचार नहीं किया। गठबंधन ने 30-दिन के पब्लिक कमेंट पीरियड पर एतराज जताया, और इसे बहुत कम और ठीक नहीं बताया।

अटॉर्नी जनरल्स ने कहा कि प्रस्तावित शुल्क से राज्य और स्थानीय संस्थानों के लिए कुशल विदेशी प्रोफेशनल्स को काम पर रखना और मुश्किल हो सकता है। उन्होंने प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अन्य जरूरी सेवाओं में कमी का हवाला दिया। जोन्स ने कहा, 'इस श्रेणी के लोग कागजों पर सिर्फ नाम नहीं हैं, वे हमारे शिक्षक, डॉक्टर, नर्स, देखभाल करने वाले और बहुत कुछ हैं। वे हमारे पड़ोसी, दोस्त और परिवार हैं।' उन्होंने कहा, 'उन्होंने यहां आने और 'अमेरिकन ड्रीम' का हिस्सा बनने के लिए हर फॉर्म भरा है और सरकार की हर मांग को पूरा किया है। '

जोन्स ने प्रशासन पर समुदायों और सार्वजनिक सेवाओं पर पड़ने वाले असर पर पर्याप्त रूप से विचार किए बिना अपने एग्जीक्यूटिव अधिकार का विस्तार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'डोनाल्ड ट्रंप एग्जीक्यूटिव पावर की सीमाओं को आगे बढ़ाकर दरवाजा बंद करने की कोशिश कर रहे हैं, और उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि यह प्रस्तावित नियम वर्जीनिया के लोगों पर क्या बोझ डालेगा। यहां वर्जीनिया में, हम अपने समुदायों के लिए लड़ते हैं, और मेरा ऑफिस यह सुनिश्चित करने के लिए हर कानूनी साधन का इस्तेमाल करेगा कि यह प्रस्ताव आगे न बढ़े। '

गठबंधन ने कहा कि पिछली बार प्रशासन ने ऐसा ही शुल्क लगाने की कोशिश की थी जिसे रद्द कर दिया गया था। इसमें कहा गया है कि नया प्रस्ताव कांग्रेस से मंजूरी लेने के बजाय, एक बार फिर प्रशासनिक कार्रवाई के जरिए टैक्स लगाने की कोशिश करता है। वर्जीनिया के अलावा, इस गठबंधन में कैलिफोर्निया, मैसाचुसेट्स, एरिजोना, कोलोराडो, कनेक्टिकट, डेलावेयर, हवाई, इलिनोइस, मेन, मैरीलैंड, मिशिगन और मिनेसोटा के अटॉर्नी जनरल भी शामिल हैं। इसमें नेवाडा, न्यू जर्सी, न्यू मैक्सिको, न्यूयॉर्क, नॉर्थ कैरोलिना, ओरेगन, वॉशिंगटन, विस्कॉन्सिन और डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया भी शामिल हैं। एच1बी प्रोग्राम अमेरिकी नियोक्ताओं को ऐसे खास कामों के लिए विदेशी कर्मचारियों को काम पर रखने की इजाजत देता है, जिनके लिए आम तौर पर खास जानकारी और कम से कम बैचलर डिग्री या उसके बराबर की योग्यता की जरूरत होती है। टेक्नोलॉजी कंपनियां इसके सबसे बड़े उपयोगकर्ताओं में से हैं, लेकिन अस्पताल, स्कूल, यूनिवर्सिटी और रिसर्च संस्थान भी एच-1बी प्रोफेशनल्स को काम पर रखते हैं।

बांग्लादेश में बेकाबू होती नाबालिग हिंसा, गैंग कल्चर और सोशल मीडिया ने बढ़ाई चिंता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में नाबालिग बच्चों और किशोरों में बढ़ती हिंसक घटनाओं ने देश को चिंतित कर दिया है। कुमिल्ला जिले में 13 वर्षीय मासूम बच्चे इशायात शाहरीआर अप्रतीम की नृशंस हत्या के बाद सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठे हैं। द बिजनेस स्टैण्डर्ड की रिपोर्ट के अनुसार इस वारदात ने किशोर अपराध की भयावह स्थिति को उजागर कर दिया है। इस घटना के बाद देश भर में बच्चों की सुरक्षा, पारिवारिक माहौल और कानून व्यवस्था की सीमाओं पर चर्चा छिड़ गई है।

गैंग कल्चर और सोशल मीडिया का घातक प्रभाव : नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड हॉस्पिटल ढाका के डॉक्टर हेलाल उद्दीन अहमद ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि किशोरों में हिंसक गैंग कल्चर बहुत तेजी से फैल रहा है और यह गंभीर रूप ले रहा है। टिकटॉक, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इस आक्रामक व्यवहार को बढ़ावा दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर 'कूल' दिखने और जल्दी नाम कमाने के चक्कर में किशोर खतरनाक हिंसक वीडियो बना रहे हैं। इन वीडियो के जरिए ध्यान खींचने की कोशिश बच्चों को गंभीर अपराध के रास्ते पर धकेल रही है। बच्चों में बढ़ रही यह आक्रामक प्रवृत्ति न केवल उनके भविष्य बल्कि पूरे समाज के लिए खतरा बन चुकी है। केवल पुलिस की सख्ती और दंडात्मक कार्रवाई से इस जटिल समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल पर विशेष ध्यान देना होगा। गरीबी, बाल श्रम और सामाजिक ढांचे की असफलता ढाका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ए आई महबूब उद्दीन अहमद के मुताबिक गरीबी और बेरोजगारी मुख्य कारण हैं। स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की बढ़ती संख्या, बाल श्रम और बाल विवाह जैसी कुरीतियां सामाजिक नाकामी दर्शाती हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे उचित मार्गदर्शन न मिलने पर असामाजिक तत्वों के बहकावे में आ जाते हैं। जब बच्चों को पढ़ाई और विकास के अवसर नहीं मिलते, तो वे आसानी से अपराध की राह पर चले जाते हैं।

ढाका विश्वविद्यालय के अपराध विज्ञान विभाग के अध्यक्ष रेजाउल करीम शोहाग ने भी इस पर बात की। उन्होंने कहा कि सुरक्षित मनोरंजन और खेलकूद के स्थानों की कमी बच्चों को भटकाने का बड़ा कारण है। सरकार को उन आर्थिक और सामाजिक कारणों को खत्म करना होगा जो बच्चों को आपराधिक गिरोहों में धकेलते हैं। गरीबी मिटाने और स्कूल ड्रॉपआउट रोकने के लिए जमीनी स्तर पर ठोस योजनाएं लागू करना बेहद जरूरी है। शोधकर्ता शाहजेब महमूद ने बांग्लादेश की वर्तमान किशोर न्याय व्यवस्था की कमियों को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि देश में नाबालिगों के लिए पर्याप्त सुधार गृह और पुनर्वास केंद्र उपलब्ध नहीं हैं।

चीन और अमेरिका की दोस्ती बनेगी बेमिसाल? जिनपिंग ने दिया न्योता, तो बोले ट्रंप-हम जल्द आएंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। वॉशिंगटन की अपनी राजकीय यात्रा शुक्रवार को खत्म करते हुए चीनी नेता शी जिनपिंग ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस साल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से उनकी दो और बार मुलाक़ात होगी। शी ने ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया को नवंबर में चीन के शेनझेन में होने वाले एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन समिट में आने का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि वे एक महीने बाद फ्लोरिडा में ट्रंप नेशनल डोरल मियामी गोल्फ क्लब में होने वाले ज20 समिट में फिर से मिल सकते हैं। शी ने कहा, 'मैं राष्ट्रपति और फर्स्ट लेडी का चीन आने पर स्वागत करूंगा।' ट्रंप ने जवाब दिया, 'हम ज़रूर आएंगे, और हम बहुत बातचीत करेंगे।'

ईरान को लेकर भी हुई बात : डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वाशिंगटन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हुई बातचीत में ईरान से जुड़े विवाद पर भी चर्चा हुई। ट्रंप से जब होर्मुज से शिपिंग बहाल करने की कोशिशों के बारे में भी सवाल पूछा गया, जो वैश्विक ऊर्जा व्यापार के लिए एक अहम रास्ता है। ट्रंप ने सकारात्मक जवाब देते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि हम बहुत अच्छा करेंगे। शुक्रवार को ट्रंप, शी को नेशनल आर्काइव्ज़ ले गए और दुनिया के सबसे ताकतवर कम्युनिस्ट देश के नेता को अमेरिकी लोकतंत्र के अहम दस्तावेज़ दिखाए। ट्रंप ने बताया कि यहीं पर 'डिक्लेरेशन ऑफ़ इंडिपेंडेंस', संविधान और 'बिल ऑफ़ राइट्स' रखे गए हैं। ट्रंप ने गुरुवार को कहा था कि वह चीन राष्ट्रपति शी को 'उस गौरवशाली इतिहास की कुछ बेहतरीन निशानियां' दिखाना चाहते हैं।

शी जिनपिंग का दौरा ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका अपनी स्थापना की 250वीं वर्षगांठ मना रहा है और ट्रंप उन्हें नेशनल आर्काइव्स ले गए, जहां अमेरिका की स्थापना की 250वीं वर्षगांठ के मौके पर 'द अमेरिकन स्टोरी' नाम की एक खास प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें देश की उपलब्धियों और तरक्की के साथ-साथ मुश्किल दौर की तस्वीरें भी दिखाई गई हैं। देश के अहम दस्तावेज़ों के इस संग्रह का दौरा करने के बाद शी वॉशिंगटन से रवाना हो गए।

ट्रंप ने ठुकराया तेहरान का प्रस्ताव, नवंबर चुनाव के बाद दोबारा हमले के संकेत

वाशिंगटन , एजेंसी। एक ऐसी घटनाक्रम में जिससे दुनिया और पश्चिम एशिया में बेचैनी बढ़ सकती है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने खबर दी है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सात दिन के युद्धविराम के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है।

रिपोर्ट में क्या दावा किया गया है : अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से आई इस रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सहयोगियों से कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों के बाद ईरान पर बमबारी फिर से शुरू की जाएगी। यह कदम इस हफ्ते की शुरुआत में यूएन जनरल असेंबली में दिए गए उनके भाषण के बाद उठाया गया है, जिसमें उन्होंने ईरान को पूरी तरह खत्म करने की खुली धमकी दी थी।

ट्रंप ने असेंबली में क्या कहा था : उन्होंने 22 सितंबर को असेंबली में कहा, 'मुझे

एक बड़ा फैसला लेना है। क्या ईरान के साथ कोई ऐसा समझौता होगा जिससे वे फिर से अपना देश बना सकें और उसे पहले से कहीं ज्यादा बेहतर और मजबूत देश बना सकें? शायद पश्चिम एशिया या दुनिया के सबसे बेहतरीन देशों में से एक। या फिर मैं इस्लामिक रिपब्लिक को पूरी तरह खत्म कर दूं। वह भी जल्दी, ताकि उन्हें दोबारा लोगों और देशों को मारने और बर्बाद करने का मौका ही न मिले? लेकिन मुझे लगता है कि चुनाव के ठीक बाद हम समझौता कर लेंगे, क्योंकि उनके लिए समझौता न करने का कोई मतलब नहीं बनता।

ईरान के विदेश मंत्री अरागची ने क्या कहा : वहीं, गुरुवार को ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची ने कहा कि ईरान ने पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म करने के लिए सात दिन का प्लान पेश किया है। इस प्लान का मकसद होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना और उसके बाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर व्यापक बातचीत शुरू करना भी है। अरागची ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पत्रकारों से कहा कि यह प्रस्ताव उसी समझौता ज्ञापन जैसा है, जिस पर इस साल जून में अमेरिका और ईरान के बीच सहमति बनी थी। वहीं, जर्मन विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल के साथ अपनी बैठक में, अरागची ने जोर देकर कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने कूटनीति को आगे बढ़ाने के लिए अपनी उचित शर्तें और जरूरतें अमेरिकी पक्ष को बता दी हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि क्षेत्र में सुरक्षा बहाल करने के लिए ईरान के खिलाफ अमेरिका की दखलंदाजी और आक्रामक कार्रवाइयों को रोकना जरूरी है। ईरान के विदेश मंत्री ने अपने शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम को लेकर कूटनीति अपनाने के ईरान के संकल्प पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान ईरान की नेक नीयत को कोई भी पक्ष नजरअंदाज नहीं कर सकता। साथ ही, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि बातचीत के बीच ही अमेरिका और इस्राइल ने ईरान के खिलाफ सैन्य आक्रामकता दिखाई, जबकि वे होर्मुज जलडमरूमध्य में असुरक्षा के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराते रहे।

शहबाज ने यूएन में भारत को जंग की धमकी दी:कहा- सिंधु के पानी को रोकने की गलती न करें; कश्मीर को गले की नस बताया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को यूएन में भारत को जंग की धमकी दी। उन्होंने कहा कि भारत सिंधु नदी का पानी न रोके। पानी रोकने की कोशिश को पाकिस्तान 'युद्ध की कार्रवाई' मानेगा। शहबाज ने कहा कि पानी को कभी हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए। भारत को इसे लेकर कोई गलती नहीं करनी चाहिए। शहबाज शरीफ ने यूएन में कश्मीर का मुद्दा भी उठाया। शहबाज ने कहा कि कश्मीर हमारे लिए जगलर वेन (गर्दन की नस) है। गर्दन की नस शरीर की अहम हिस्सा है। इसके कटते ही इंसान की मौत हो जाती है। यूएनजीए में शहबाज शरीफ के दावों का भारतीय अधिकारी पेटल गहलोत ने राइट ऑफ रिप्लाई के तहत जवाब दिया। गहलोत ने कहा कि पाकिस्तान साल-दर-साल झूठ दोहराकर उसे सच नहीं बना सकता।

पहलगाम हमले और भारत-पाकिस्तान संघर्ष का जिक्र : शहबाज शरीफ ने अपने भाषण में पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सेना ने फील्ड मार्शल आसीम मुनीर के नेतृत्व में सटीक जवाब दिया। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तारीफ करते हुए कहा कि मई 2025 में दोनों देशों के बीच तनाव कम कराने और युद्ध जैसी स्थिति टालने में उनकी भूमिका अहम रही। शहबाज ने कहा कि ट्रम्प की कोशिशों से बड़ा टकराव टल गया। इसका 87 सेकेंड का वीडियो ट्रम्प ने शुक्रवार को बिना किसी टिप्पणी के ट्रुथ सोशल पर शेयर किया। शहबाज ने यह भी कहा कि दक्षिण एशिया में फिर से ऐसे हालात नहीं बनने चाहिए। उनके मुताबिक, इसके लिए कश्मीर मुद्दे का समाधान जरूरी है। शहबाज ने कहा कि पिछले साल भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बाद भारत ने इस संधि को एकतरफा रोक दिया, जिसका कोई कानूनी आधार नहीं है। शहबाज ने दावा किया कि यूएन के विशेषज्ञों और स्थायी मध्यस्थता अदालत ने भी इस मामले में भारत के दावों और कदमों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि इससे पाकिस्तान का रुख सही साबित हुआ है। अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि पर रोक लगा दी थी। हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। भारत का आरोप है कि हमले में शामिल आतंकियों को पाकिस्तान का समर्थन था। शहबाज शरीफ ने दुनिया में बढ़ते इस्लामोफोबिया पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों को नफरत भरी बयानबाजी, भेदभाव और हमलों का सामना करना पड़ रहा है। मस्जिदों पर हमले और कुरान के अपमान की घटनाएं भी चिंता का विषय हैं। भारत का जिक्र करते हुए शहबाज ने आरोप लगाया कि सीमा पार आरएसएस से प्रभावित विचारधारा धार्मिक नफरत को बढ़ावा दे रही है।

ओपनएआई की फिर से मनमानी: अमेरिकी सरकारी वेबसाइटों को बनाया निशाना

कैलिफोर्निया, एजेंसी। ओपनएआई का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अनियंत्रित हो गया और लैब की जानकारी के बिना अमेरिकी सरकार की वेबसाइट में दखल दे दिया। यह जानकारी न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार है।

किन विभाग के वेबसाइट को बनाया निशाना : सुरक्षा शोधकर्ताओं और इस मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति का हवाला देते हुए, न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा कि इस गर्मी में एआई लैब की जानकारी के बिना शिक्षा विभाग, वाणिज्य विभाग और प्रतिभूति और विनिमय आयोग की वेबसाइटों को निशाना बनाया गया था। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि वाणिज्य विभाग और एसईसी से जुड़ी घटना की पुष्टि ओपनएआई ने की है, जिसने कहा कि वह स्थिति की जांच जारी रखे हुए है। इस बीच, ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को कहा कि कंपनी उन एजेंट्स के इस्तेमाल के तरीकों की समीक्षा कर रही है, जिन्हें इंटनेट का एक्सेस मिलता है, लेकिन यह काम उतनी तेजी से नहीं हो रहा है जितनी तेजी से वे चाहते थे।

पारदर्शिता पर क्या बोले ऑल्टमैन : ऑल्टमैन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा,'हमारे एजेंट्स के ट्रेनिंग और इवैल्यूएशन के दौरान इंटरनेट इस्तेमाल को लेकर एक बड़ी और लगातार चलने वाली समीक्षा हो रही है। हम नीचे दिए गए लिंक पर इसकी समरी पब्लिश करते रहे हैं। आगे भी करते रहेंगे। हम उतनी तेजी से काम नहीं कर पाए हैं जितनी हमारी इच्छा थी, लेकिन हम पारदर्शिता बनाए रखने और एजेंट्स की एक्टिविटी के पेटाबाइट्स डेटा से साफ समझ बनाने के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि इसके साथ ही प्रभावित संगठनों के साथ भी काम कर रहे हैं। हम गंभीरता के आधार पर प्राथमिकता तय कर रहे हैं और रिसोर्स भी बढ़ा रहे हैं। अब तक हमने जो घटनाएं देखी हैं, उनमें 'हगिंग फेस' वाली घटना सबसे गंभीर है। हम जितनी हो सके उतनी पारदर्शिता बरतेंगे, लेकिन इसमें कुछ सीमाएं भी होंगी, जैसे कि दूसरी कंपनियों में हमारे एजेंट्स को मिली कमजोरियां इनके बारे में जानकारी सार्वजनिक करनी है या नहीं। यह उन कंपनियों का फैसला होगा।

जांच किन मामलों पर केंद्रित है : ओपनएआई ने कहा, 'हमारी जांच उन मामलों पर केंद्रित है जहां एजेंट ने थर्ड-पार्टी वेबसाइटों के साथ ऐसे तरीके से इंटरैक्ट किया जो उनके सौंपे गए कामों या तय तरीकों से अलग थे। अब तक पहचाने गए ज्यादातर मामले कम गंभीरता वाले रहे हैं, जिनमें थर्ड-पार्टी सर्विस पर किसी खास असर का बहुत कम या कोई सबूत नहीं मिला है। कंपनी ने आगे कहा कि वह उन मामलों में थर्ड-पार्टी को सूचित कर रही है जहां एआई मॉडल ने शायद किसी थर्ड-पार्टी के सिक्योरिटी कंट्रोल को बायपास किया हो या किसी ऑनलाइन सर्विस की उपलब्धता को प्रभावित किया हो, या ऐसे मामले जिनमें थर्ड-पार्टी वेबसाइटों पर बुरा असर पड़ा हो। ओपनएआई ने कहा, 'अब तक की हमारी समीक्षा के आधार पर, हमने ऊपर बताए गए मानदंडों का इस्तेमाल करके दर्जनों थर्ड-पार्टी को सूचित किया है।

कांगो में विमान हादसे में 14 लोगों की मौत, सैन्य न्याय व्यवस्था के दो बड़े अधिकारी भी मारे गए

केंजे , एजेंसी। मध्य अफ्रीकी देश कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में शुक्रवार, 25 सितंबर को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में देश की सैन्य न्याय व्यवस्था के दो वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। कांगो की सेना के मुताबिक, विमान में सवार सभी लोगों की इस हादसे में जान चली गई।

हादसा राजधानी किन्शासा से करीब दक्षिण-पश्चिम में स्थित केंजे शहर में हुआ। विमान पड़ोसी क्विलू प्रांत के किक्विट से किन्शासा लौट रहा था। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक, उड़ान के दौरान विमान में तकनीकी खराबी आ गई। इसके बाद विमान ने केंजे शहर के ऊपर कई चक्कर लगाए और सुरक्षित उतरने की कोशिश की। लेकिन शहर में कोई रनवे नहीं होने के कारण विमान एक रिहायशी इलाके में जा गिरा।

दुर्घटना में सेना के कई अन्य सदस्यों ने भी गंवाई जान : कांगो की सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल एफोमी एकेंगे ने बताया कि विमान हादसे के मृतकों में लेफ्टिनेंट जनरल मुतोंबो काटलायी तिएंदे और लेफ्टिनेंट जनरल बाकुमी लिकुलिया भी शामिल हैं। तिएंदे सैन्य अदालत के प्रमुख थे, जबकि लिकुलिया सशस्त्र बलों के ऑडिटर जनरल थे। उनके अलावा सैन्य प्रतिनिधिमंडल के कुछ अन्य

सदस्य और विमान के चालक दल के लोग भी मारे गए। विमान के संचालन को लेकर स्थानीय रिपोर्टों में ट्रैसेप कंपनी और लेट एल-410 विमान का नाम सामने आया है। हालांकि, विमान में सवार लोगों और मृतकों की संख्या को लेकर शुरुआती रिपोर्टों में अलग-अलग आंकड़े दिए गए। स्थानीय अधिकारियों ने पहले 13 लोगों की मौत की जानकारी दी थी। बाद में प्रांतीय प्रशासन ने मृतकों की संख्या 17 बताई। इनमें 13 सैन्यकर्मी और चार नागरिक बताए गए। इसी वजह से अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में फिलहाल मृतकों की संख्या अलग-अलग बताई जा रही है। कई रिपोर्टों में 14 मौतों का आंकड़ा प्रमुखता से सामने आया है। कांगो के अधिकारियों ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल को सुरक्षित कर लिया गया है और दुर्घटना की वजह पता लगाने के लिए तकनीकी और सुरक्षा एजेंसियों की टीमें जांच कर रही हैं। अधिकारियों के मुताबिक, उस समय तक विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद नहीं हुआ था। यह हादसा ऐसे समय हुआ है, जब कांगो पहले से ही गंभीर सुरक्षा संकट से जूझ रहा है। देश की सेना खासकर पूर्वी हिस्से में कई हथियारबंद गुटों से लड़ रही है। इनमें रवांडा समर्थित एम23 विद्रोही गुट भी शामिल है। पिछले साल से जारी संघर्ष के दौरान इस गुट ने पूर्वी कांगो के कई अहम शहरों पर कब्जा कर लिया है। इससे इलाके में सुरक्षा की स्थिति और खराब हुई है। कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स त्शिसेकेदी ने हादसे में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना जताई है। विमान दुर्घटना की असली वजह क्या थी, यह जांच पूरी होने के बाद ही साफ हो सकेगा। कांगो की सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल एफोमी एकेंगे ने बताया कि विमान दक्षिण-पश्चिमी कांगो के किकविट शहर से राजधानी किंशासा लौट रहा था. इसी दौरान विमान में तकनीकी खराबी आ गई।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)